मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 12

नाम .....

102 302 (DP)

2022
सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] *[पूर्णांक : 100*

निर्देश :

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं । दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

खण्ड क

1. (क) 'डिप्टी कलक्टरी' के लेखक हैं : 1

(i) वासुदेवशरण अग्रवाल

(ii) अमरकान्त

(iii) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी

(iv) डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी

https://www.upboardonline.com

(ख) 'भारत की एकता' के रचनाकार हैं : 1

(i) डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

(ii) फणीश्वरनाथ रेणु

(iii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

(iv) वासुदेवशरण अग्रवाल

(ग) निम्नलिखित में से हजारी प्रसाद द्विवेदी की रचना है : 1

(i) 'कल्पवृक्ष'

(ii) 'पूर्वोदय'

(iii) 'कल्पलता'

(iv) 'और अन्त में'

(घ) निम्नलिखित में से प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी की रचना है : 1

(i) 'मेरे विचार'

(ii) 'साहित्य और समाज'

(iii) 'लैंग्वेज प्रोब्लम इन इण्डिया'

(iv) 'धरती के फूल'

(ङ) 'आरोहण-प्रमुख स्वामी जी के साथ मेरा आध्यात्मिक सफ़र' – इस पुस्तक के लेखक हैं : 1

(i) वासुदेवशरण अग्रवाल

(ii) डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

(iii) जैनेन्द्र कुमार

(iv) 'अज्ञेय'

https://www.upboardonline.com

2. (क) निम्नलिखित में से अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' द्वारा लिखित महाकाव्यात्मक रचना है : 1

(i) 'रुक्मिणी परिचय' (ii) 'रसकलश'

(iii) 'वैदेही वनवास' (iv) 'अधखिला फूल'

(ख) निम्नलिखित में से मैथिलीशरण गुप्त की रचना है : 1

(i) 'सिद्धराज' (ii) 'कानन-कुसुम'

(iii) 'उत्तरा' (iv) 'दीपशिखा'

(ग) 'अज्ञेय' जी को निम्नलिखित में से किस काव्यकृति पर 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' मिला था ? 1

(i) 'इन्द्रधनु रौंदे हुए ये'

(ii) 'हरी घास पर क्षण भर'

(iii) 'आँगन के पार द्वार'

(iv) 'कितनी नावों में कितनी बार'

(घ) निम्नलिखित में से 'दिनकर' की रचना है : 1

(i) 'शिला पंख चमकीले'

(ii) 'परशुराम की प्रतीक्षा'

(iii) 'अन्धा-युग'

(iv) 'अनामिका'

(ङ) 'हिमालय' निम्नलिखित में से किसकी काव्यकृति है ? 1

(i) सुमित्रानन्दन पन्त

(ii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

(iii) महादेवी वर्मा

(iv) जयशंकर प्रसाद

https://www.upboardonline.com

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×2=10

साहित्य, कला, नृत्य, गीत, आमोद-प्रमोद अनेक रूपों में राष्ट्रीय जन अपने-अपने मानसिक भावों को प्रकट करते हैं। आत्मा का जो विश्वव्यापी आनंद-भाव है, वह इन विविध रूपों में साकार होता है। यद्यपि बाह्य रूप की दृष्टि से संस्कृति के ये बाहरी लक्षण अनेक दिखायी पड़ते हैं, किन्तु आंतरिक आनंद की दृष्टि से उनमें एकसूत्रता है। जो व्यक्ति सहृदय है, वह प्रत्येक संस्कृति के आनंद-पक्ष को स्वीकार करता है और उससे आनन्दित होता है। इस प्रकार की उदार भावना ही विविध जनों से बने हुए राष्ट्र के लिए स्वास्थ्यकर है।

(क) राष्ट्रीय जन अपने-अपने मानसिक भावों को किन रूपों में प्रकट करते हैं ?

(ख) संस्कृति के आनंद-पक्ष को कौन स्वीकार करता है ?

(ग) 'मानसिक' और 'स्वास्थ्यकर' शब्दों के अर्थ लिखिए।

(घ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और उसके लेखक का नाम लिखिए।

अथवा

रमणीयता और नित्य नूतनता अन्योन्याश्रित हैं, रमणीयता के अभाव में कोई भी चीज़ मान्य नहीं होती। नित्य नूतनता किसी भी सर्जक की मौलिक उपलब्धि की प्रामाणिकता सूचित करती है और उसकी अनुपस्थिति में कोई भी चीज़ वस्तुत: जनता व समाज के द्वारा स्वीकार्य नहीं होती। सड़ी-गली मान्यताओं से जकड़ा हुआ जैसे आगे बढ़ नहीं पाता, वैसे ही पुरानी रीतियों और शैलियों की परम्परागत लीक पर चलने वाली भाषा भी जन-चेतना को गति देने में प्राय: असमर्थ ही रह जाती है। भाषा समूची युग-चेतना की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है।

https://www.upboardonline.com

(क) नित्य नूतनता क्या सूचित करती है ?

(ख) युग-चेतना की सशक्त अभिव्यक्ति का साधन क्या है ?

(ग) 'अन्योन्याश्रित' और 'परम्परागत' शब्दों का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

(घ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और उसके लेखक का नाम लिखिए ।

4. दिए गए पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *5×2=10*

कहते आते थे यही अभी नरदेही,
'माता न कुमाता, पुत्र कुपुत्र भले ही ।'
अब कहें सभी यह हाय ! विरुद्ध विधाता,
'है पुत्र पुत्र ही, रहे कुमाता माता ।'
बस मैंने इसका बाह्य-मात्र ही देखा,
दृढ़ हृदय न देखा, मृदुल गात्र ही देखा,
परमार्थ न देखा, पूर्ण स्वार्थ ही साधा,
इस कारण ही तो हाय आज यह बाधा !
युग-युग तक चलती रहे कठोर कहानी —
'रघुकुल में भी थी एक अभागिन रानी ।'

(क) नरदेही अभी तक क्या कहते आ रहे थे ?

(ख) युग-युग तक क्या कठोर कहानी चलती रहेगी ?

(ग) 'गात्र' तथा 'परमार्थ' शब्दों का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

(घ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ङ) उपर्युक्त कविता का शीर्षक तथा कवि का नाम लिखिए ।

अथवा

https://www.upboardonline.com

यह मनुज, जो सृष्टि का शृंगार
ज्ञान का, विज्ञान का, आलोक का आगार ।
'व्योम से पाताल तक सब कुछ इसे है ज्ञेय'
पर, न यह परिचय मनुज का, यह न उसका श्रेय ।
श्रेय उसका बुद्धि पर चैतन्य उर की जीत,
श्रेय मानव की असीमित मानवों से प्रीत,
एक नर से दूसरे के बीच का व्यवधान
तोड़ दे जो, बस, वही ज्ञानी, विद्वान्

(क) इस सृष्टि में मनुष्य का क्या महत्त्व है ?

(ख) मानव-जीवन का क्या श्रेय होना चाहिए ?

(ग) 'आगार' और 'व्यवधान' शब्दों का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

(घ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ङ) उपर्युक्त कविता का शीर्षक तथा कवि का नाम लिखिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी ***एक*** लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) *3+2=5*

(i) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी

(ii) डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी

(iii) डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल

(ख) निम्नलिखित में से किसी ***एक*** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) *3+2=5*

(i) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

(ii) सुमित्रानन्दन पन्त

(iii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

https://www.upboardonline.com

6. 'ध्रुवतारा' **अथवा** 'बहादुर' कहानी का सारांश लिखिए । (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) 5

अथवा

'पंचलाइट' **अथवा** 'बहादुर' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) 5

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी ***एक*** खण्डकाव्य के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : 5

(अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द)

(क) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर 'नमक आन्दोलन' से सम्बन्धित कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर 'गांधी जी' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ख) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'दुर्योधन' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के 'तृतीय' सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

(ग) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के 'चतुर्थ' सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

https://www.upboardonline.com

(घ) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'द्रौपदी' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

(ङ) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'सम्राट हर्षवर्धन' की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के 'द्वितीय' सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

(च) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'संदेश' सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'दशरथ' का चरित्रांकन कीजिए ।

खण्ड ख

8. (क) दिए गए संस्कृत गद्यांशों में से किसी ***एक*** का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2+5=7

यथैवोपकरणवतां जीवनं तथैव ते जीवनं स्यात् । अमृतत्वस्य तु नाशास्ति वित्तेन इति । सा मैत्रेयी उवाच – येनाहं नामृता स्याम् किमहं तेन कुर्याम् । यदेव भगवान् केवलममृतत्वसाधनं जानाति, तदेव मे ब्रूहि । याज्ञवल्क्य उवाच – प्रिया न: सती त्वं प्रियं भाषसे । एहि, उपविश व्याख्यास्यामि ते अमृतत्वसाधनम् । याज्ञवल्क्य उवाच – न वा अरे मैत्रेयि ! पत्यु: कामाय पति: प्रियो भवति । आत्मनस्तु वै कामाय पति: प्रियो भवति ।

अथवा

https://www.upboardonline.com

अतीते प्रथमकल्पे जना: एकमभिरूपं सौभाग्यप्राप्तं सर्वाकार परिपूर्णं पुरुष राजानमकुर्वन् । चतुष्पदा अपि सन्निपत्य एक सिहं राजानमकुर्ववन् । तत: शकुनिगणा: हिमवत्-प्रदेशे एकस्मिन् पाषाणे सन्निपत्य 'मनुष्येषु राजा प्रज्ञायते तथा चतुष्पदेषु च । अस्माकं पुनरन्तरे राजा नास्ति । अराजको वासो नाम न वर्तते । एको राजस्थाने स्थापयितव्य:' इति उक्तवन्त: । अथ ते परस्परमवलोकयन्त्र: एकमुलूकं दृष्ट्वा 'अयं नो रोचते' इत्यवोचन ।

(ख) दिए गए श्लोकों में से किसी ***एक*** का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : *2+5=7*

विद्या विवादाय धनं मदाय शक्ति परेषां परिपीडनाय ।
खलस्य साधो: विपरीतमेतज्ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय ।।

अथवा

जयन्ति ते महाभागा जन-सेवा-परायणा: ।
जरामृत्युभयं नास्ति येषां कीर्तितनो: क्वचित् ।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी ***एक*** का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए : *1+1=2*

(क) अपने पैर पर खड़े होना
(ख) मक्खन लगाना
(ग) पिया चाहे सोई सुहागिन
(घ) सावन हरे न भादों सूखे

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'अन्तरात्मा' का सही सन्धि-विच्छेद है : *1*

(अ) अन्त: + आत्मा
(ब) अन्ता + आत्मा
(स) अन्तर + आत्मा
(द) अन्त + रात्मा

https://www.upboardonline.com

(ii) 'नरेन्द्र:' का सही सन्धि-विच्छेद है : *1*

(अ) नर + ईन्द्र:
(ब) नर + इन्द्र:
(स) नर् + इन्द्र:
(द) नरे + न्द्र:

(iii) 'पवित्रम्' का सही सन्धि-विच्छेद है : *1*

(अ) पौ + इत्रम्
(ब) पव + इत्रम्
(स) पव + वित्रम्
(द) पो + इत्रम्

(ख) दिए गए निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'आत्मना' शब्द में विभक्ति और वचन है : *1*

(अ) चतुर्थी विभक्ति, बहुवचन
(ब) तृतीया विभक्ति, एकवचन
(स) पंचमी विभक्ति, द्विवचन
(द) द्वितीया विभक्ति, बहुवचन

(ii) 'नामनि' शब्द में विभक्ति और वचन है : *1*

(अ) द्वितीया विभक्ति, द्विवचन
(ब) चतुर्थी विभक्ति, बहुवचन
(स) पंचमी विभक्ति, एकवचन
(द) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

https://www.upboardonline.com

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) अभय – उभय *1*

(अ) निडर और चारों

(ब) डरपोक और दोनों

(स) निडर और दोनों

(द) निडर और भयभीत

(ii) अंश – अंशु *1*

(अ) भाग और सूर्य

(ब) सूर्य और भाग

(स) भाग और किरण

(द) भाग और वरुण

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी ***एक*** शब्द के दो अर्थ लिखिए : *1+1=2*

(i) काल

(ii) चपला

(iii) नाग

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द का चयन करके लिखिए :

(i) जिसकी गणना न की जा सके *1*

(अ) अगणित (ब) अगणनीय

(स) अगणक (द) अगणीत

(ii) जंगल की अग्नि *1*

(अ) जठराग्नि (ब) बाडवाग्नि

(स) दावाग्नि (द) वनानली

https://www.upboardonline.com

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : *1+1=2*

(i) यह किताब पाँच रुपये की है ।

(ii) तुलसीदास पक्के ईश्वर के भक्त थे ।

(iii) इलाहाबाद जाने के अनेकों रास्ते हैं ।

(iv) आप पधारकर हमें अनुग्रहीत करें ।

12. (क) 'वीर' **अथवा** 'हास्य' रस का लक्षण और उदाहरण लिखिए । *1+1=2*

(ख) 'अनुप्रास' **अथवा** 'उपमा' अलंकार का लक्षण और उदाहरण लिखिए । *1+1=2*

(ग) 'दोहा' **अथवा** 'चौपाई' छन्द का लक्षण और उदाहरण लिखिए । *1+1=2*

13. किसी विद्यालय के प्रबन्धक के नाम प्रवक्ता-पद पर अपनी नियुक्ति हेतु एक आवेदन-पत्र लिखिए । *6*

अथवा

होजरी की दुकान खोलने के लिए किसी बैंक के शाखा प्रबन्धक को एक आवेदन-पत्र लिखिए, जिसमें ऋण की माँग की गई हो । *6*

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी ***एक*** पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : *9*

(क) भ्रष्टाचार : समस्या और समाधान

(ख) वन-सम्पदा और उसकी उपयोगिता

(ग) दहेज प्रथा : अतीत और वर्तमान

(घ) भारत में आतंकवाद : कारण और निवारण

(ङ) जनसंख्या-नियंत्रण में परिवार-नियोजन का महत्त्व

https://www.upboardonline.com

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 15

102

302 (DQ)

2022
सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] *[पूर्णांक : 100*

निर्देश :

(i) *प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र के दो खण्ड हैं । दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।*

खण्ड क

1. (क) वासुदेवशरण अग्रवाल की कृति है : 1

(i) 'मेरी असफलताएँ'

(ii) 'माताभूमि'

(iii) 'आधे-अधूरे'

(iv) 'आखिरी चट्टान'

https://www.upboardonline.com

(ख) निम्नलिखित में से हजारी प्रसाद द्विवेदी की रचना *नहीं* है : 1

(i) 'हिन्दी साहित्य की भूमिका'

(ii) 'विचार और वितर्क'

(iii) 'बिल्लेसुर बकरिहा'

(iv) 'साहित्य का मर्म'

(ग) निम्नलिखित में से प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी की रचना है : 1

(i) 'मेरे विचार'

(ii) 'सूरज का सातवाँ घोड़ा'

(iii) 'आलवाल'

(iv) 'मैंने सिल पहुँचायी'

(घ) 'अग्नि की उड़ान' पुस्तक के रचनाकार हैं : 1

(i) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'

(ii) पं. दीनदयाल उपाध्याय

(iii) धर्मवीर भारती

(iv) डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

(ङ) फणीश्वरनाथ 'रेणु' की कृति 'ठुमरी' किस विधा पर आधारित है ? 1

(i) यात्रा-संस्मरण

(ii) उपन्यास

(iii) कहानी

(iv) रिपोर्ताज

https://www.upboardonline.com

2. (क) 'रसकलश' किसकी रचना है ? 1

(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(ii) जगन्नाथदास 'रत्नाकर'

(iii) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

(iv) जयशंकर प्रसाद

(ख) मैथिलीशरण गुप्त की महाकाव्यात्मक कृति है : 1

(i) 'भारत-भारती' (ii) 'जयद्रथ वध'

(iii) 'यशोधरा' (iv) 'साकेत'

(ग) निम्नलिखित में से जयशंकर प्रसाद की काव्यकृति *नहीं* है : 1

(i) 'कानन-कुसुम' (ii) 'प्रेमपथिक'

(iii) 'चित्राधार' (iv) 'इत्यलम्'

(घ) सुमित्रानन्दन पन्त को 'सोवियत लैंड नेहरू पुरस्कार' किस कृति पर मिला था ? 1

(i) 'कला और बूढ़ा चाँद'

(ii) 'लोकायतन'

(iii) 'चिदम्बरा'

(iv) 'स्वर्ण-किरण'

(ङ) निम्नलिखित में से सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन का काव्य संकलन है : 1

(i) 'लहर' (ii) 'उर्वशी'

(iii) 'गुंजन' (iv) 'हरी घास पर क्षण भर'

https://www.upboardonline.com

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×2=10

भूमि का निर्माण देवों ने किया है, वह अनंत काल से है। उसके भौतिक रूप, सौन्दर्य और समृद्धि के प्रति सचेत होना हमारा आवश्यक कर्तव्य है। भूमि के पार्थिव स्वरूप के प्रति हम जितने अधिक जागरित होंगे उतनी ही हमारी राष्ट्रीयता बलवती हो सकेगी। यह पृथिवी सच्चे अर्थों में समस्त राष्ट्रीय विचारधाराओं की जननी है। जो राष्ट्रीयता पृथिवी के साथ नहीं जुड़ी वह निर्मूल होती है। राष्ट्रीयता की जड़ें पृथिवी में जितनी गहरी होंगी उतना ही राष्ट्रीय भावों का अंकुर पल्लवित होगा। इसलिए पृथिवी के भौतिक स्वरूप की आद्योपांत जानकारी प्राप्त करना, उसकी सुन्दरता, उपयोगिता और महिमा को पहचानना आवश्यक धर्म है।

(क) भूमि का निर्माण किसने किया है और वह कब से है ?

(ख) यह पृथिवी सच्चे अर्थों में किसकी जननी है ?

(ग) 'पार्थिव' और 'आद्योपांत' शब्दों का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(घ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।

अथवा

https://www.upboardonline.com

भगवान् बुद्ध ने मार-विजय के बाद वैरागियों की पलटन खड़ी की थी । असल में 'मार' मदन का भी नामांतर है । कैसा मधुर और मोहक साहित्य उन्होंने दिया । पर न जाने कब यक्षों के वज्रपाणि नामक देवता इस वैराग्यप्रवण धर्म में घुसे और बोधिसत्त्वों के शिरोमणि बन गये फिर वज्रयान का अपूर्व धर्म-मार्ग प्रचलित हुआ । त्रिरत्नों में मदन देवता ने आसन पाया । वह एक अजीब आँधी थी । इसमें बौद्ध बह गये, शैव बह गये, शाक्त बह गये । उन दिनों 'श्रीसुन्दरीसाधनतत्पराणां योगश्च भोगश्च करस्थ एव' की महिमा प्रतिष्ठित हुई । काव्य और शिल्प के मोहक अशोक ने अभिचार में सहायता दी ।

(क) भगवान् बुद्ध ने मार-विजय के बाद क्या किया ?

(ख) बोधिसत्त्वों का शिरोमणि कौन बन गया ?

(ग) 'बोधिसत्त्व' और 'अभिसार' शब्दों का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

(घ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।

https://www.upboardonline.com

4. दिए गए पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×2=10

मेरे प्यारे नव जलद से कंज से नेत्र वाले ।
जाके आये न मधुवन से औ न भेजा सँदेसा ।
मैं रो-रो के प्रिय-विरह से बावली हो रही हूँ ।
जा के मेरी सब दुःख-कथा श्याम को तू सुना दे ।।
ज्यों ही मेरा भवन तज तू अल्प आगे बढ़ेगी ।
शोभावाली सुखद कितनी मंजु कुंजें मिलेंगी ।
प्यारी छाया मृदुल स्वर से मोह लेंगी तुझे वे ।
तो भी मेरा दुःख लख वहाँ जा न विश्राम लेना ।।

(क) संदेश प्रेषिका ने 'नव जलद से कंज से नेत्र वाले' शब्द किसके लिए प्रयोग किया है ?

(ख) मधुवन जाकर किसने कोई सन्देश नहीं भेजा ?

(ग) 'बावली' और 'अल्प' शब्दों का अर्थ लिखिए ।

(घ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ङ) उपर्युक्त पद्यांश से सम्बन्धित कविता का शीर्षक तथा उसके रचयिता का नाम लिखिए ।

अथवा

https://www.upboardonline.com

सुख भोग खोजने आते सब,
आये तुम करने सत्य खोज,
जग की मिट्टी के पुतले जन
तुम आत्मा के, मन के मनोज !
जड़ता, हिंसा, स्पर्धा में भर
चेतना, अहिंसा, नम्र ओज,
पशुता का पंकज बना दिया
तुमने मानवता का सरोज ।

(क) इस दुनिया में सब लोग क्या खोजने आते हैं ?

(ख) 'बापू' ने 'पशुता के पंकज' को क्या बना दिया ?

(ग) 'स्पर्धा' और 'अहिंसा' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

(घ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ङ) उपर्युक्त पद्यांश से सम्बन्धित कविता का शीर्षक तथा उसके रचयिता का नाम लिखिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी *एक* लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) *3+2=5*

(i) वासुदेवशरण अग्रवाल

(ii) डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी

(iii) डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

P.T.O.

https://www.upboardonline.com

(ख) निम्नलिखित में से किसी *एक* कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) *3+2=5*

(i) मैथिलीशरण गुप्त

(ii) महादेवी वर्मा

(iii) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

6. 'पंचलाइट' **अथवा** 'बहादुर' कहानी का सारांश लिखिए । (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) *5*

अथवा

'ध्रुवयात्रा' **अथवा** 'बहादुर' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) *5*

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी *एक* खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) *5*

(क) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर 'द्वितीय विश्वयुद्ध' की कथावस्तु लिखिए ।

(ख) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'दुर्योधन' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

https://www.upboardonline.com

(ग) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के 'पंचम सर्ग' की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कृष्ण' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(घ) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर 'गाँधी जी' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के 'सप्तम सर्ग' की कथावस्तु लिखिए ।

(ङ) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'राज्यश्री' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के 'पंचम सर्ग' की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

(च) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रवणकुमार' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'अयोध्या' सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

https://www.upboardonline.com

खण्ड ख

8. (क) दिए गए संस्कृत गद्यांशों में से किसी **एक** का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2+5=7

संस्कृतस्य साहित्यं सरसं, व्याकरणञ्च सुनिश्चितम् । तस्य गद्ये पद्ये च लालित्यं, भावबोधसामर्थ्यम्, अद्वितीयं श्रुतिमाधुर्यञ्च वर्तते । किं बहुना चरित्रनिर्माणार्थं यादृशीं सत्प्रेरणा संस्कृतवाङ्मयं ददाति न तादृशीम् किञ्चिदन्यत् । मूलभूतानां मानवीयगुणानां यादृशी विवेचना संस्कृतसाहित्ये वर्तते नान्यत्र तादृशी । दया, दान, शौचम्, औदार्यम्, अनसूया, क्षमा, अन्ये चानैक गुणाः अस्य साहित्यस्य अनुशीलनेन सञ्जायते ।

अथवा

महामना विद्वान् वक्ता धार्मिको नेता, पटुः पत्रकारश्चासीत् । परमस्य सर्वोच्चगुणः जनसेवैव आसीत् । यत्र कुत्रापि अयं जनान् दुःखितान् पीड्यमानांश्चापश्यत् तत्रैव सः शीघ्रमेव उपस्थितः सर्वविधं साहाय्याञ्च अकरोत् । प्राणिसेवा अस्य स्वभाव एवासीत् । अद्यास्माकं मध्येऽनुपस्थितोऽपि महामना मालवीयः स्वयशसोऽमूर्तरूपेण प्रकाशं वितरन् अन्धे तमसि निमग्नान् जनान् सन्मार्गं दर्शयन् स्थाने स्थाने जने जने उपस्थित एव ।

https://www.upboardonline.com

(ख) दिए गए श्लोकों में से किसी **एक** का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2+5=7

न मे रोचते भद्रं वः उलूकस्याभिषेचनम् ।
अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं क्रुद्धो भविष्यति ।

अथवा

न चौरहार्यं न च राजहार्यं
न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि ।
व्यये कृते वर्द्धत एवं नित्यं
विद्याधनं सर्वधनंप्रधानम् ।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी **एक** का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1+1=2

(क) अधजल गगरी छलकत जाय

(ख) कलई खुलना

(ग) पानी-पानी होना

(घ) आम के आम गुठलियों के दाम

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'कवीन्द्रः' का सही सन्धि-विच्छेद है : 1

(अ) कवि + ईन्द्रः
(ब) कवी + इन्द्रः
(स) कवि + इन्द्रः
(द) कवी + ईन्द्रः

P.T.O.

https://www.upboardonline.com

(ii) 'देवेशः' का सही सन्धि-विच्छेद है : 1

(अ) देव + ईशः
(ब) देवा + ईशः
(स) देवे + शः
(द) देवा + इशः

(iii) 'नाविकः' का सही सन्धि-विच्छेद है : 1

(अ) नाव + इकः
(ब) नौ + विकः
(स) नौ + ईकः
(द) नौ + इकः

(ख) दिए गए निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही चयन कीजिए :

(i) 'आत्मनोः' शब्द में विभक्ति और वचन है : 1

(अ) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन
(ब) षष्ठी विभक्ति, द्विवचन
(स) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन
(द) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(ii) 'नाम्ने' शब्द में विभक्ति और वचन है : 1

(अ) सप्तमी विभक्ति, एकवचन
(ब) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन
(स) तृतीया विभक्ति, बहुवचन
(द) चतुर्थी विभक्ति, बहुवचन

https://www.upboardonline.com

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) अविराम – अभिराम 1

(अ) रुककर और सुन्दर

(ब) लगातार और कुरूप

(स) लगातार और सुन्दर

(द) लेटकर और भद्दा

(ii) जलद – जलधि 1

(अ) बादल और समुद्र

(ब) पानी और समुद्र

(स) इन्द्र और पर्वत

(द) जल और पर्वत

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी *एक* शब्द के दो अर्थ लिखिए : 1+1=2

(i) दल

(ii) मित्र

(iii) दाम

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द का चयन करके लिखिए : 1

(i) जो ईश्वर में विश्वास करता है :

(अ) अकृतज्ञ

(ब) कृतज्ञ

(स) आस्तिक

(द) नास्तिक

P.T.O.

https://www.upboardonline.com

(ii) जो ग़लत कार्य के लिए हठ करे : 1

(अ) दुराग्रह (ब) दुराग्रही

(स) सदाग्रही (द) सत्याग्रही

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 1+1=2

(i) यह पद्यांश नौकाविहार कविता से संग्रहीत है ।

(ii) क्या मेरा तौलिया सूख गया ?

(iii) तुम मेरे से मत बोलो ।

(iv) निरपराधी को दण्ड नहीं देना चाहिए ।

12. (क) 'वीर' अथवा 'करुण' रस का लक्षण और एक उदाहरण लिखिए । 1+1=2

(ख) 'श्लेष' अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षण और उदाहरण लिखिए । 1+1=2

(ग) 'दोहा' अथवा 'कुंडलियाँ' छन्द का लक्षण और उदाहरण लिखिए । 1+1=2

13. कृषि यंत्रों की दुकान खोलने के लिए किसी बैंक के शाखा प्रबंधक को एक आवेदन-पत्र लिखिए, जिसमें ऋण की माँग की गयी हो । 6

अथवा

नैत्यिक लिपिक के पद पर अपनी नियुक्ति के लिए किसी विद्यालय के प्रबन्धक को एक आवेदन-पत्र लिखिए । 6

https://www.upboardonline.com

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी *एक* पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 9

(क) किसान-जीवन की त्रासदी

(ख) मुंशी प्रेमचन्द का कथा साहित्य में योगदान

(ग) विज्ञान : वरदान या अभिशाप

(घ) राष्ट्रीय एकता : आज की अनिवार्य आवश्यकता

(ङ) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का महत्त्व

https://www.upboardonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

2,42,000

https://www.upboardonline.com

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 16

अनुक्रमांक

नाम

102 **302(DR)**

2022

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र **दो भागों – खण्ड 'क'** तथा **खण्ड 'ख'** में विभाजित है ।

ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(खण्ड-क)

1 क) 'साहित्य-सहचर' के लेखक हैं

i) महावीर प्रसाद द्विवेदी

ii) हजारीप्रसाद द्विवेदी

iii) बाबू गुलाब राय

iv) महादेवी वर्मा । 1

ख) बालकृष्ण भट्ट द्वारा सम्पादित पत्रिका है

i) कवि वचन सुधा

ii) विशाल भारत

iii) साहित्य संदेश

iv) हिन्दी प्रदीप । 1

ग) हिन्दी का प्रथम मौलिक उपन्यास है

i) परीक्षा गुरु

ii) आनन्दमठ

iii) तितली

iv) गबन । 1

घ) सरदार पूर्णसिंह किस युग के लेखक हैं ?

i) भारतेन्दु युग

ii) छायावाद युग

iii) द्विवेदी युग

iv) प्रगतिवादी युग । 1

ङ) निम्नलिखित में से जयशंकर प्रसाद की कृति है

i) ध्रुवस्वामिनी

ii) आषाढ़ का एक दिन

iii) कुटज

iv) आत्मनेपद । 1

2. क) छायावाद की विशेषता है

i) इतिवृत्तात्मकता

ii) शृंगारिक भावना

iii) सौन्दर्य और प्रेम

iv) उपदेशात्मक वृत्ति । 1

ख) निम्नलिखित में से कौन-सा ग्रन्थ भक्तिकाल का है ?

i) पृथ्वीराज रासो

ii) विनय पत्रिका

iii) साकेत

iv) कामायनी । 1

ग) प्रयोगवाद के प्रवर्तक हैं

i) निराला

ii) जयशंकर प्रसाद

iii) मैथिलीशरण गुप्त

iv) 'अज्ञेय' । 1

घ) 'अनामिका' के रचनाकार हैं

i) अज्ञेय

ii) निराला

iii) महादेवी वर्मा

iv) सुमित्रानंदन पंत । 1

ङ) रीतिकाल का अन्य नाम है

i) शृंगार काल

ii) स्वर्ण काल

iii) उद्भव काल

iv) संक्रान्ति काल । 1

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

राष्ट्र का तीसरा अंग जन की संस्कृति है । मनुष्यों ने युग-युगों में जिस सभ्यता का निर्माण किया है वही उसके जीवन की श्वास-प्रश्वास है । बिना संस्कृति के जन की कल्पना कबंध मात्र है; संस्कृति ही जन का मस्तिष्क है । संस्कृति के विकास और अभ्युदय के द्वारा ही राष्ट्र की वृद्धि संभव है । राष्ट्र के समग्र रूप में भूमि और जन के साथ-साथ जन की संस्कृति का महत्वपूर्ण स्थान है ।

i) राष्ट्र की वृद्धि कैसे संभव है ?

ii) संस्कृति जन का मस्तिष्क किस प्रकार है ?

iii) 'जन की संस्कृति' से आप क्या समझते हैं ?

iv) 'विकास' और 'अभ्युदय' का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

v) दिए गये गद्यांश का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए ।

अथवा

भाषा की साधारण इकाई शब्द है । शब्द के अभाव में भाषा का अस्तित्व ही दुरूह है । यदि भाषा में विकसनशीलता शुरू होती है तो शब्दों के स्तर पर ही । दैनन्दिन सामाजिक व्यवहारों में हम कई ऐसे नवीन शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, जो अंग्रेजी, अरबी, फारसी आदि विदेशी भाषाओं से उधार लिये गये हैं। वैसे ही नये शब्दों का गठन भी अनजाने में अनायास ही होता है ।

i) किसके अभाव में भाषा का अस्तित्व ही दुरूह है ?

ii) नये शब्दों का गठन कैसे होता है ?

iii) किन विदेशी भाषाओं से शब्द लेकर हम नये शब्दों का इस्तेमाल करते हैं ?

iv) भाषा की साधारण इकाई क्या है ?

v) गद्यांश का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए ।

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

तपस्वी ! क्यों इतने हो क्लांत, वेदना का यह कैसा वेग ?
आह ! तुम कितने अधिक हताश, बताओ यह कैसा उद्वेग ?
दुःख की पिछली रजनी बीच, विकसता सुख का नवल प्रभात;
एक परदा यह झीना नील, छिपाये है जिसमें सुख गात ।

i) तपस्वी सम्बोधन किसके लिए किया गया है ?

ii) 'आह !' शब्द से किस भाव को व्यक्त किया गया है ?

iii) दु:ख को रात्रि तथा सुख को नवल प्रभात क्यों कहा गया है ?

iv) 'एक परदा यह झीना नील' का भाव स्पष्ट कीजिए ।

v) पाठ का शीर्षक तथा कवि का नाम लिखिए ।

अथवा

सावधान मनुष्य ! यदि विज्ञान है तलवार,
तो इसे दे फेंक, तजकर मोह, स्मृति के पार ।
हो चुका है सिद्ध, है तू शिशु अभी अज्ञान;
फूल काँटों की तुझे कुछ भी नहीं पहचान,
खेल सकता तू नहीं ले हाथ में तलवार,
काट लेगा अंग, तीखी है बड़ी यह धार ।।

i) कवि ने मनुष्य को सावधान क्यों किया है ?

ii) कवि ने किसे फेंक देने के लिए कहा है ?

iii) मनुष्य को शिशु और अज्ञान क्यों कहा गया है ?

iv) विज्ञान को तलवार क्यों कहा गया है ?

v) यह पद्यांश किस महाकाव्य का अंश है ?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

i) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी

ii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी

iii) वासुदेवशरण अग्रवाल ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों के नाम लिखिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

i) जयशंकर प्रसाद

ii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

iii) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' ।

6. 'ध्रुव-यात्रा' **अथवा** 'बहादुर' कहानी का सारांश लिखिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

अथवा

'पंचलाइट' **अथवा** 'ध्रुव-यात्रा' कहानी के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी **एक** खण्ड के **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक महात्मा गाँधी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के प्रधान पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।

iii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के 'प्रथम सर्ग' का सारांश लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कृष्ण' का चरित्रांकन कीजिए ।

iv) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का सारांश लिखिए ।

अथवा

'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा

'त्यागपथी' के आधार पर राज्यश्री का चरित्रांकन कीजिए ।

vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के संदेश खण्ड की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(खण्ड-ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

धन्योऽयम् भारतदेशः यत्र समुल्लसति जनमानस पावनी, भव्यभावोद्भाविनी, शब्द-सन्दोह-प्रसविनी सुरभारती । विद्यमानेषु निखिलेष्वपि वाङ्मयेषु अस्याः वाङ्मयम् सर्वश्रेष्ठं सुसम्पन्नं च वर्तते । इयमेव भाषा संस्कृतनाम्नापि लोके प्रथिता अस्ति।

अथवा

अतीते प्रथमकल्पे चतुष्पदाः सिंहं राजानमकुर्वन् । मत्स्या आनन्दमत्स्यं, शकुनयः सुवर्णहंसम् । तस्य पुनः सुवर्णराजहंसस्य दुहिता हंसपोतिका अतीव रूपवती आसीत । स तस्यै वरमदात् यत् सा आत्मनश्चितरुचितं स्वामिनं वृणुयात् इति । हंसराजः तस्यै वरं दत्वा हिमवति शकुनि सङ्घे संन्यपतत् ।

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी **एक** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

न चौरहार्यं न च राजहार्यं
न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि ।
व्यये कृते वर्द्धत एवं नित्यं
विद्याधनं सर्वधनं प्रधानम् ।।

अथवा

जयन्ति ते महाभागा जन-सेवा परायणाः ।
जरामृत्युभयं नास्ति येसां कीर्तितमोः क्वचित् ।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी **एक** का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) होश उड़ जाना ।

(ii) अन्धे की लकड़ी होना ।

(iii) आम के आम गुठलियों के दाम

(iv) दाल में काला होना ।

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'तथेति' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) तथ + इति

(ब) तथा + इति

(स) तथे + अति

(द) तथा + अति। 1

(ii) 'मध्वरिः' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) मधू + अरिः

(ब) मधु + आरिः

(स) मधु + अरिः

(द) मध्व + अरिः । 1

(iii) 'हरिश्शेते' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) हरिश् + शेते

(ब) हरी + शेते

(स) हरीश + सेते

(द) हरिस् + शेते । 1

(ख) दिये गये निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'राजानम्' शब्द में विभक्ति और वचन है

(अ) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

(ब) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

(स) द्वितीया विभक्ति, एकवचन

(द) चतुर्थी विभक्ति, द्विवचन । 1

(ii) 'सरित्सु' शब्द में विभक्ति और वचन है

(अ) तृतीया विभक्ति, बहुवचन

(ब) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन

(स) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

(द) द्वितीया विभक्ति, बहुवचन । 1

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए : https://www.upboardonline.com

(i) अंस-अंश –

(अ) हिस्सा और कंधा

(ब) हिस्सा और अंकुर

(स) कंधा और हिस्सा

(द) अंकुर और हिस्सा । 1

(ii) बात-वात –

(अ) बातें और हवा

(ब) रोग और दवा

(स) वायु और विकार

(द) विचार और विकार । 1

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी **एक** शब्द के दो अर्थ लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) पतंग

(ii) नाग

(iii) वर ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही 'शब्द' का चयन करके लिखिए :

(i) जिसका कोई शत्रु पैदा ही न हो –

(अ) अजेय (ब) अजातशत्रु

(स) अजन्मा (द) अनन्त । 1

(ii) जो बहुत कुछ जानता हो –

(अ) बहुज्ञ (ब) सर्वज्ञ

(स) बहुश्रुत (द) बहुपठ । 1

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) मैं भोजन कर लिया हूँ ।

(ii) क्या मेरा तौलिया सूख गया ?

(iii) मैं कलम के साथ लिखता हूँ ।

(iv) मेरा बड़ा भाई आ रहा है ।

(क) 'रौद्र' रस **अथवा** 'भयानक' रस का स्थायी भाव के साथ उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ख) **'सन्देह'** अलंकार **अथवा** 'रूपक' अलंकार का लक्षण तथा उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ग) **'चौपाई'** छ[illegible] 'कुण्डलिया' छन्द का लक्षण 1 + 1 = 2

13. किसी दैनिक-पत्र के [illegible]क पत्र लिखिए जिसमें शहर में [illegible] संक्रामक बीमारी के ति नगर स्वास्थ्य अधिकारी का ध्यान [illegible]र्षित किया गया हो । 2 + 4

अथवा

किसी बैंक के प्रबंधक को कोई व्यवसाय करने हेतु ऋण-प्राप्ति के लिए एक आवेदन-पत्र लिखिए ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 2 + 7

(i) पर्यावरण संरक्षण का महत्व

(ii) आजादी का अमृत-महोत्सव

(iii) नई शिक्षा नीति-2020

(iv) आतंकवाद की समस्या

(v) पर्यावरण-संरक्षण : आवश्यकता और महत्व ।

302(DR) – 2,42,000

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 16

अनुक्रमांक .....

नाम .....

102 302(DS)

2022

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र **दो भागों – खण्ड** 'क' तथा **खण्ड 'ख'** में विभाजित है ।

ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(खण्ड-क)

1. क) 'सौ अजान एक सुजान' के लेखक हैं

i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

ii) प्रताप नारायण मिश्र

iii) श्याम सुन्दर दास

iv) बालकृष्ण भट्ट । 1

ख) 'राष्ट्र का स्वरूप' निबन्ध के लेखक हैं

i) डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल

ii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

iii) पं० दीनदयाल उपाध्याय

iv) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी । 1

ग) 'ध्रुव यात्रा' कहानी के लेखक हैं

i) अमरकान्त ii) मुन्शी प्रेमचन्द

iii) यशपाल iv) जैनेन्द्र कुमार । 1

घ) 'विद्यानिवास मिश्र' निबन्धकार हैं

i) ललित निबन्धों के

ii) विचारात्मक निबन्धों के

iii) मनोवैज्ञानिक निबन्धों के

iv) भावनात्मक निबन्धों के । 1

ङ) 'भाषा और आधुनिकता' निबन्ध के लेखक हैं

i) वासुदेवशरण अग्रवाल

ii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम

iii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी

iv) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी । 1

2. क) हिन्दी साहित्य का इतिहास लिखनेवाले सर्वप्रथम विद्वान् हैं

i) डॉ० गियर्सन

ii) गार्सा द तासी

iii) डॉ० रामकुमार वर्मा

iv) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल । 1

ख) मलिक मोहम्मद जायसी को किस धारा का कवि माना गया है ?

i) ज्ञानमार्गी अथवा सन्त काव्यधारा का

ii) राममार्गी शाखा का

iii) सूफी काव्यधारा का

iv) सगुण-भक्ति धारा का । 1

ग) 'रीति काल' को 'श्रृंगार काल' नाम दिया है

i) मिश्र बन्धुओं ने

ii) रामशंकर शुक्ल 'रसाल' ने

iii) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ने

iv) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने । 1

घ) 'लहर' के रचनाकार हैं

i) महादेवी वर्मा

ii) जयशंकर प्रसाद

iii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

iv) डॉ० रामकुमार वर्मा । 1

ङ) 'हिरोशिमा' कविता के रचनाकार हैं

i) रामधारी सिंह 'दिनकर'

ii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'

iii) महादेवी वर्मा

iv) माखनलाल चतुर्वेदी । 1

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

जन का प्रवाह अनन्त होता है । सहस्रों वर्षों से भूमि के साथ राष्ट्रीय जन ने तादात्म्य प्राप्त किया है । जब तक सूर्य की रश्मियाँ नित्य प्रातःकाल भुवन को अमृत से भर देती हैं, तब तक राष्ट्रीय जन का जीवन भी अमर है । इतिहास के अनेक उतार-चढ़ाव पार करने के बाद भी राष्ट्र निवासी जन नयी उठती लहरों से आगे बढ़ने के लिए अजर-अमर हैं । जन का सततवाही जीवन नदी के प्रवाह की तरह है, जिसमें कर्म और श्रम के द्वारा उत्थान के अनेक घाटों का निर्माण करना होता है ।

i) 'जन का प्रवाह' का आशय लिखिए ।

ii) राष्ट्रनिवासी जन किसके समान आगे बढ़ने के लिए अजर-अमर हैं ?

iii) उत्थान के घाटों का निर्माण कैसे होगा ?

iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

v) पाठ का शीर्षक और उसके लेखक का नाम लिखिए।

अथवा

मगर उदास होना बेकार है । अशोक आज भी उसी मौज में है, जिसमें आज से दो हजार वर्ष पहले था । कहीं भी तो कुछ नहीं बिगड़ा है, कुछ-भी तो नहीं बदला है । बदली है मनुष्य की मनोवृत्ति । यदि बदले बिना वह आगे बढ़ सकती तो शायद वह भी नहीं बदलती और यदि वह न बदलती, और व्यावसायिक संघर्ष आरम्भ हो जाता – मशीन का रथ घर्घर चल पड़ता – विज्ञान का सावेग धावन चल निकलता तो बड़ा बुरा होता ।

i) लेखक के अनुसार किसमें परिवर्तन हुआ है ?

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) 'मनोवृत्ति' और 'धावन' शब्दों का आशय लिखिए ।

iv) अशोक आज भी उसी मौज में क्यों है ?

v) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और उसके लेखक का नाम लिखिए ।

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

दुर्बलता का ही चिह्न विशेष शपथ है,
पर अबला जन के लिये कौन-सा पथ है ?
यदि मैं उकसाई गई भरत से होऊँ,
तो पति समान ही स्वयं पुत्र भी खोऊँ ।
ठहरो, मत रोको मुझे, कहूँ सो सुन लो ।
करके पहाड़ सा पाप मौन रह जाऊँ ?
राई-भर-भी अनुताप न करने पाऊँ ?
थी सनक्षत्र राशि-निशा उत्तेस टपकाती,
रोती थी नीरव सभा हृदय थपकाती ।

i) प्रस्तुत पद्यांश के पाठ एवं कवि का नाम लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) 'दुर्बलता का चिह्न' क्या है ? इसे कौन किससे कह रहा है ?

iv) 'ठहरो', मत रोको मुझे, कहूँ सो सुन लो । यह कथन किसका किसके प्रति है ?

v) नीरव सभा की क्या स्थिति थी ?

अथवा

दुःख की पिछली रजनी बीच
विकसता सुख का नवल प्रभात

एक परदा यह झीना नील
छिपाये है जिसमें सुख गात ।
जिसे तुम समझे हो अभिशाप,
जगत् की ज्वालाओं का मूल;
ईश का वह रहस्य वरदान
कभी मत इसको जाओ भूल ।

i) प्रस्तुत पद्यांश के पाठ एवं कवि का नाम लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) 'नवल' तथा 'गात' शब्दों के अर्थ लिखिए ।

iv) यहाँ 'तुम' किसके लिये प्रयुक्त है और वह किसको क्या समझे बैठा है ?

v) यह किसका कैसा वरदान है ?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

i) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी

ii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम

iii) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

i) जयशंकर प्रसाद

ii) महादेवी वर्मा

iii) रामधारी सिंह 'दिनकर' ।

6 'बहादुर' **अथवा** 'पंचलाइट' कहानी का उद्देश्य लिखिए । 5

अथवा

'ध्रुव-यात्रा' **अथवा** 'पंचलाइट' कहानी का सारांश लिखिए ।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी **एक** खण्ड के **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

i) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर श्रवणकुमार की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'सन्देश' खण्ड की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के सप्तम सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रीकृष्ण' का चरित्रांकन कीजिए ।

iii) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य का कथासार अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गाँधी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

iv) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की नायिका का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथासार लिखिए ।

v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा

'त्यागपथी' के आधार पर 'राज्यश्री' का चरित्रांकन कीजिए ।

[Turn over

vi) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(खण्ड-ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

संस्कृतसाहित्यस्य आदिकविः वाल्मीकिः, महर्षि-व्यासः, कविकुलगुरुः कालिदासः अन्ये च भास-भारवि-भवभूत्यादयो महाकवयः स्वकीयै ग्रन्थरत्नैः अद्यापि पाठकानां हृदि विराजन्ते । इयं भाषा अस्माभिः मातृसमं सम्माननीया वन्दनीया च, यतो भारतमातुः स्वातन्त्र्यं, गौरवम्, अखण्डत्वं सांस्कृतिकमेकत्वञ्च संस्कृतेनैव सुरक्षितुं शक्यन्ते । इयं संस्कृतभाषा सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठा चास्ति । ततः सुष्ठूक्तम् 'भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाण भारती' इति ।

अथवा

याज्ञवल्क्यो मैत्रेयीमुवाच-मैत्रेयि । उद्यास्यन अहम् अस्मात् स्थानादस्मि । ततस्तेऽनया कात्यायन्या विच्छेदं करवाणि इति । मैत्रेयी उवाच-यदीयं सर्वा पृथ्वी वित्तेन पूर्जा स्यात् तत् किं तेनाहममृता स्यामिति । याज्ञवल्क्य उवाचन्नेति । यथैवोपकरणवतां जीवनं तथैव ते जीवनं स्यात् । अमृतत्वस्य तु नाशास्ति वित्तेन इति । सा मैत्रेयी उवाच-येनाहं नामृता स्याम् किमहं तेन कुर्याम् । यदेव भगवान् केवलममृतत्वसाधनं जानाति तदेव मे ब्रूहि ।

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी **एक** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

निन्दन्तु नीतिनिपुणा यदि वा स्तुवन्तु
लक्ष्मीः समाविशतु गच्छतु वा यथेष्ठम् ।
अद्यैव वा मरणमस्तु युगान्तरे वा ।
न्यायात् पथ प्रविचलन्ति पदं न धीराः ।

अथवा

सुखार्थिनः कुतो विद्या कुतो विद्यार्थिनः सुखम्
सुखार्थी वा त्यजेद् विद्यां विद्यार्थी या त्यजेत् सुखम्
विद्या विवादाय धनं मदाय शक्तिः परेषां परिपीडनाय ।
खलस्य साधोः विपरीतमेतज्ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय ॥

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी **एक** का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) अपना उल्लू सीधा करना ।

(ii) घी के दीये जलाना ।

(iii) एक पंथ दो काज ।

(iv) एक अनार सौ बीमार ।

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'अत्याचारः' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) अत्य + आचारः

(ब) अति + आचारः

(स) अत् + आचारः

(द) अ + त्याचारः । 1

(ii) 'महेन्द्रः' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) मह + इन्द्रः (ब) महा + इन्द्रः

(स) महे + इन्द्रः (द) महो + इन्द्रः । 1

(iii) 'नायकः' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) नै + अकः (ब) न + आयकः

(स) नाय + अकः (द) नो + अकः। 1

(ख) दिये गये निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'आत्मना' शब्द में विभक्ति और वचन है

(अ) द्वितीया विभक्ति, एकवचन

(ब) तृतीया विभक्ति, एकवचन

(स) पंचमी विभक्ति, एकवचन

(द) सप्तमी विभक्ति, एकवचन । 1

(ii) 'नाम्ने' शब्द में विभक्ति और वचन है

(अ) तृतीया विभक्ति, एकवचन

(ब) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(स) पंचमी विभक्ति, द्विवचन

(द) सप्तमी विभक्ति, एकवचन । 1

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) अभय-उभय –

(अ) भयपूर्ण और भय रहित

(ब) भयहीन और दोनों

(स) आकाश और पृथ्वी

(द) आशा और लापरवाही । 1

(ii) कुल-कूल –

(अ) पूरा और अधूरा

(ब) यहाँ और वहाँ

(स) इस ओर और उस ओर

(द) वंश और किनारा । 1

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी **एक** शब्द के दो अर्थ लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) पत्र

(ii) तीर

(iii) अनन्त ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही 'शब्द' का चयन करके लिखिए :

(i) जिसका ज्ञान कम हो –

(अ) अल्पज्ञ (ब) अज्ञेय

(स) अनजान (द) अक्षम । 1

(ii) जंगल में स्वयं लगने वाली आग –

(अ) सर्वाग्नि (ब) बड़वाग्नि

(स) जठराग्नि (द) दावाग्नि । 1

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : https://www.upboardonline.com 1 = 2

(i) कृष्ण और राधा नृत्य कर रहा है ।

(ii) सूर्य पूरब में निकलता था ।

(iii) मै कलम के साथ लिखता हूँ

(iv) पुत्री पराया धन होता है ।

12. (क) 'श्रृंगार' रस **अथवा** 'वीर' रस का स्थायी भाव बताते हुए, उसकी परिभाषा अथवा उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ख) 'यमक' अलंकार **अथवा** 'रूपक' अलंकार का लक्षण और उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ग) 'दोहा' छन्द **अथवा** 'सोरठा' छन्द का लक्षण और उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

13. अपने क्षेत्र में प्रदूषण से उत्पन्न स्थिति का वर्णन करते हुए नगरपालिका अध्यक्ष को एक पत्र लिखिए । 2 + 4

अथवा

अपनी उच्च शिक्षा प्राप्ति के लिये शैक्षणिक ऋण प्राप्त करने के उद्देश्य से किसी बैंक के प्रबन्धक को पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 2 + 7

(i) जीवन में परिश्रम का महत्व

(ii) आधुनिक शिक्षा प्रणाली के गुण-दोष

(iii) अनियन्त्रित भ्रष्टाचार : कारण और निवारण

(iv) वर्तमान समाज में नारी की स्थिति

(v) मेरा प्रिय कवि ।

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 16

अनुक्रमांक .....

नाम .....

102 302(DT)

2022

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र **दो भागों – खण्ड 'क'** तथा **खण्ड 'ख'** में विभाजित है ।

ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(खण्ड-क)

1. क) खड़ी बोली की प्रथम गद्य रचना किसे माना जाता है ?

i) चंद छंद बरनन की महिमा

ii) कामायनी

iii) प्रिय प्रवास

iv) रामचरितमानस । 1

https://www.upboardonline.com

ख) 'हिन्दी प्रदीप' पत्रिका के संपादक हैं

i) प्रताप नारायण मिश्र

ii) बद्रीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'

iii) बालकृष्ण भट्ट

iv) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र । 1

ग) बाबू गुलाब राय की आत्मकथा है

i) कुछ आप बीती कुछ जग बीती

ii) मेरा जीवन प्रवाह

iii) मेरी असफलताएँ

iv) अपनी खबर । 1

घ) 'अतीत के चलचित्र' किस विधा की रचना है ?

i) जीवनी ii) संस्मरण

iii) निबन्ध iv) कहानी । 1

ङ) 'जीवन और दर्शन' के रचनाकार हैं

i) महावीरप्रसाद द्विवेदी

ii) रायकृष्ण दास

iii) डॉ० सम्पर्णानन्द

iv) रामवृक्ष बेनीपुरी । 1

https://www.upboardonline.com

2. क) 'हरी घास पर क्षणभर' के रचनाकार हैं

i) भवानीप्रसाद मिश्र

ii) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'

iii) अज्ञेय

iv) नागार्जुन । 1

ख) 'हरिऔध' जी की कृति नहीं है

i) चुभते चौपदे ii) प्रिय प्रवास

iii) चित्राधार iv) वैदेही वनवास । 1

ग) 'साहित्य लहरी' के रचयिता हैं

i) तुलसीदास ii) सुरदास

iii) कबीर iv) आचार्य केशवदास। 1

घ) 'नौका विहार' कविता किस कृति से अवतरित है ?

i) 'गुंजन' से ii) 'वीणा' से

iii) 'पल्लव' से iv) 'युगान्त' से । 1

ङ) 'दूसरा सप्तक' के कवि हैं

i) रामविलास शर्मा

ii) गिरिजा कुमार माथुर

iii) केदारनाथ सिंह

iv) भवानीप्रसाद मिश्र । 1

https://www.upboardonline.com

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

मैं यह नहीं मानता कि समृद्धि और अध्यात्म एक दूसरे के विरोधी हैं । या भौतिक वस्तुओं की इच्छा रखना कोई गलत सोच है । उदाहरण के तौर पर मैं खुद न्यूनतम वस्तुओं का भोग करते हुए जीवन बिता रहा हूँ, लेकिन मैं सर्वत्र समृद्धि की कद्र करता हूँ, क्योंकि यह अपने साथ सुरक्षा तथा विश्वास लाती है, जो अंततः हमारी आजादी को बनाये रखने में सहायक है । आप आस-पास देखेंगे तो पायेंगे कि खुद प्रकृति भी कोई काम आधे-अधूरे मन से नहीं करती । किसी बगीचे में जाइए, मौसम में आपको फूलों की बहार देखने को मिलेगी अथवा ऊपर की तरफ ही देखें, यह ब्रह्माण्ड आपके अनन्त तक फैला दिखाई देगा, आपके यकीन से भी परे ।

i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए।

ii) रेखांकित गद्यांश का आशय स्पष्ट करें ।

iii) भौतिक समृद्धि के महत्व के विषय में लेखक की क्या मान्यता है ?

https://www.upboardonline.com

iv) लेखक के अनुसार मनुष्य को जीवन में भौतिक एवं आध्यात्मिक वस्तुओं को किस प्रकार स्वीकार करना चाहिए ?

v) भौतिक समृद्धि अपने साथ क्या लाती है ?

अथवा

धरती माता की कोख में जो अमूल्य निधियाँ भरी हैं जिनके कारण वह वसुन्धरा कहलाती है, उससे कौन परिचित न होना चाहेगा ? लाखों-करोड़ों वर्षों से अनेक प्रकार की धातुओं को पृथ्वी के गर्भ में पोषण मिला है । दिन-रात बहनेवाली नदियों ने पहाड़ों को पीस-पीस कर अगणित प्रकार की मिट्टियों से पृथ्वी की देह को सजाया है । हमारे भावी आर्थिक अभ्युदय के लिए इन सबकी जाँच-पड़ताल अत्यन्त आवश्यक है ।

i) पृथ्वी को वसुन्धरा क्यों कहा जाता है ?

ii) पृथ्वी की देह को किसने सँवारा है ?

iii) हमारे आर्थिक अभ्युदय के लिए क्या आवश्यक है ?

iv) पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए ।

v) पहाड़ों को किसने पीसा है ?

https://www.upboardonline.com

4. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

5 × 2 = 10

जल पंजर गत अब अरे अधीर अभागे
वे ज्वलित भाव थे स्वयं तुझी में जागे
पर था केवल क्या ज्वलित भाव ही मन में ?
क्या शेष बचा था कुछ न और इस मन में ?
कुछ मूल्य नहीं वात्सल्य-मात्र क्या तेरा ?
पर आज अन्य-सा हुआ वत्स भी मेरा
थूके, मुझ पर त्रैलोक्य भले ही थूके
जो कोई जो कह सके, कहे क्यों चूके ?

i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक एवं कवि का नाम लिखिए।

ii) उपर्युक्त पद्यांश में किससे किसका संवाद हो रहा है ?

iii) वे ज्वलित भाव किसमें जगे थे ?

iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

v) पश्चात्ताप की अग्नि में कौन जल रहा है ?

अथवा

https://www.upboardonline.com

नील परिधान बीच सुकुमार

खुल रहा मृदुल अधखुला अंग,

खिला हो ज्यों बिजली का फूल

मेघ-बन बीच गुलाबी रंग ।

ओह ! वह मुख ! पश्चिम के व्योम

बीच जब घिरते हों घनश्याम;

अरुण रवि मंडल उनको भेद

दिखाई देता हो छविधाम !

i) उपर्युक्त पद्यांश के शीर्षक तथा कवि का नामोल्लेख कीजिए ।

ii) रेखांकित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए ।

iii) 'मेघ-बन बीच' में कौन-सा अलंकार है ?

iv) प्रस्तुत पद्यांश में नायिका के मुख की तुलना किस से की गयी है ?

v) 'छविधाम' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

https://www.upboardonline.com

5. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

3 + 2 = 5

i) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम

ii) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी

iii) वासुदेवशरण अग्रवाल ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

3 + 2 = 5

i) जयशंकर प्रसाद

ii) सुमित्रानंदन पंत

iii) रामधारी सिंह 'दिनकर' ।

6. 'पंचलाइट' **अथवा** 'बहादुर' कहानी का सारांश लिखिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

अथवा

'ध्रुव-यात्रा' **अथवा** 'बहादुर' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

https://www.upboardonline.com

7, स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी **एक** खण्ड के **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

i) 'मुक्तियज्ञ' के नायक गाँधी जी की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के अनुसार पंचम सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

iii) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के अनुसार हर्षवर्धन का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

iv) 'आलोक-वृत्त' के अनुसार महात्मा गाँधी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के सप्तम सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए ।

https://www.upboardonline.com

v) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के अनुसार दुःशासन का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का उद्देश्य वर्णित कीजिए।

vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के अनुसार श्रवणकुमार का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'अयोध्या' सर्ग का सारांश लिखिए ।

(खण्ड-ख)

8, (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

महापुरुषाः लौकिक प्रलोभनेषु बद्धाः नियत लक्ष्यात्र कदापि भ्रश्यन्ति। देशसेवानुरक्तोऽयं युवा उच्चन्यायालयस्य परिधौ स्थातुं नाशक्नोत् । पण्डित मोतीलाल नेहरू लाला लाजपत राय प्रभृतिभिः अन्यैः राष्ट्रनायकैः सह सोऽपि देशस्य स्वतंत्रतासंग्रामेऽवतीर्णः। देहल्यां त्रयोविंशतितमे कांग्रेसस्याधिवेशनेऽयम् अध्यक्षपदमलंकृतवान्। 'रोलट एक्ट' इत्याख्यस्य विरोधेऽस्य ओजस्विभाषणं श्रुत्वा आंग्लशासकाः भीताः जाताः। बहुबारं कारागारे निक्षिप्तोऽपि अयं वीरः देशसेवाव्रतं नात्यजत्।

अथवा

https://www.upboardonline.com

हंसमयूरादयः शकुनिगणाः समागत्य एकस्मिन् महति पाषाणतले संन्यपतन् । हंसराजः आत्मनः चित्तरुचितं स्वामिकं आगत्य वृणुयात् इति दुहितरमादिदेश । सा शकुनिसंघे अवलोकयन्ती मणिवर्ण ग्रीवं, चित्रप्रेक्षणं मयूरं दृष्ट्वा अयं मे स्वामिको भवतु इत्यभाषत् । मयूरः 'अद्यापि तावन्मे बलं' न पश्यसि इति अतिगर्वेण लज्जाञ्च त्यक्त्वा तावन्महतः शकुनि संघस्य मध्ये पक्षौ प्रसार्य नर्तितुमारब्धवान् नृत्यन् चा प्रतिच्छन्नोऽभूत् । सुवर्णराजहंसः लज्जितः अस्य नैव हीः अस्ति, न बर्हाणां समुत्थाने लज्जा । नास्मै गतत्रपाय स्वदुहितरं दास्यामि इत्य कथयत् ।

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी **एक** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

विद्या विवादाय धनं मदाय शक्तिः परेषां परिपीडनाय।

खलस्य साधोः विपरीतमेतज्ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय ।।

अथवा

जयन्ति ते महाभागा जनसेवा परायणाः ।

जरामृत्युभयं नास्ति येषां कीर्तितनोः क्वचित् ।।

https://www.upboardonline.com

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी **एक** का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) अपने पैरों पर खड़े होना ।

(ii) उल्टी गंगा बहाना ।

(iii) गूलर का फूल होना ।

(iv) मक्खन लगाना ।

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'चन्द्रोदय' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) चन्द्रो + दय (ब) चन् + द्रोदय

(स) चन्द्र + उदय (द) चन्द्रोद + य। 1

(ii) 'इत्यादि' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) इत् + आदि (ब) इत्य + आदि

(स) इति + आदि (द) इत् + यादि। 1

(iii) 'भवनम्' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) भव + नम् (ब) भवि + नम्

(स) भो + अनम् (द) भव + अनम्। 1

https://www.upboardonline.com

(ख) दिये गये निम्नलिखित शब्दों का 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'आत्मना' शब्द में विभक्ति और वचन है

(अ) द्वितीया विभक्ति, द्विवचन

(ब) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

(स) तृतीया विभक्ति, एकवचन

(द) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन । 1

(ii) 'नाम्ने' शब्द में विभक्ति और वचन है

(अ) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

(ब) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(स) तृतीया विभक्ति, द्विवचन

(द) द्वितीया विभक्ति, द्विवचन । 1

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) जलद-जलज –

(अ) जोंक और नदी

(ब) बादल और कमल

(स) कमल और जल

(द) मोती और पानी । 1

https://www.upboardonline.com

(ii) अवलम्ब-अविलम्ब –

(अ) लम्बा और छोटा

(ब) सहारा और शीघ्र

(स) शीघ्र और देर

(द) छोर और किनारा । 1

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी **एक** शब्द के दो अर्थ लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) अक्षत (ii) कर

(iii) द्विज ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही 'शब्द' का चयन करके लिखिए :

(i) किये गये उपकार को न माननेवाला –

(अ) अपरोपकारी

(ब) परोपकारी

(स) कृतज्ञ

(द) कृतघ्न । 1

(ii) घृणा के योग्य –

(अ) घृणित (ब) घृणास्पद

(स) घृणी (द) निर्घृणी । 1

https://www.upboardonline.com

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) महादेवी वर्मा विद्वान कवियित्री थीं ।

(ii) मैं भोजन कर लिया हूँ ।

(iii) कृपया मेरे सामानों पर निगाह रखने की कृपा करें ।

(iv) तुम मेरे से मत बोलो ।

12. (क) 'करुण' रस **अथवा** 'हास्य' रस का स्थायी भाव के साथ एक उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ख) 'उपमा' अलंकार **अथवा** 'रूपक' अलंकार का लक्षण तथा उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ग) 'सोरठा' छन्द **अथवा** 'कुण्डलिया' छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

13. किसी बैंक के शाखा प्रबन्धक को पुस्तक एवं लेखन सामग्री की दुकान खोलने हेतु ऋण-प्राप्ति के लिए एक आवेदन-पत्र लिखिए । 2 + 4

अथवा

नगर में अपने मुहल्ले की नालियों को साफ़ करने के लिए नगर पालिका अध्यक्ष को एक आवेदन-पत्र लिखिए ।

https://www.upboardonline.com

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 9

(i) मेरा प्रिय कवि

(ii) नवीन शिक्षा-पद्धति

(iii) पर्यावरण-प्रदूषण : कारण और निवारण

(iv) विद्यालयों में स्वास्थ्य शिक्षा ।

302(DT) – 2,42,000

https://www.upboardonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

https://www.upboardonline.com

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 16

अनुक्रमांक .....

नाम .....

102 302(DU)

2022

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र **दो भागों – खण्ड 'क'** तथा **खण्ड 'ख'** में विभाजित है ।

ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(खण्ड-क)

1. क) पं० प्रताप नारायण मिश्र द्वारा सम्पादित पत्रिका है

i) 'आनन्द कादम्बिनी'

ii) 'हिन्दी प्रदीप'

iii) 'ब्राह्मण'

iv) 'दिनमान' । 1

https://www.upboardonline.com

ख) रामचन्द्र शुक्ल की रचना है

i) 'साहित्य लोचन'

ii) 'साहित्य सहचर'

iii) 'त्रिवेणी'

iv) . 'आलोचक की आस्था' । 1

ग) 'कर्मभूमि' किस विधा की रचना है ?

i) उपन्यास ii) निबन्ध

iii) कहानी iv) आलोचना । 1

घ) 'भाग्य और पुरुषार्थ' के लेखक हैं

i) जैनेन्द्र कुमार

ii) श्यामसुन्दर दास

iii) गुलाब राय

iv) विद्यानिवास मिश्र । 1

ङ) महावीर प्रसाद द्विवेदी द्वारा सम्पादित पत्रिका है

i) 'कविवचन सुधा' ii) 'उचित वक्ता'

iii) 'भारतमित्र' iv) 'सरस्वती' । 1

https://www.upboardonline.com

2. क) 'पद्मावत' का रचना काल है

i) आदिकाल ii) भक्तिकाल

iii) रीतिकाल iv) आधुनिक काल । 1

ख) 'सरोजस्मृति' के रचयिता हैं

i) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

ii) जयशंकर प्रसाद

iii) महादेवी वर्मा

iv) 'अज्ञेय' । 1

ग) निम्नलिखित कवियों में कौन छायावादी कवि नहीं हैं ?

i) 'नागार्जुन' ii) सुमित्रानन्दन पन्त

iii) जयशंकर प्रसाद iv) महादेवी वर्मा । 1

घ) निम्न में से रीतिकाल के किस कवि ने वीर रस में रचना की है ?

i) घनानन्द ii) पद्माकर

iii) बिहारी लाल iv) 'भूषण' । 1

https://www.upboardonline.com

ङ) 'तार सप्तक' के सम्पादक थे

i) 'अज्ञेय'

ii) धर्मवीर भारती

iii) 'दिनकर'

iv) गिरिजा कुमार माथुर । 1

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

जन का प्रवाह अनन्त होता है । सहस्रों वर्षों से भूमि के साथ राष्ट्रीय जन ने तादात्म्य प्राप्त किया है । जब तक सूर्य की रश्मियाँ नित्य प्रातःकाल भुवन को अमृत से भर देती हैं, तब तक राष्ट्रीय जन का जीवन भी अमर है । इतिहास के अनेक उतार-चढ़ाव पार करने के बाद भी राष्ट्र निवासी जन नयी उठती लहरों से आगे बढ़ने के लिए अजर-अमर हैं । जन का संततवाही जीवन नदी के प्रवाह की तरह है, जिसमें कर्म और श्रम के द्वारा उत्थान के अनेक घाटों का निर्माण करना होता है ।

i) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।

https://www.upboardonline.com

ii) जन का प्रवाह का आशय लिखिए ।

iii) भूमि के साथ किसने तादात्म्य प्राप्त किया है ?

iv) जन का जीवन किस तरह है ?

v) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

भाषा स्वयं संस्कृति का एक अटूट अंग है । संस्कृति परम्परा से निःसृत होने पर भी, परिवर्तनशील और गतिशील है । उसकी गति विज्ञान की प्रगति के साथ जोड़ी जाती है । वैज्ञानिक आविष्कारों के प्रभाव के कारण उद्भूत नयी सांस्कृतिक हलचलों को शाब्दिक रूप देने के लिए भाषा के परम्परागत प्रयोग पर्याप्त नहीं हैं । इसके लिए नये प्रयोगों की नयी भाव योजनाओं को व्यक्त करने के लिए नये शब्दों की खोज की महती आवश्यकता है ।

i) पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए ।

ii) भाषा किसका अटूट अंग है ?

iii) किसकी गति विज्ञान की प्रगति के साथ जोड़ी जाती है ?

iv) सांस्कृतिक हलचलें किसके लिए पर्याप्त नहीं हैं ?

v) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

https://www.upboardonline.com

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

दुख की पिछली रजनी बीच
विकसता सुख का नवल प्रभात
एक परदा यह झीना नील
छिपाये है जिसमें सुखगात
जिसे तुम समझे हो अभिशाप
जगत की ज्वालाओं का मूल
ईश का वह रहस्य वरदान
कभी तुम समझे इसको भूल ।

i) कवि और कविता का नाम लिखिए ।

ii) श्रद्धा किसके हताश मन को प्रेरणा दे रही है ?

iii) रजनी किसका प्रतीक है ?

iv) सुख का नवल प्रभात कब आता है ?

v) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

https://www.upboardonline.com

सुख भोग खोजने आते सब,

आये तुम करने सत्य खोज ।

जग की मिट्टी के पुतले जन,

तुम आत्मा के मन के मनोज ।

जड़ता हिंसा स्पर्धा में भर

चेतना अहिंसा नम्र ओज,

पशुता का पंकज बना दिया

तुमने मानवता का सरोज ।

i) कवि और कविता का शीर्षक लिखिए ।

ii) मानव नश्वर संसार में आकर किसकी खोज करता है ?

iii) मनुष्य क्या है ?

iv) सत्य की खोज करने कौन आया ?

v) रेखांकित पंक्ति की व्याख्या कीजिए ।

https://www.upboardonline.com

5. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

i) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी

ii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी

iii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

i) मैथिलीशरण गुप्त

ii) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

iii) महादेवी वर्मा ।

6. 'पंचलाइट' **अथवा** 'बहादुर' कहानी की कथावस्तु का सार लिखिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

अथवा

'ध्रुव-यात्रा' कहानी का उद्देश्य लिखिए ।

https://www.upboardonline.com

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी **एक** खण्ड के **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

i) 'मुक्तियज्ञ' के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए ।

ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'द्रौपदी' के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

iii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के अन्तिम सर्ग की कथा लिखिए ।

अथवा

'कर्ण का चरित्र महान है ।' 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

iv) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधी जी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'आलोक-वृत्त' का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

https://www.upboardonline.com

v) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की कथावस्तु का संक्षेप में उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'दशरथ' का चरित्रांकन कीजिए ।

vi) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर हर्षवर्द्धन की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के कथानक पर प्रकाश डालिए ।

(खण्ड-ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

संस्कृतसाहित्यस्य आदिकविः वाल्मीकिः, महर्षि व्यासः, कविकुलगुरुः कालिदासः अन्ये च भास-भारविभवभूत्यादयो महाकवयः स्वकीयैः ग्रन्थरत्नैः अद्यापि पाठकानां हृदि विराजन्ते । इयं भाषा अस्माभिः मातृसमं सम्माननीया वन्दनीया च, यतो भारतमातुः स्वातन्त्र्यं, गौरवम्, अखण्डत्वं सांस्कृतिकमेकत्वं च संस्कृतेनैव सुरक्षितुं शक्यन्ते । इयं संस्कृतभाषा सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठा चास्ति ।

अथवा

https://www.upboardonline.com

महामना विद्वान् वक्ता धार्मिको नेता, पटुः पत्रकारश्चासीत् । परमस्य सर्वोच्चगुणः जनसेवैव आसीत् । यत्र कुत्रापि अयं जनान् दुःखितान् पीड्यमानांश्चापश्यत् तत्रैव सः शीघ्रमेव उपस्थितः सर्वविधं साहाय्यञ्च अकरोत् । प्राणिसेवा अस्य स्वभाव एवासीत् ।

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी **एक** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

विद्या विवादाय धनं मदाय शक्तिः परेषाम्
परिपीडनाय ।
खलस्य साधोः विपरीतमेतज्ज्ञानाय दानाय च
रक्षणाय ।।

अथवा

न मे रोचते भद्रं वः उलूकस्याभिवेचनम् ।
अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं क्रुद्धो भविष्यति ।

https://www.upboardonline.com

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी **एक** का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) आँख का तारा होना ।

(ii) नाक में नकेल डालना ।

(iii) सावन हरे न भादो सूखे ।

(iv) मक्खन लगाना ।

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'साक्षरः' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) स + अक्षरः (ब) सा + क्षरः

(स) साक्ष + रः (द) से + क्षरः । 1

(ii) 'नरेन्द्रः' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) नर + इन्द्रः (ब) नरा + इन्द्रः

(स) न + रेन्द्रः (द) नरे + इन्द्रः । 1

(iii) 'स्वागतम्' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) सु + आगतम्

(ब) सुआ + गतम्

(स) सू + आगतम्

(द) स्व + गतम् । 1

https://www.upboardonline.com

(ख) दिये गये निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'आत्मने' शब्द में विभक्ति और वचन हैं

(अ) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(ब) पंचमी विभक्ति, द्विवचन

(स) द्वितीया विभक्ति, बहुवचन

(द) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन । 1

(ii) 'नाम्ना' शब्द में विभक्ति और वचन हैं

(अ) तृतीया विभक्ति, एकवचन

(ब) प्रथमा विभक्ति, द्विवचन

(स) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(द) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन । 1

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) श्रवण-श्रमण –

(अ) पाप और पुण्य

(ब) सज्जन और दुर्जन

(स) कान और भिक्षु

(द) सावन और परिश्रमी । 1

https://www.upboardonline.com

(ii) अंस-अंश –

(अ) अंकुर और हिस्सा

(ब) हिस्सा और अंकुर

(स) कंधा और हिस्सा

(द) हिस्सा और कन्धा । 1

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी **एक** शब्द के दो सही अर्थ लिखिए : https://www.upboardonline.com

(i) अम्बर

(ii) चपला

(iii) जड़ ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही शब्द का चयन करके लिखिए :

(i) अनुकरण करने योग्य –

(अ) अनुकरणीय (ब) अमर

(स) अजर (द) अक्षय । 1

(ii) वन में रहनेवाला –

(अ) वनवासी (ब) नगरीय

(स) ग्रामीण (द) पहाड़ी । 1

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) महादेवी वर्मा विद्वान कवयित्री थी ।

(ii) अध्यापक कक्षा में पढ़ा रही है ।

(iii) तुम मेरे से मत बोलो ।

(iv) मैं लड़के को पढ़ाया हूँ ।

12. (क) 'शृंगार' रस अथवा 'शान्त' रस का लक्षण सहित एक उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ख) 'अनुप्रास' अलंकार अथवा 'रूपक' अलंकार की परिभाषा लिखते हुए एक उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ग) 'दोहा' छन्द अथवा 'सोरठा' छन्द का लक्षण और एक उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

13. छात्रवृत्ति हेतु बैंक में खाता खोलने के लिए बैंक अधिकारी को एक आवेदन-पत्र लिखिए । 2 + 4

अथवा

अपने गाँव की सफाई हेतु सम्बन्धित अधिकारी को एक पत्र लिखिए ।

https://www.upboardonline.com

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 2 + 7

(i) बाढ़ की समस्या : कारण और निवारण

(ii) स्वच्छता अभियान : जन-जन का कल्याण

(iii) आरक्षण व्यवस्था : वरदान या अभिशाप

(iv) साहित्य में लोक मंगल की भावना

(v) कृषक-जीवन का यथार्थ स्वरूप ।

302(DU) – 2,42,000

https://www.upboardonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

https://www.upboardonline.com

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 16

अनुक्रमांक

नाम .....

102 302(DV)

2022

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र **दो भागों – खण्ड 'क'** तथा **खण्ड 'ख'** में विभाजित है ।

ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(खण्ड-क)

1) क) 'सरस्वती' पत्रिका का प्रकाशन किस युग में हुआ ?

i) भारतेन्दु युग

ii) द्विवेदी युग

iii) शुक्ल युग

iv) शुक्लोत्तर युग । 1

https://www.upboardonline.com

ख) 'संस्कृति के चार अध्याय' पुस्तक के लेखक हैं

i) रामधारी सिंह 'दिनकर'

ii) वासुदेवशरण अग्रवाल

iii) रामवृक्ष बेनीपुरी

iv) विद्यानिवास मिश्र । 1

ग) 'रामचन्द्र शुक्ल' द्वारा लिखा गया निबन्ध है

i) अशोक के फूल

ii) राष्ट्र का स्वरूप

iii) कविता क्या है ?

iv) तुम चन्दन हम पानी । 1

घ) 'अजातशत्रु' किस विधा की रचना है ?

i) जीवनी ii) नाटक

iii) संस्मरण iv) आत्मकथा । 1

ङ) 'अज्ञेय' की रचना है

i) शेखर : एक जीवनी

ii) पृथ्वीपुत्र

iii) विचार प्रवाह

iv) मेरे विचार । 1

https://www.upboardonline.com

2) क) 'कबीरदास' प्रमुख कवि हैं

i) निर्गुण काव्य धारा के

ii) सगुण काव्य धारा के

iii) प्रगतिवादी काव्य धारा के

iv) प्रयोगवादी काव्य धारा के । 1

ख) 'बिहारीलाल' ने प्रमुख रूप से किस छन्द में रचना की है ?

i) चौपाई ii) दोहा

iii) कुंडलिया iv) सवैया । 1

ग) 'नौका विहार' कविता का सम्बन्ध किस नदी से है ?

i) गंगा ii) यमुना

iii) सरस्वती iv) घाघरा । 1

घ) प्रयोगवादी काव्य धारा के कवि हैं

i) महादेवी वर्मा

ii) सुमित्रानन्दन पंत

iii) निराला

iv) गिरिजा कुमार माथुर । 1

https://www.upboardonline.com

ङ) 'आँसू' काव्य में प्रधान रस है

i) करुण रस

ii) शान्त रस

iii) वीर रस

iv) हास्य रस । 1

3) दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

राष्ट्र का तीसरा अंग जन की संस्कृति है। मनुष्यों ने युग-युगों में जिस सभ्यता का निर्माण किया है, वही उसके जीवन की श्वास-प्रश्वास है । बिना संस्कृति के जन की कल्पना कबंधमात्र है । संस्कृति ही जन का मस्तिष्क है। संस्कृति के विकास और अभ्युदय के द्वारा राष्ट्र की वृद्धि सम्भव है। राष्ट्र के समग्र रूप में भूमि और जन के साथ-साथ जन की संस्कृति का महत्वपूर्ण स्थान है ।

i) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।

ii) राष्ट्र का तीसरा अंग क्या है ?

iii) राष्ट्र का विकास किसके द्वारा सम्भव है ?

iv) जन का मस्तिष्क क्या है ?

v) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

https://www.upboardonline.com

मुझे मानव-जाति की दुर्दम-निर्मम धारा के हजारों वर्ष का रूप साफ दिखाई दे रहा है । मनुष्य की जीवनी-शक्ति बड़ी निर्मम है । वह सभ्यता और संस्कृति के वृथा-मोहों को रौंदती चली आ रही है । न जाने कितने धर्माचारों, विश्वासों, उत्सवों और व्रतों को धोती-बहाती यह जीवन-धारा आगे बढ़ी है । संघर्षों से मनुष्य ने नयी शक्ति पायी है । हमारे सामने समाज का आज जो रूप है, वह न जाने कितने ग्रहण और त्याग का रूप है ।

i) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।

ii) मनुष्य की जीवनी शक्ति कैसी है ?

iii) मनुष्य ने नयी शक्ति किससे पायी है ?

iv) समाज का वर्तमान रूप किसका प्रतिफल है ?

v) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

मैं नीर भरी दुख की बदली
स्पन्दन में चिर निस्पन्द बसा,
क्रन्दन में आहत विश्व हँसा,
नयनों में दीपक से जलते,
पलकों में निर्झरिणी मचली ।

i) कविता का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए ।

https://www.upboardonline.com

ii) कवयित्री ने स्वयं को क्या बताया है ?

iii) किससे आहत होकर विश्व हँसा ?

iv) पलकों में क्या मचली ?

v) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

सावधान मनुष्य ! यदि विज्ञान है तलवार,
तो इसे दे फेंक, तजकर मोह, स्मृति के पार ।
हो चुका है सिद्ध, है तू शिशु अभी अज्ञान,
फूल काँटों की तुझे कुछ भी नहीं पहचान
खेल सकता तू नहीं ले हाथ में तलवार,
काट लेगा अंग तीखी है बड़ी यह धार ।।

i) पाठ का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए ।

ii) कवि मनुष्य को सावधान क्यों कर रहा है ?

iii) विज्ञान को तलवार क्यों कहा है ?

iv) मनुष्य को किस चीज की पहचान नहीं है ?

v) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

https://www.upboardonline.com

5. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों के नाम लिखिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

3 + 2 = 5

i) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी

ii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी

iii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

3 + 2 = 5

i) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

ii) जयशंकर प्रसाद

iii) मैथिलीशरण गुप्त ।

6. 'बहादुर' **अथवा** 'ध्रुव-यात्रा' कहानी की कथावस्तु का सार लिखिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

https://www.upboardonline.com

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी **एक** खण्ड के **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

i) 'श्रवणकुमार' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के सर्वश्रेष्ठ स्त्री पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' के कथानक पर प्रकाश डालिए ।

iii) 'मुक्तियज्ञ' की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' के नायक का चरित्रांकन कीजिए ।

iv) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

https://www.upboardonline.com

v) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए ।

अथवा

'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर असहयोग आन्दोलन की किसी एक घटना का वर्णन कीजिए ।

vi) 'त्यागपथी' की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'त्यागपथी' के आधार पर 'हर्षवर्द्धन' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(खण्ड-ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी **एक** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

संस्कृतस्य साहित्यं सरसं, व्याकरणञ्च सुनिश्चितम्। तस्य गद्ये पद्ये च लालित्यं, भावबोधसामर्थ्यम्, अद्वितीयं श्रुतिमाधुर्यञ्च वर्तते । किं बहुना चरित्रनिर्माणार्थं यादृशी सत्प्रेरणा संस्कृतवाङ्मयं ददाति न तादृशी किञ्चिदन्यत । मूलभूतानां मानवीय गुणानां यादृशी विवेचना संस्कृत साहित्ये वर्तते नान्यत्र तादृशी ।

अथवा

https://www.upboardonline.com

महामनस्विनः मदनमोहन मालवीयस्य जन्म प्रयागे प्रतिष्ठित परिवारेऽभवत् । अस्य पिता पं० ब्रजनाथ मालवीयः संस्कृतस्य सम्मान्यः विद्वान आसीत् । अयं प्रयागे एव संस्कृत पाठशालायाम् राजकीय विद्यालये म्योर सेंट्रल महाविद्यालये च शिक्षां प्राप्य अत्रैव राजकीय विद्यालये अध्यापनम् आरब्धवान् । युवकः मालवीयः स्वकीयेन प्रभावपूर्ण भाषणेन जनानां मनांसि अमोहयत् ।

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी **एक** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

न चौरहार्यं न च राजहार्यं
न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि
व्यये कृते वर्द्धत एव नित्यं
विद्या धनं सर्व धनं प्रधानम् ।

अथवा

सुखार्थिनः कुतो विद्या कुतो विद्यार्थिनः सुखम् ।
सुखार्थी व त्यजेत विद्यां विद्यार्थी वा त्यजेत् सुखम् ।।

https://www.upboardonline.com

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी **एक** का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) अक्ल का दुश्मन ।

(ii) गागर में सागर भरना ।

(iii) हाथ पीले करना ।

(iv) मुँह फुलाना ।

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'पुस्तकालयः' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) पुस्तक + आलयः

(ब) पुस्तका + लयः

(स) पुस् + तकालयः

(द) पूस्तक + आलयः । 1

https://www.upboardonline.com

(ii) 'तथेति' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) तथा + इति

(ब) तथ् + इति

(स) तथा + इती

(द) तथाई + ति । 1

(iii) 'नायकः' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) नै + अकः

(ब) नाय + कः

(स) ने + अकः

(द) ना + यकः । 1

(ख) दिये गये निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'आत्मनि' शब्द में विभक्ति और वचन है

(अ) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

(ब) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(स) पंचमी विभक्ति, बहुवचन

(द) तृतीया विभक्ति, द्विवचन । 1

https://www.upboardonline.com

(ii) 'नामसु' शब्द में विभक्ति और वचन है

(अ) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन

(ब) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(स) पंचमी विभक्ति, द्विवचन

(द) तृतीया विभक्ति, बहुवचन । 1

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ का चयन करके लिखिए :

(i) अविराम-अभिराम –

(अ) लगातार और रुचिकर

(ब) बिना रोक के और सुन्दर

(स) सुन्दर और आकर्षक

(द) आकर्षक और सुन्दर । 1

(ii) स्वर्ण-सवर्ण –

(अ) सोना और अच्छा रंग

(ब) सुनार और सोना

(स) सोना और चाँदी

(द) सोना और उच्च जाति । 1

https://www.upboardonline.com

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी **एक** शब्द के दो सही अर्थ लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) कर्ण

(ii) काल

(iii) अर्क ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक 'शब्द' का सही चयन करके लिखिए :

(i) जो जीता न जा सके –

(अ) अजेय

(ब) अमर

(स) अजर

(द) अक्षय । 1

(ii) रास्ता दिखाने वाला –

(अ) पथ प्रदर्शक

(ब) ज्ञानी

(स) जानकार

(द) सर्वज्ञ । 1

https://www.upboardonline.com

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) अनेकों लोगों ने गंगा में स्नान किया ।

(ii) एक गिलास गर्म गाय का दूध दीजिए ।

(iii) गौतम की पत्नी का नाम अहिल्या है ।

(iv) मैं हस्ताक्षर कर दिया है ।

12. (क) 'वीर' रस **अथवा** 'श्रृंगार' रस का लक्षण सहित एक उदाहरण लिखिए । https://www.upboardonline.com

(ख) 'श्लेष' अलंकार **अथवा** 'उपमा' अलंकार की परिभाषा लिखते हुए एक उदाहरण लिखिए ।

1 + 1 = 2

(ग) 'दोहा' छन्द **अथवा** 'कुंडलिया' छन्द का लक्षण और एक उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

13. सफाई व्यवस्था हेतु उचित अधिकारी को एक पत्र लिखिए । 2 + 4

अथवा

अपने विद्यालय के पुस्तकालय की समस्या के निराकरण हेतु प्रधानाचार्य को एक पत्र लिखिए ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 2 + 7

(i) भारतीय किसानों की समस्याएँ और समाधान

(ii) जीवन में खेल का महत्व

(iii) जीवन में पर्यावरण की आवश्यकता

(iv) नई शिक्षानीति से विकास की संभावनाएँ

(v) विद्यार्थी के जीवन में अनुशासन का महत्व ।

302(DV) – 2,42,000

https://www.upboardonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

https://www.upboardonline.com

अनुक्रमांक .....

नाम .....

102 **302(ZH)**

2023

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र **दो भागों – खण्ड 'क'** तथा **खण्ड 'ख'** में विभाजित है ।

ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(खण्ड क)

1. क) 'आचरण की सभ्यता' निबन्ध के लेखक हैं [1]

i) रामचन्द्र शुक्ल

ii) महावीर प्रसाद द्विवेदी

iii) अध्यापक पूर्ण सिंह

iv) सम्पूर्णानन्द ।

ख) 'हिन्दी नयी चाल में ढली' यह कथन किस लेखक का है ? [1]

i) बालकृष्ण भट्ट

ii) बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमघन'

iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

iv) महावीर प्रसाद द्विवेदी ।

https://www.upboardonline.com

ग) 'उसने कहा था' कहानी के लेखक हैं [1]

i) जयशंकर प्रसाद

ii) चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'

iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

iv) महावीर प्रसाद द्विवेदी ।

घ) 'चिंतामणि' निबन्ध संग्रह के लेखक हैं [1]

i) महावीर प्रसाद द्विवेदी

ii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

iii) हजारी प्रसाद द्विवेदी

iv) रामचन्द्र शुक्ल ।

ङ) 'कलम का सिपाही' के रचनाकार हैं [1]

i) प्रेमचन्द

ii) अमृतराय

iii) यशपाल

iv) जैनेन्द्र ।

2. क) 'प्रिय प्रवास' के रचयिता हैं [1]

i) मैथिली शरण गुप्त

ii) सियाराम शरण गुप्त

iii) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

iv) जयशंकर प्रसाद ।

https://www.upboardonline.com

ख) निम्नलिखित में से 'छायावाद' के कवि हैं [1]

i) परमानंद दास

ii) सूरदास

iii) चतुर्भुज दास

iv) मुकुटधर पाण्डेय ।

ग) निम्नलिखित में से कौन-सा कवि छायावाद युग का नहीं है ? [1]

i) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

ii) जयशंकर प्रसाद

iii) महादेवी वर्मा

iv) 'अज्ञेय' ।

घ) 'रश्मिरथी' किस कोटि की रचना है ? [1]

i) महाकाव्य

ii) खण्डकाव्य

iii) मुक्तक

iv) गद्यकाव्य ।

ङ) 'बादल को घिरते देखा है' रचना है [1]

i) मुक्तिबोध की

ii) नागार्जुन की

iii) त्रिलोचन की

iv) अज्ञेय की ।

https://www.upboardonline.com

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : [5x2=10]

पृथिवी के विशाल प्रांगण में सब जातियों के लिए समान क्षेत्र है । समन्वय के मार्ग से भरपूर प्रगति और उन्नति करने का सबको एक जैसा अधिकार है । किसी जन को पीछे छोड़कर राष्ट्र आगे नहीं बढ़ सकता । अतएव राष्ट्र के प्रत्येक अंग की सुध हमें लेनी होगी । राष्ट्र के शरीर के एक भाग में यदि अंधकार और निर्बलता का निवास है तो समग्र राष्ट्र का स्वास्थ्य उतने अंश में असमर्थ रहेगा ।

i) पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए ।

ii) राष्ट्र के प्रत्येक अंग की सुध हमें क्यों लेनी चाहिए?

iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iv) राष्ट्र किसे पीछे छोड़कर आगे नहीं बढ़ सकता है?

v) समन्वय के मार्ग से क्या प्राप्त हो सकता है ?

अथवा

कहते हैं दुनिया बड़ी भुलक्कड़ है । केवल उतना ही याद रखती है, जितने से उसका स्वार्थ सधता है । बाकी को फेंककर आगे बढ़ जाती है । शायद अशोक से उसका स्वार्थ नहीं सधा । क्यों उसे वह याद रखती ? सारा संसार स्वार्थ का अखाड़ा ही तो है

i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए ।

ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) अशोक को विस्मृत करने का आधार किसे माना गया है?

iv) लेखक ने दुनिया का किस तरह का व्यवहार बताया है?

v) स्वार्थ का अखाड़ा किसे कहा गया है?

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : [5x2=10]

जलधि के फूटे कितने उत्स
द्वीप, कच्छप डूबें - उतराय;
किन्तु वह खड़ी रहे दृढ़ मूर्ति
अभ्युदय का कर रही उपाय ।

शक्ति के विद्युत्कण, जो व्यस्त

विकल बिखरे हैं, हो निरुपाय;

समन्वय उसका करे समस्त

विजयिनी मानवता हो जाय ।

i) उपर्युक्त पद्यांश के कवि और कविता का नाम लिखिए ।

ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) दृढ़ मूर्ति से आशय किसकी मूर्ति से है?

iv) 'उत्स' और 'अभ्युदय' शब्दों के अर्थ लिखिए ।

v) द्वीप - कच्छप में कौन-सा अलंकार है ?

अथवा

तुम मांसहीन, तुम रक्तहीन

हे अस्थिशेष, हे अस्थिहीन,

तुम शुद्ध बुद्ध आत्मा केवल,

हे चिरपुराण ! हे चिर नवीन ।

तुम पूर्ण इकाई जीवन की,

जिसमें असार भव - शून्य लीन,

आधार अमर, होगी जिस पर

भावी की संस्कृति समासीन ।

i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए ।

ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) कौन हड्डियों का ढाँचा मात्र प्रतीत होते हैं?

iv) गाँधीजी को कवि के चिरपुराण तथा चिर नवीन क्यों कहा है?

v) गाँधीजी के आदर्शों पर भविष्य में किसे खड़ा होना पड़ेगा?

https://www.upboardonline.com

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) [3+2=5]

i) वासुदेवशरण अग्रवाल

ii) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी

iii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों पर प्रकाश डालिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) [3+2=5]

i) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

ii) जयशंकर प्रसाद

iii) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' ।

6. 'पंचलाइट' अथवा 'ध्रुवतारा' कहानी का सारांश लिखिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) [5]

अथवा

'बहादुर' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए :

(अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) [5]

i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी का भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' के आधार पर धृतराष्ट्र का चरित्र चित्रण कीजिए ।

iii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य का कथानक लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' के नायक कर्ण का चरित्र चित्रण कीजिए ।

iv) "'आलोक- वृत्त' खण्डकाव्य में सत्य-अहिंसा का सुन्दर समन्वय है ।" इस कथन की व्याख्या कीजिए । https://www.upboardonline.com

अथवा

'आलोक - वृत्त' खण्डकाव्य का नायक कौन है? उसकी चारित्रिक विशेषताएँ बताइये ।

v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

अथवा

'त्यागपथी' के आधार पर हर्षवर्धन का चरित्र चित्रण कीजिए ।

vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य में दशरथ का चरित्र चित्रण कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की कथावस्तु पर विचार कीजिए ।

(खण्ड ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए: [2+5=7]

अथैकः शकुनिः सर्वेषाम् मध्यादाशयग्रहणार्थं त्रिकृत्वः अश्रावयत् । ततः एकः काकः उत्थाय 'तिष्ठ तावत्, अस्य एतस्मिन् राज्याभिषेककाले एवं रूपं मुखं, क्रद्धस्य च कीदृशं भविष्यति ? अनेन हि क्रुद्धेन अवलोकिताः वयं तप्तकटाहे प्रक्षिप्तास्तिलाः इव तत्र तत्रैव धक्ष्यामः । ईदृशो राजा मह्यं न रोचते ।'

अथवा

बौद्धयुगे इमे सिद्धान्ताः वैयक्तिकजीवनस्य अभ्युत्थानाय प्रयुक्ता आसन् । परमद्य इमे सिद्धान्ताः राष्ट्राणां परस्पर मैत्री सहयोगकारणानि विश्वबन्धुत्वस्य विश्वशान्तेश्च साधनानि सन्ति । राष्ट्रनायकस्य श्रीजवाहरलालनेहरूमहोदयस्य प्रधानमन्त्रित्वकाले चीनदेशेन सह भारतस्य मैत्री पञ्चशीलसिद्धानधिकृत्य एवाभवत् ।

(ख) दिये गये पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

[2+5=7]

परोक्षे कार्यहन्तारं प्रत्यक्षे प्रियवादिनम् ।
वर्जयेत्तादृशं मित्रं विषकुम्भं पयोमुखम् ।।

अथवा

वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि ।
लोकोत्तराणां चेतांसि को न विज्ञातुमर्हति ।।

9. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

[1+1=2]

(i) जले पर नमक छिड़कना

(ii) आँख का तारा होना

(iii) अपना उल्लू सीधा करना

(iv) हवा से बातें करना ।

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'निस्सन्देह' का सही सन्धि-विच्छेद है [1]

(अ) निः + सन्देह

(ब) निस् + सन्देह

(स) निसं + देह

(द) निस्सन्दे + ह ।

(ii) 'इत्यादि' का सही सन्धि-विच्छेद है [1]

(अ) इत + आदि

(ब) इति + आदि

(स) इतम् + आदि

(द) इत्याः + दि ।

(iii) 'स्वागतम्' का सही सन्धि-विच्छेद है [1]

(अ) सु + आगतम्

(ब) स्वा + गतम्

(स) सु + अगतम्

(द) सः + आगत ।

(ख) दिये गये निम्नलिखित शब्दों की शुद्ध 'विभक्ति' और 'वचन' बताइये :

(i) 'आत्मनि' शब्द में विभक्ति और वचन [1]

(अ) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

(ब) तृतीया विभक्ति, बहुवचन

(स) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

(द) पंचमी विभक्ति एकवचन ।

(ii) 'नाम्ने' शब्द में विभक्ति और वचन हैं [1]

(अ) चतुर्थी विभक्ति एकवचन

(ब) तृतीय विभक्ति, बहुवचन

(स) पंचमी विभक्ति एकवचन

(द) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन ।

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए -

(i) अविराम - अभिराम [1]

(अ) लगातार और रुचिकर

(ब) बिना रोक के और सुन्दर

(स) अनवरत और आकर्षक

(द) सुन्दर और आकर्षक ।

(ii) विहग - विहंग- [1]

(अ) पक्षी और बालक

(ब) पक्षी और तोता

(स) पक्षी और आकाश

(द) आकाश और पक्षी ।

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए : [1+1=2]

(i) शिखा

(ii) पूत

(iii) पक्ष

(iv) काण्ड ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही 'शब्द' का चयन करके लिखिए: [1+1=2]

(i) रास्ता दिखाने वाला -

(अ) दूरदर्शी

(ब) समदर्शक

(स) मार्गदर्शक

(द) प्रियदर्शी ।

(ii) जिसका कोई अन्त न हो -

(अ) असीम

(ब) अनन्त

(स) परम

(द) विस्तृत ।

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए: [1+1=2]

(i) श्याम और मोहन बात कर रहा है ।

(ii) प्रधानाचार्य जी ने हस्ताक्षर कर दिया ।

(iii) मैं गृहकार्य कर लिया हूँ ।

(iv) चन्द्रमा आकाश में निकलता था ।

12. (क) 'श्रृंगार' रस अथवा 'वात्सल्य' रस का स्थायी भाव के साथ उदाहरण अथवा परिभाषा लिखिए । https://www.upboardonline.com [1+1=2]

(ख) 'यमक' अलंकार अथवा 'रूपक' अलंकार का लक्षण और उदाहरण लिखिए । [1+1=2]

(ग) 'चौपाई' छन्द अथवा 'सोरठा' छन्द का मात्रा सहित लक्षण तथा उदाहरण लिखिए। [1+1=2]

13. शिक्षा ऋण प्राप्त करने के लिए बैंक प्रबंधक को आवेदन पत्र लिखिए । [2+4]

अथवा

नगर में अतिक्रमण की समस्या के निवारण हेतु महापौर को पत्र लिखिए ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए: [2+7]

(i) पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता

(ii) महामारियों के सम्बन्ध में जागरूकता के उपाय

(iii) मेरे प्रिय उपन्यासकार

(iv) भारतीय कृषकों की समस्या एवं समाधान

(v) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का महत्व ।

https://www.upboardonline.com

अनुक्रमांक .....

नाम .....

102 **302(ZJ)**

2023

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र **दो खण्डों – खण्ड 'क'** तथा **खण्ड 'ख'** में विभाजित है ।

ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(खंड-क)

1. क) 'भाषा योगवाशिष्ठ' के लेखक हैं [1]

i) मुंशी सदासुख लाल

ii) लल्लू लाल

iii) रामप्रसाद निरंजनी

iv) स्वामी दयानन्द सरस्वती

ख) सदल मिश्र की रचना है [1]

i) सत्यामृत प्रवाह

ii) नासिकेतोपाख्यान

iii) भारत सौभाग्य

iv) भूतनाथ

https://www.upboardonline.com

ग) 'चन्द्रकान्ता सन्तति' कृति की विधि है [1]

i) निबन्ध

ii) नाटक

iii) कहानी

iv) उपन्यास

घ) बालकृष्ण भट्ट सम्पादक थे [1]

i) इन्दुमती के

ii) परीक्षा गुरु के

iii) हिन्दी प्रदीप के

iv) साहित्य सहचर के ।

ङ) वासुदेवशरण अग्रवाल की रचना है [1]

i) बाणभट्ट की आत्मकथा

ii) वाग्धारा

iii) साहित्य और समाज

iv) शेखर: एक जीवनी ।

2. क) 'कितनी नावों में कितनी बार' काव्यकृति है [1]

i) गिरिजाकुमार माथुर की

ii) नागार्जुन की

iii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' की

iv) हरिवंशराय बच्चन' को

https://www.upboardonline.com

ख) छायावाद की प्रमुख विशेषता है [1]

i) प्रकृति का उद्दीपन-रूप में वर्णन

ii) सौन्दर्य एवं प्रेम

iii) इतिवृत्तात्मकता

(iv) श्रृंगारिक भावना का पूर्णतः अभाव

ग) 'दूसरा सप्तक' का प्रकाशन- वर्ष है [1]

i) 1943 ई०

ii) 1950 ई०

iii) 1951 ई०

iv) 1956 ई० ।

घ) हिन्दी का प्रथम महाकाव्य माना जाता है। [1]

i) पद्मावत

ii) रामचरितमानस

(iii) साकेत

iv) पृथ्वीराज रासो ।

ङ) मैथिलीशरण गुप्त की काव्यकृति है। [1]

i) प्रेमाम्बुप्रवाह

ii) त्रिपथगा

iii) लहर

iv) ग्राम्या ।

https://www.upboardonline.com

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [5x2=10]

मातृभूमि पर निवास करने वाले मनुष्य राष्ट्र का दूसरा अङ्ग है। पृथिवी हो और मनुष्य न हो तो राष्ट्र की कल्पना असम्भव है। पृथिवी और जन दोनों के समन्वय से ही राष्ट्र का स्वरूप सम्पादित होता है। जन के कारण ही पृथिवी मातृभूमि को संज्ञा प्राप्त करती है। पृथिवी माता है और जन सच्चे अर्थों में पृथिवी के पुत्र हैं।

i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिये ।

ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) राष्ट्र की कल्पना कब असम्भव है?

iv) पृथिवी और जन दोनों मिलकर क्या बनाते है?

v) पृथिवी कब मातृभूमि को संज्ञा प्राप्त करती है?

अथवा

अशोक का वृक्ष जितना भी मनोहर हो, जितना भी रहस्यमय हो, जितना भी अलंकारमय हो, परन्तु है। यह उस विशाल सामना सभ्यता की परिष्कृत रुचि का ही प्रतीक , जो साधारण प्रजा के परिश्रमों पर पली तथी, उसके रक्त संसार कणों को खाकर बड़ी हुई थी और लाखों करोड़ों की अपेक्षा से जो समृद्ध हुई थी। वे सामन्त उधड़ गए और दिनोत्सव की धूमधाम भी मिट गई ।

i) उपयुक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए ।

i) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) सामन्त सभ्यता को परिष्कृत रुचि का प्रतीक फौन है ?

iv) लाखों-करोड़ों की उपेक्षा से कौन समृद्ध हुई थी ?

v) आज उस सामना सभ्यता की क्या स्थिति है ?

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : [5x2=10]

निज जन्म-जन्म से सुने जीव यह मेरा-

धिक्कार ! उसे था महास्वार्थ ने घेरा-

सौ बार धन्य यह एक लाल की माई,

निज जननी ने है जना भरत-सा भाई

पागल सी प्रभु के साथ सभा चिल्लाई,

सौ बार धन्य वह एक लाल की माई ।।

i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

ii) रेखाङ्कित अंश को व्याख्या कीजिए ।

iii) कैकेयी स्वयं को धिक्कारती हुई क्या कहती है?

iv) कैकेयी के प्रायश्चित के उपरान्त श्रीराम उनसे क्या कहते हैं?

v) प्रभु राम के साथ कैकेयी के अपराध का अपमार्जन करती हुई सभा क्या चिल्ला उठी?

अथवा

<u>आज की दुनिया विचित्र नवीन,</u>

प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन ।

हैं बँधे नर के करों में वारि, विद्युत, भाप,

हुक्म पर चढ़ता-उतरता है पवन का ताप ।

है नहीं बाकी कहीं व्यवधान,

लाँघ सकता नर सरित, गिरि, सिन्धु एक समान ।

i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए

iii) आज के मनुष्य ने किस पर विजय प्राप्त कर ली है ?

iv) किसके हुक्म पर पवन का ताप चढता-उतरता है ?

v) "है नहीं बाकी कहीं व्यवधान" से क्या आशय है ?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) [3+2=5]

i) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी

ii) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ।

iii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों पर प्रकाश डालिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) [3+2=5]

i) जयशंकर प्रसाद

ii) महादेवी वर्मा

iii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' ।

6. 'ध्रुवयात्रा' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) [5]

अथवा

'पंचलाइट' अथवा 'बहादुर' कहानी का सारांश लिखिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए: (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) [5]

i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर गांधीजी की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए|

ii) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर हर्षवर्धन का चरित्राङ्कन कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए ।

iii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर दुःशासन का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

https://www.upboardonline.com

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में अपने शब्दों में लिखिए ।

(iv) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

"आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

v) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर श्रवणकुमार की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार खण्डकाव्य के 'सन्देश' खण्ड की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

vi) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(खण्ड-ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांश में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए: [2+5=7] https://www.upboardonline.com

आत्मनस्तु वै कामाय पतिः प्रियो भवति। न वा अरे, जायायाः कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु वै कामाया प्रिया भवति। न वा अरे। पुत्रस्य वित्तस्य च कामाय पुत्रों वित्तं वा प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति। न वा अरे, सर्वस्य कामाय सर्व प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय सर्व प्रियं भवति।

अथवा

बौद्धयुगे इमे सिद्धान्ताः वैयक्तिकजीवनस्य अभ्युत्थानाय प्रयुक्ता आसन्। परमद्य इमे सिद्धान्ताः राष्ट्राणां परस्परमैत्रीसहयोगकारणानि, विश्वबन्धुत्वस्य विश्वशान्तेश्च

साधनानि सन्ति। राष्ट्रनायकस्य श्रीजवाहरलालनेहरूमहोदयस्य प्रधानमन्त्रित्वकाले चीनदेशेन सह मैत्री पञ्चशीलसिद्धान्तमधिकृत्य एवाभवत ।

(ख) दिये गये संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए: [2+5=7]

भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती ।
तस्या हि मधुरं काव्यं तस्मादपि सुभाषितम् ।।

अथवा

सहसा विदधीत न क्रियामविवेकः परमापदां पदम् ।
वृगुते हि विमृश्यकारिणं गुगलुब्धाः हि स्वयमेव सम्पदः ।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए- [1+1=2]

(i) अंगूठा दिखाना

(ii) पहाड़ टूट पड़ना

(iii) धूल में मिलाना

(iv) पानी-पानी होना।

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'हिमालय:' का सही सन्धि-विच्छेद है [1]

(अ) हिमा + लयः

(ब) हि + मालयः

(स) हिम + आलयः

(द) हिम् + अलयः ।

(ii) 'कठोपनिषद' का सही सन्धि-विच्छेद है [1]

(अ) कठ् + उपनिषद्

(ब) कठ + उपनिषद्

(स) कठ + ओपनिषद्

(द) कठोप + निषद् |

(iii) 'अन्वेषणम्' का सही सन्धि-विच्छेद है [1]

(अ) अनु + एषणम्

(ब) अन्व + एषणम्

(स) अन् + वेषणम्

(द) अन्वेष + णम् ।

(ख) दिये गये निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही चयन कीजिये: https://www.upboardonline.com

(i) 'आत्मनि' शब्द में विभक्ति और वचन है [1]

(अ) तृतीया विभक्ति, बहुवचन

(ब) प्रथमा विभक्ति, द्विवचन

(स) पञ्चमी विभक्ति एकवचन

(द) सप्तमी विभक्ति एकवचन ।

(ii) 'नाम्नाम्' शब्द में विभक्ति और वचन है। [1]

(अ) तृतीया विभक्ति, एकवचन

(ब) पञ्चमी विभक्ति, द्विवचन

(स) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

(द) सप्तमी विभक्ति, एकवचन ।

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए:

(i) सकल-शक्ल [1]

(अ) पदार्थ एवं सम्पूर्ण

(ब) सम्पूर्ण और खण्ड

(स) आकृति और प्रकृति

(द) सुख और शंकालु ।

(ii) अंश- अंशु- [1]

(अ) भाग और सूर्य

(ब) भाग और चन्द्र

(स) भाग्य और किरण

(द) भाग और किरण ।

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए : [1+1=2]

(i) धरा

(ii) मित्र

(iii) जलज ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही 'शब्द' का चयन करके लिखिए:

(i) जिसका कहीं भी अन्त न होता हो- [1]

(अ) अगण्य

(ब) अन्तिम

(स) अनन्त

(ड) गण्य |

https://www.upboardonline.com

(ii) जानने की इच्छा रखनेवाला- [1]

(अ) जानकार

(ब) जिज्ञासु

(स) ज्ञानी

(द) बुद्धिमान

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए: [1+1=2]

(i) परीक्षा-पद्धति बदलना चाहिए ।

(ii) मैंने अनेकों बार यात्रा की है।

(iii) केवल यहाँ चार पुस्तकें रखी हैं

(iv) महादेवी वर्मा एक प्रसिद्ध कवियित्री हैं।

12. (क) 'श्रृंगार रस अथवा 'वीर' रस का लक्षण और उसका एक उदाहरण लिखिए । [1+1=2]

(ख) 'श्लेष' अलंकार अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षण और उदाहरण लिखिए। [1+1=2]

(ग) 'सोरठा' छन्द अथवा 'कुण्डलिया' छन्द का लक्षण और उदाहरण लिखिए। [1+1=2]

13. समाचारपत्र में प्रकाशित विज्ञापन के आधार पर लिपिक के पद पर अपनी नियुक्ति हेतु विद्यालय के प्रबन्धक को आवेदन-पत्र लिखिए । [6]

अथवा

ऋण-प्राप्ति हेतु बैंक के शाखा प्रबन्धक को आवेदन-पत्र लिखिए ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए: [2+7]

(i) राष्ट्रीय एकता -वर्तमान समय की अनिवार्य आवश्यकता

https://www.upboardonline.com

(ii) आतङ्कवाद की समस्या- कारण और समाधान

(iii) पर्यावरण- प्रदूषण और निराकरण के उपाय

(iv) आधुनिक शिक्षा पद्धति की दिशा और दशा

https://www.upboardonline.com

Whatsapp @ 9300930012

Send your old paper & get 10/-

अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,

Paytm or Google Pay से

102

302 (ZK)

2023

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] *[पूर्णांक : 100*

निर्देश :

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं । दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

खण्ड क

1. (क) 'विचार और वितर्क' के लेखक हैं : [1]

(i) महावीर प्रसाद द्विवेदी

(ii) जी. सुन्दर रेड्डी

(iii) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(iv) राय कृष्ण दास

(ख) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की रचना है [1]

(i) कल्पवृक्ष

(ii) ठेठ हिन्दी का ठाट

(iii) माटी हो गई सोना

(iv) तट की खोज

(ग) 'नीड़ का निर्माण फिर' रचना की विधा है: [1]

(i) आत्मकथा

(ii) नाटक

(iii) संस्मरण

(iv) निबन्ध

https://www.upboardonline.com

(घ) हरिशंकर परसाई का निबन्ध-संग्रह है : [1]

(i) विचार-प्रवाह

(ii) पृथिवीपुत्र

(iii) तब की बात और थी

(iv) क्षण बोले कण मुस्काए

(ङ) हिन्दी की प्रथम पत्रिका 'उदन्त मार्तण्ड' के सम्पादक थे: [1]

(i) बालकृष्ण भट्ट

(ii) प्रतापनारायण मिश्र

(iii) किशोरी लाल गोस्वामी

(iv) युगल किशोर शुक्ल

2. (क) मैथिलीशरण गुप्त की रचना है : [1]

(i) रसकलश

(ii) सिद्धराज

(iii) कामायनी

(iv) लहर

(ख) 'प्रगतिवाद' के सशक्त कवि हैं: [1]

(i) रामनरेश त्रिपाठी

(ii) बालमुकुन्द गुप्त

(iii) 'नागार्जुन'

(iv) डॉ. नगेन्द्र

https://www.upboardonline.com

(ग) 'मास्को अभी दूर है।' के रचयिता हैं : [1]

(i) त्रिलोचन

(ii) रामस्वरूप शर्मा

(iii) हरिवंश राय 'बच्चन'

(iv) शिवमङ्गल सिंह 'सुमन'

(घ) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' के सम्पादन में कुल कितने सप्तक प्रकाशित हुए ? [1]

(i) एक

(ii) दो

(iii) तीन

(iv) चार

(ङ) सुमित्रानन्दन पन्त को ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला था : [1]

(i) 'लोकायतन' पर

(ii) 'कला और बूढ़ा चाँद पर

(iii) 'चिदम्बरा' पर

(iv) 'ग्राम्या' पर

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : [5x2=10]

विज्ञान की प्रगति के कारण नयी चीज़ों का निरन्तर आविष्कार होता रहता है । जब कभी नया आविष्कार होता है, उसे एक नयी संज्ञा दी जाती है। जिस देश में उसकी सृष्टि की जाती है वह देश उस आविष्कार के नामकरण के लिए नया शब्द बनाता है; वही शब्द प्रायः अन्य देशों में बिना परिवर्तन के वैसे ही प्रयुक्त किया जाता है । यदि हर देश उस चीज़ के लिए अपना-अपना अलग नाम देता रहेगा, तो उस चीज़ को समझने में ही दिक्कत होगी; जैसे - रेडियो, टेलीविज़न, स्पूतनिक ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) कौन-सा देश किसी आविष्कृत चीज़ के नामकरण को नया शब्द देता है ?

(घ) यदि हर देश आविष्कृत चीज़ों का अपना-अपना अलग नाम देता रहे तो क्या होगा ?

(ङ) नई चीज़ों के आविष्कार होने का क्या कारण है ?

अथवा

जो कुछ भी हम इस संसार में देखते है, वह ऊर्जा का ही स्वरूप है । जैसा कि महर्षि अरविन्द ने कहा है कि हम भी ऊर्जा के ही अंश है। इसलिए जब हमने यह जान लिया है कि आत्मा और पदार्थ; दोनों ही अस्तित्व का हिस्सा है, वे एक-दूसरे पूरा तादात्म्य रखे हुए हैं तो हमें यह अहसास भी होगा कि भौतिक पदार्थों की इच्छा रखना किसी भी दृष्टिकोण से शर्मनाक या गैर-आध्यात्मिक बात नहीं है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) महर्षि अरविन्द ने क्या कहा है ?

(घ) हम इस संसार में जो कुछ देखते हैं, वह क्या है ?

(ङ) 'अस्तित्व' और 'तादात्म्य' शब्दों के अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

4. दिए गए पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : [5x2=10]

शक्ति के विद्युत्कण जो व्यस्त

विकल बिखरे हैं, जो निरुपाय;

समन्वय उसका करे समस्त

विजयिनी मानवता हो जाय ।

(क) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) इन पंक्तियों में श्रद्धा ने मनु से कौन-सी बात बताई ?

(घ) समस्त सृष्टि की रचना किनसे हुई है?

(ङ) श्रद्धा ने मनु को किस प्रकार मानवता का साम्राज्य स्थापित करने के लिए प्रेरित किया है ?

अथवा

मैं कब कहता हूँ जग मेरी दुर्धर गति के अनुकूल बने

मैं कब कहता हूँ जीवन-मरु नन्दन-कानन का फूल बने ?

काँटा कठोर है, तीखा है, उसमें उसकी मर्यादा है,

मैं कब कहता हूँ वह घटकर प्रान्तर का ओछा फूल बने ?

(क) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) 'काँटा कठोर है, तीखा है, उसमें उसकी मर्यादा है' का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(घ) 'जीवन-मरु' में कौन-सा अलंकार है ?

(ङ) कवि किसकी कामना करता है ?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए: [5]

(i) वासुदेवशरण अग्रवाल

(ii) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

(iii) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं पर प्रकाश डालिए : [5]

(i) सुमित्रानन्दन पंत

(ii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

(iii) मैथिलीशरण गुप्त

6. 'बहादुर' कहानी की कथावस्तु की विवेचना कीजिए। (अधिकतम शब्द-सीमा: 80 शब्द) [5]

अथवा

'पञ्चलाइट' अथवा 'ध्रुवयात्रा' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए | [5]

(अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : [5]

(अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द)

(क) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी का चरित्र-चित्रण कीजिए |

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर 'नमक आन्दोलन' कथावस्तु लिखिए ।

(ख) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(ग) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'राज्यश्री' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(घ) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथानक अपने शब्दों में लिखिए।

(ङ) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'अयोध्या' सर्ग का सारांश लिखिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'दशरथ' का चरित्र-चित्रण कीजिए |

(च) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के 'तृतीय सर्ग' की कथावस्तु लिखिए ।

https://www.upboardonline.com

खण्ड ख

8. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : [2+5=7]

अस्माकं रामायण-महाभारताद्यैतिहासिकग्रन्थाः, चत्वारो वेदाः, सर्वाः उपनिषदाः, अष्टादशपुराणानि, अन्यानि च महाकाव्यनाट्यादीनि अस्यामेव भाषायां लिखितानि सन्ति । इयमेव भाषा सर्वासामार्यभाषाणां जननीति मन्यते भाषातत्त्वविद्भिः । संस्कृतस्य गौरवं बहुविधज्ञानाश्रयत्वं व्यापकत्वं च न कस्यापि दृष्टेरविषयः ।

अथवा

हंसराजः आत्मनः चित्तरुचितं स्वामिकं आगत्य वृणुयात् इति दुहितरमादिदेश । सा शकुनिसङ्घे अवलोकयन्ति मणिवर्णग्रीवं चित्रप्रेक्षणं मयूरं दृष्ट्वा 'अयं मे स्वामिको भवतु' इत्यभाषत । मयूरः 'अद्यापि तावन्मे बलं न पश्यसि' इति अतिगर्वेण लज्जाञ्च त्यक्त्वा तावन्महतः शकुनिसङ्घस्य मध्ये पक्षौ प्रसार्य नर्तितुमारब्धवान ।

(ख) निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : [2+5=7]

प्रीणाति यः सुचरितैः पितरं स पुत्रो
यः भर्तुरेव हितमिच्छति तत् कलत्रम् ।
तन्मित्रमापदि सुखं च समक्रियं यद्
एतत्त्रयं जगति पुण्यकृतो लभन्ते ।।

अथवा

ऋषयो राक्षसीमाहुः वाचमुन्मत्तदृप्तयोः ।
सा योनिः सर्ववैराणां सा हि लोकस्य निऋतिः ।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : [1+1=2]

(क) आँखों में धूल झोंकना
(ख) जहाँ चाह वहाँ राह
(ग) तिल का ताड़ बनाना
(घ) दूर के ढोल सुहावने

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन

(i) 'महेश्वर:' का सन्धि-विच्छेद है : [1]

(अ) महे + श्वरः

(ब) महा + एश्वर:

(स) महा + ईश्वरः

(द) मही + ईश्वरः

(ii) 'उपर्युक्तम्' का सन्धि-विच्छेद है : [1]

(अ) उपर + उक्तम्

(ब) उपरि + उक्तम्

(स) उप + र्युक्तम्

(द) उपर + र्युक्तम्

(iii) 'पावकः' का सन्धि-विच्छेद है : [1]

(अ) पा + वकः

(ब) पो + अक:

(स) पौ + अक:

(द) पाव + कः

(ख) दिए गए निम्नलिखित शब्दों का 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार चयन कीजिए :

(i) 'आत्मना' शब्द में विभक्ति और वचन है : [1]

(अ) तृतीया विभक्ति, एकवचन

(ब) चतुर्थी विभक्ति, दिवचन

(अ) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

(द) सप्तमी विभक्ति एकवचन

(ii) 'नाम्ने' शब्द में विभक्ति और वचन है

(अ) सप्तमी विभक्ति, द्विवचन

(ब) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

(स) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(द) द्वितीया विभक्ति, द्विवचन

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए : [1)

(i) सुत -सूत:

(अ) पुत्र और पुत्री

(ब) सूत्र और धागा

(स) बालक और केश

(द) पुत्र और सारथी

(ii) जलद-जलधि

(अ) बादल और पानी

(ब) समुद्र और जल

(स) बादल और समुद्र

(द) वर्षा और सरिता

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए: [1+1=2]

(i) भुजंग

(ii) हार

(iii) पर

(iv) अर्क

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द का चयन करके लिखिए

(i) 'किए गए उपकार को न मानने वाला'

(अ) अकर्ता

(ब) कृतज्ञ

(स) कृतघ्न

(द) अकृतघ्न

(ii) 'बहुत कम बोल'

(अ) अल्पभाषी

(ब) मितभाषी

(स) वाचाल

(द) मिताग्रही

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए:

(i) तुम तो कुर्सी पर बैठे हो !

(ii) इस सरोवर में अनेकों कमल खिले हैं।

(iii) कृपया अनुमोदन करने की कृपा करें ।

(iv) आप प्रातःकाल के समय आइएगा।

12. (क) 'करुण रस अथवा 'शान्त रस का लक्षण सहित एक उदाहरण लिखिए। [1+1=2]

(ख) 'अनुप्रास' अलङ्कार अथवा 'रूपक' अलङ्कार का लक्षण सहित एक उदाहरण लिखिए । [1+1=2]

(ग) 'चौपाई' छन्द अथवा 'सोरठा' छन्द का लक्षण सहित एक उदाहरण लिखिए । [1+1=2]

13. किसी दैनिक-पत्र के सम्पादक के नाम एक पत्र लिखिए जिसमें शहर में फैली संक्रामक बीमारी के प्रति नगर स्वास्थ्य अधिकारी का ध्यान आकर्षित किया गया हो। [2+4=6]

https://www.upboardonline.com

अथवा

किसी बैंक के प्रबन्धक को कोई व्यवसाय करने हेतु प्राप्ति के लिए एक आवेदन-पत्र लिखिए। [6]

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा शैली में निबन्ध लिखिए: [2+7=9]

(क) कृषक-जीवन की त्रासदी

(ख) अनियंत्रित भ्रष्टाचार कारण और निवारण

(ग) महिला आरक्षण की सर्थकता

(घ) बढती जनसंख्या तथा रोजगारी की समस्या

https://www.upboardonline.com

अनुक्रमांक .....

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8

नाम .....

102

302 (ZL)

2023

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट]

[पूर्णांक : 100

निर्देश :

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं । दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

खण्ड क

1. (क) प्रतापनारायण मिश्र द्वारा सम्पादित पत्र का नाम है: [1]

(i) 'हिन्दी प्रदीप'

(ii) 'ब्राह्मण'

(iii) 'सरस्वती'

(iv) 'मर्यादा'

(ख) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' के लेखक हैं: [1]

(i) डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

(ii) आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी

(iii) रामचन्द्र शुक्ल

(iv) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी

(ग) 'अशोक के फूल' किस विधा की रचना है ? [1]

(i) कहानी

https://www.upboardonline.com

(ii) संस्मरण

(iii) उपन्यास

(iv) निबन्ध

(घ) 'भारत-दुर्दशा' नाटक के रचनाकार हैं: [1]

(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(ii) बालकृष्ण भट्ट

(iii) श्याम सुन्दर दास

(iv) प्रतापनारायण मिश्र

(ङ) इनमें से गद्य की किस विधा में काल्पनिक प्रसंगों का स्थान नहीं है ? [1]

(i) 'कहानी'

(ii) 'उपन्यास'

(iii) 'नाटक'

(iv) 'आत्मकथा'

2. (क) हिन्दी-साहित्य के आधुनिक काल की रचना है: [1]

(i) 'पद्मावत'

(ii) 'सूरसागर'

(iii) 'रामचन्द्रिका'

(iv) 'चाँद का मुँह टेढ़ा है'

(ख) 'हरिऔध' का पूरा नाम है: [1]

(i) जगन्नाथदास

(ii) अयोध्याप्रसाद

(iii) नाथूराम शर्मा

https://www.upboardonline.com

(iv) अयोध्यासिंह उपाध्याय

(ग) छायावाद की मुख्य विशेषता है: [1]

(i) प्रकृति-चित्रण

(ii) युद्ध-वर्णन

(iii) यथार्थ चित्रण

(iv) भक्ति -प्रधानता

(घ) 'प्रकृति का सुकुमार कवि' कहा गया है: [1]

(i) रामधारी सिंह 'दिनकर' को

(ii) जयशंकर प्रसाद को

(iii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' को

(iv) सुमित्रानन्दन पन्त को

(ङ) 'तारसप्तक' के सम्पादक हैं: [1]

(i) गजानन माधव मुक्तिबोध

(ii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'

(iii) गिरिजाकुमार माथुर

(iv) धर्मवीर भारती

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [5x2=10]

यदि यह नवीनीकरण सिर्फ कुछ पंडितों की व आचार्यों की दिमागी कसरत ही बनी रहे तो भाषा गतिशील नहीं होती । भाषा का सीधा संबंध प्रयोग से है और जनता से है । यदि नए शब्द अपने उद्गम स्थान में ही अड़े रहें और कहीं भी उनका प्रयोग किया नहीं जाए तो उसके पीछे के उद्देश्य पर ही कुठाराघात होगा ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए ।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) 'कुठाराघात' का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(घ) भाषा का सीधा सम्बन्ध किससे है?

(ङ) लेखक के अनुसार नए शब्दों के प्रयोग न किए जाने पर क्या परिणाम होगा?

अथवा

मातृभूमि पर निवास करने वाले मनुष्य राष्ट्र का दूसरा अंग हैं। पृथिवी हो और मनुष्य न की कल्पना असंभव है। पृथिवी और जन दोनों के सम्मिलन से ही राष्ट्र का स्वरूप सम्पादित होता है। जन के कारण ही पृथिवी मातृभूमि की संज्ञा प्राप्त करती है। पृथिवी माता है और जन सच्चे अर्थों में पृथिवी का पुत्र है। https://www.upboardonline.com

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) लेखक के अनुसार राष्ट्र की कल्पना कब असंभव है?

(घ) पृथिवी और जन मिलकर किसकी रचना करते हैं?

(ङ) पृथिवी किसके कारण मातृभूमि की संज्ञा प्राप्त करती है?

4. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए: [5x2=10]

लज्जाशीला पथिक महिला जो कहीं दृष्टि आये ।
होने देना विकृत-वसना तो न तू सुन्दरी को ।
जो थोड़ी-सी श्रमित वह हो गोद ले श्रान्ति खोना ।
होठों की औ कमल-मुख की म्लानताएँ मिटाना ।।
कोई क्लान्ता कृषक-ललना खेत में जो दिखावे ।
धीरे-धीरे परस उसकी क्लान्तियों को मिटाना ।।
जाता कोई जलद यदि हो व्योम में तो उसेला ।
छाया द्वारा सुखित करना, तप्त भूतांगना को ।।

(क) उपर्युक्त कविता का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए ।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) उपर्युक्त पद्यांश किस महाकाव्य का अंश है?

(घ) 'कृषक-ललना' और 'भूतांगना' शब्दों का अर्थ लिखिए ।

(ङ) नायिका पवन से लज्जाशीला महिला के प्रति कैसा आचरण अपनाने के लिए कहती है?

अथवा

समर्पण लो सेवा का सार सजल संसृति का यह पतवार;

आज से यह जीवन उत्सर्ग इसी पद तल में विगत विकार ।

बनो संसृति के मूल रहस्य तुम्हीं से फैलेगी वह बेल;

विश्वभर सौरभ से भर जाय सुमन के खेलो सुन्दर खेल ।

(क) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए ।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) यह पद्यांश किस महाकाव्य का अंश है?

(घ) 'समर्पण लो सेवा का सार सजल संसृति' में कौन-सा अलंकार है?

(ड़) 'संसृति' तथा 'उत्सर्ग' शब्दों का अर्थ लिखिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों के नाम लिखिए: (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) [3+2=5]

(i) डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

(ii) वासुदेवशरण अग्रवाल

(iii) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए: (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) [3+2=5]

(i) रामधारी सिंह 'दिनकर'

(ii) मैथिलीशरण गुप्त

(iii) सुमित्रानन्दन पन्त

6. 'ध्रुव यात्रा' अथवा 'पंचलाइट' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए । (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) [5]

अथवा

'बहादुर' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए: (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) [5]

(क) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

(ख) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के कथानक पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर युधिष्ठिर का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ग) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रीकृष्ण' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के 'द्वितीय सर्ग' की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

(घ) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के 'तृतीय सर्ग' की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

https://www.upboardonline.com

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए ।

(ङ) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के 'षष्ठ सर्ग' (नमक सत्याग्रह) की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए ।

(च) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'दशरथ' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के किसी मार्मिक प्रसंग की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

खण्ड ख

8. (क) दिए गए संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए: [2+5=7]

अस्य निर्माणाय अयं जनान् धनम् अयाचत् जनाश्च महत्यस्मिन् ज्ञानयज्ञे प्रभूतं धनमस्मै प्रायच्छन्, तेन निर्मितोऽयं विशालः विश्वविद्यालयः भारतीयानां दानशीलतायाः श्रीमालवीयस्य यशसः च प्रतिमूर्तिरिव विभाति । साधारणस्थितिकोऽपि जन: महतोत्साहेन मनस्वितया पौरुषेण च असाधारणमपि कार्यं कर्तुं क्षमः इत्यदर्शयत् मनीषिमूर्धन्यः मालवीयः ।

अथवा

हंसराजः आत्मनः चित्तरुचितं स्वामिकम् आगत्य वृणुयात् इति दुहितरमादिदेश । सा शकुनिसङ्घे अवलोकयन्ति मणिवर्णग्रीवं चित्रप्रेक्षणं मयूरं दृष्ट्वा 'अयं मे स्वामिको भवतु' इत्यभाषत् । मयूरः 'अद्यापि तावन्मे बलं न पश्यसि' इति अतिगर्वेण लज्जाञ्च त्यक्त्वा तावन्महतः शकुनिसङ्घस्य मध्ये पक्षौ प्रसार्य नर्तितुमारब्धवान् ।

(ख) दिए गए श्लोकों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए: [2+5=7]

व्यतिषजति पदार्थानान्तरः कोऽपि हेतु:

न खलु बहिरुपाधीन् प्रीतयः संश्रयन्ते ।

विकसति हि पतङ्गस्योदये पुण्डरीकं

द्रवति च हिमरश्मावुद्गतेः चन्द्रकान्तः ।।

अथवा

वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि ।

लोकोत्तराणां चेतांसि को नु विज्ञातुमर्हसि ।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए: [1+1=2]

(क) भीगी बिल्ली बनना

(ख) हाथ पीले करना

(ग) दूध का दूध और पानी का पानी करना

(घ) आँख का अंधा नाम नयनसुख

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए:

(i) 'रमेश' का सही सन्धि-विच्छेद है: [1]

(अ) राम + ईश:

(ब) रमा + इश:

(स) रमा + ईश:

(द) रम + ईश:

(ii) 'इत्युक्तम्' का सही सन्धि-विच्छेद है: [1]

(अ) इति + उक्तम्

(ब) इत्य + उक्तम्

(स) इत्य + युक्तम्

(द) इत् + उक्तम्

(iii) 'उभावपि' का सही सन्धि-विच्छेद है: [1]

(अ) उभौ + अपि

(ब) उभा + वपि

(स) उभ + औपि

(द) उभ् + औपि

(ख) दिए गए निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही विकल्प का चयन कीजिए:

(i) 'आत्मनि' शब्द में विभक्ति और वचन है: [1]

(अ) तृतीया विभक्ति, द्विवचन

(ब) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

(स) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

(द) पंचमी विभक्ति, बहुवचन

(ii) 'नाम्नि' शब्द में विभक्ति और वचन है: [1]

(अ) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

(ब) तृतीया विभक्ति, एकवचन

(स) पंचमी विभक्ति, एकवचन

(द) द्वितीया विभक्ति, द्विवचन

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए:

(i) द्रव - द्रव्य: [1]

(अ) तरल पदार्थ और धन

(ब) धन और धान्य

(स) दान और देने योग्य

(द) दवा और दया

(ii) हरि-हर: [1]

(अ) विष्णु और शंकर

(ब) शिव और पार्वती

(स) भगवान और भक्त

(द) महादेव और हरण किया गया

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए: [1+1=2]

(i) तात

(ii) तीर

(iii) कुल

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही 'शब्द' का चयन करके लिखिए:

(i) जिसके भीतर की हवा का तापमान सम स्थिति में रखा गया हो: [1]

(अ) परितापी

(ब) अन्तः तापी

(स) समतापी

(द) प्रतापी

(ii) पीने की इच्छा रखने वाला: [1]

(अ) प्यासा

(ब) तृषित

(स) पिपासा

(द) पिपासु

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए: [1+1=2]

(i) आपकी पुत्री पद्मा बहुत बुद्धिमान् है ।

(ii) कृपया करके मेरे घर पधारिए ।

(iii) तुम्हें मन लगाकर पढ़ाई करना चाहिए ।

(iv) कानपुर एक ओद्योगिक नगर है ।

12. (क) 'शृंगार' रस अथवा 'करुण' रस का स्थायीभाव बताते हुए उसका एक उदाहरण लिखिए । [1+1=2]

(ख) 'अनुप्रास' अलङ्कार अथवा 'उपमा' अलङ्कार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए। [1+1=2]

(ग) 'दोहा' छन्द अथवा 'सोरठा' छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए । [1+1=2]

13. किसी दैनिक समाचार-पत्र के सम्पादक के नाम एक पत्र लिखिए जिसमें अपने गाँव में फैल रही कोविड-19 संक्रामक बीमारी के प्रति मुख्य चिकित्सा अधिकारी का ध्यान आकर्षित किया गया हो । https://www.upboardonline.com [2+4=6]

अथवा

अपने विद्यालय में कम्प्यूटर खराब होने की समस्या के निराकरण हेतु प्रधानाचार्य को एक पत्र लिखिए ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : [2+7=9]

(क) राष्ट्रमण्डल खेल - 2022 में भारत की उपलब्धियाँ

(ख) 'इंटरनेट' की शैक्षिक उपयोगिता

(ग) मेरा प्रिय साहित्यकार

(घ) जलवायु परिवर्तन के कारण और परिणाम

(ङ) भारत में कृषि क्रान्ति

अनुक्रमांक .....

नाम .....

102 **302(ZM)**

2023

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र **दो भागों – खण्ड 'क'** तथा **खण्ड 'ख'** में विभाजित है ।

ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

खण्ड क

1. (क) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र द्वारा सम्पादित पत्रिका है : [1]

(i) हिन्दी प्रदीप

(ii) कवि वचन सुधा

(iii) आनन्द कादम्बिनी

(iv) ब्राह्मण

(ख) 'श्रद्धा-भक्ति' निबन्ध के लेखक हैं : [1]

(i) श्यामसुन्दर दास

(ii) गुलाबराय

(iii) रामचन्द्र शुक्ल

(iv) विद्यानिवास मिश्र

https://www.upboardonline.com

(ग) 'रंगभूमि' उपन्यास के लेखक हैं: [1]

(i) वृन्दावनलाल वर्मा

(ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) प्रेमचन्द

(iv) चतुरसेन शास्त्री

(घ) 'कर्मनाशा की हार' कहानी के लेखक हैं: [1]

(i) शिवप्रसाद सिंह

(ii) जैनेन्द्र कुमार

(iii) यशपाल

(iv) काशीनाथ सिंह

(ङ) 'राष्ट का स्वरूप' निबन्ध वासुदेवशरण अग्रवाल के किस निबन्ध-संग्रह से लिया गया है ? [1]

(i) पृथिवीपुत्र

(ii) कल्पवृक्ष

(iii) भारत की एकता

(iv) कला और संस्कृति

2. (क) गिरिजाकुमार माथुर किस काल के कवि हैं? [1]

(i) आदिकाल

(ii) भक्तिकाल

(iii) रीतिकाल

(iv) आधुनिककाल

https://www.upboardonline.com

(ख) 'प्रगतिवादी काव्यधारा' के प्रमुख कवि हैं: [1]

(i) केदारनाथ अग्रवाल

(ii) सूरदास

(iii) तुलसीदास

(iv) चन्दबरदायी

(ग) 'लहर' काव्यकृति के रचनाकार हैं: [1]

(i) महादेवी वर्मा

(ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) धर्मवीर भारती

(iv) 'अज्ञेय'

(घ) 'उर्मिला का विरह वर्णन' साकेत के किस सर्ग में है ? [1]

(i) प्रथम सर्ग

(ii) द्वितीय सर्ग

(iii) नवम सर्ग

(iv) चतुर्थ सर्ग

(ङ) 'परिवर्तन' किस कवि की रचना है ? [1]

(i) सुमित्रानन्दन पन्त

(ii) 'निराला'

(iii) 'रत्नाकर'

(iv) 'धूमिल'

https://www.upboardonline.com

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए: [5×2=10]

यह प्रणाम-भाव ही भूमि और जन का दृढ़-बन्धन है। इसी दृढभित्ति पर राष्ट्र का भवन तैयार किया जाता है । इसी दृढ़ चट्टान पर राष्ट्र का चिर जीवन आश्रित रहता है । इसी मर्यादा को मानकर राष्ट्र के प्रति मनुष्यों के कर्त्तव्य और अधिकारों का उदय होता है। जो जन पृथिवी के साथ माता और पुत्र के संबंध को स्वीकार करता है, उसे ही पृथिवी के वरदानों में भाग पाने का अधिकार है। माता के प्रति अनुराग और सेवाभाव पुत्र का स्वाभाविक कर्तव्य है। वह एक निष्कारण धर्म है। स्वार्थ के लिए पुत्र का माता के प्रति प्रेम, पुत्र के अध: पतन को सूचित करता है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और उसके लेखक का नाम लिखिए ।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) स्वार्थ के लिए पुत्र का माता के प्रति प्रेम क्या सूचित करता है ?

(घ) भूमि और जन का दृढ़-बन्धन क्या है ?

(ङ) 'दृढ़भित्ति' और 'निष्कारण' शब्दों का अर्थ लिखिए ।

अथवा

अशोक का वृक्ष जितना भी मनोहर हो, जितना भी रहस्यमय हो, जितना भी अलंकारमय हो, परन्तु है वह उस विशाल सामन्त सभ्यता की परिष्कृत रुचि का ही प्रतीक है जो साधारण प्रजा के परिश्रमों पर पत्नी थी, उसके रक्त के संस्कारकणों को खाकर बड़ी हुई थी और लाखों करोड़ों की उपेक्षा से जो समृद्ध हुई थी। वे सामन्त उखड़ गए, समाज ढह गए और मदनोत्सव की धूमधाम भी मिट गई ।

(क) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।

(ख) अशोक का वृक्ष किसका प्रतीक है ?

(ग) लाखों करोड़ों की उपेक्षा से कौन समृद्ध हुई थी ?

(घ) कौन उखड़ और ढह गया है ?

(ङ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

4. दिए गए पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : [5x2=10]

इस धारा-सा ही जग का क्रम, शाश्वत् इस जीवन का उद्गम

शाश्वत् है गति, शाश्वत् संगम !

शाश्वत् नम का नीला का विकास, शाश्वत् राशि का यह रजत हास,

शाश्वत् लघु लहरों का विकास !

हे जगजीवन के कर्णधार ! चिरजन्म मरण के आर-पार

शाश्वत् जीवन नौका विहार !

मै भूल गया अस्तित्व ज्ञान, जीवन का यह शाश्वत् प्रमाण

करता मुझको अमरत्वदान !

(क) उपर्युक्त पद्यांश के कवि एवं शीर्षक का नाम लिखिए ।

(ख) जग का क्रम कैसा है ?

(ग) नभ का नीला विकास कैसा है?

(घ) 'उद्गम' तथा 'कर्णधार' शब्दों का अर्थ लिखिए ।

(ङ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

कह न ठंडी साँस में अब भूल वह जलती कहानी,

आग हो उर में तभी दुग में सजेगा आज पानी;

हार भी तेरी बनेगी मानिनी जय की पताका,

राख क्षणिक पतंग की है अमर दीपक की निशानी !

है तुझे अंगार-शय्या पर मृदुल कलियाँ बिछाना !

जाग तुझको दूर जाना !

(क) उपर्युक्त पद्यांश के शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या फीजिए ।

(ग) 'क्षणिक' शब्द से मूल शब्द और प्रत्यय अलग करके लिखिए।

(घ) 'है तुझे अंगार-शय्या पर मृदुल कलियाँ बिछाना'-इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ?

(ङ) 'दृग' और 'पताका' शब्दों के एक-एक पर्यायवाची शब्द लिखिए ।

https://www.upboardonline.com

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए - (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) [3+2=5]

(i) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी

(ii) हजारीप्रसाद द्विवेदी

(iii) वासुदेवशरण अग्रवाल

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए: (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) [3+2=5]

(i) मैथिलीशरण गुप्त

(ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) 'अज्ञेय'

6. 'ध्रुवयात्रा' अथवा 'पंचलाइट' की कथावस्तु का सार लिखिए। (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) [5]

अथवा

'बहादुर' कहानी का उद्देश्य लिखिए। (अधिकतम शब्द-सीमा 8 0 शब्द) [5]

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए: (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) [5]

(क) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु का सार लिखिए।।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ख) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'द्रौपदी' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

https://www.upboardonline.com

(ग) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की नायिका का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(घ) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर गांधीजी की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

'आलोकमृत' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

(ङ) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रवणकुमार' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की कथा अपने शब्दों में लिखिए

(च) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के कथानक का सार लिखिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'हर्षवर्धन' के चरित्र का मूल्यांकन कीजिए ।

खण्ड ख

8. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए: [2+5=7]

बौद्धयुगे इमे सिद्धान्ताः वैयक्तिकजीवनस्य अभ्युत्थानाय प्रयुक्ता आसन् । परमद्य इमे सिद्धान्ताः राष्ट्रणां परस्परमैत्रीसहयोगकारणानि, विश्व बन्धुत्वस्य विश्वशान्तेश्च साधनानि सन्ति । राष्ट्रनायकस्य श्रीजवाहरलालनेहरूमहोदयस्य प्रधानमंत्रित्वकाले चीनदेशेन सह भारतस्य मैत्री पञ्चशीलसिद्धान्तानधिकृत्य एवाभवत् । यतो हि उभावपि देशी बौद्धधर्मे निष्ठावन्तौ । आधुनिके जगति पञ्चशीलसिद्धान्ताः नवीनं राजनैतिकं स्वरूपं गृहीतवन्तः ।

अथवा

याज्ञवलक्य उवाच - न वा अरे मैत्रेय ! पत्यु । कामाय पतिः प्रियो भवति । आत्मनस्तु वै कामाय पतिः प्रियो भवति । न वा अरे जायाः कामाय जाया प्रिया भवति । आत्मनस्तु वै कामाय जाया प्रिया भवति । न वा अरे पुत्रस्य वितस्य च कामाय पुत्रो वितं व प्रियं भवति ।

(ख) निम्नलिखित संस्कृत श्लोकों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए [2+5=7]

काव्यशास्त्र-विनोदेन कालो गच्छति धीमताम् ।

व्यसनेन च मूर्खाणां निद्रया कलहेन वा ।।

अथवा

परोक्षे कार्यहन्तारं प्रत्यक्षे प्रियवादिनम् ।

वर्जयेत्तादृशं मित्रं विषकुम्भं पयोमुखम् ॥

9. निम्नलिखित लोकोक्तियों और मुहावरों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : https://www.upboardonline.com [1+1=2]

(क) हाथ पीले करना

(ख) नौ दो ग्यारह होना

(ग) हाथ कंगन को आरसी क्या

(घ) अपना उल्लू सीधा करना

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए:

(i) 'रवीन्द्रः' का सन्धि-विच्छेद हैं: [1]

(अ) रवि + इन्द्रः

(ब) रवी + इन्द्रः

(स) र + वीन्द्रः

(द) रवीन् + न्द्रः

(ii) 'रमेश:' का सन्धि-विच्छेद है : [1]

(अ) रमा + ईश:

(ब) रम् + ऐश:

(स) र + उमेशः

(द) राम + ईश:

(iii) 'अत्याचार' का सन्धि-विच्छेद है : [1]

(अ) अति + आचारः

(ब) अती + आचारः

(स) अत्या + चारः

(द) अतीव + चार:

(ख) दिए गए निम्नलिखित शब्दों का 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही विकल्प का चयन कीजिए: [1]

(i) 'आत्मानि' शब्द में विभक्ति और वचन है :

(अ) सप्तमी विभक्ति एकवचन

(ब) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

(स) पंचमी विभक्ति, द्विवचन

(द) तृतीया विभक्ति एकवचन

(ii) 'नामसु' शब्द में विभक्ति और वचन है : [1]

(अ) सप्तमी विभक्ति एकवचन

(ब) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन

(स) प्रथमा विभक्ति, एकवचन

(द) तृतीया विभक्ति, बहुवचन

https://www.upboardonline.com

11. निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए:

(i) अविराम-अभिराम : [1]

(अ) बिना रोक के और सुन्दर

(ब) लगातार और कुरूप

(स) अनवरत और अनाकर्षक

(द) सुन्दर और आकर्षक

(ii) अत्र-अन्य: [1]

(अ) अनाज और दूसरा

(ब) भोजन और अनेक

(स) बेकार और दूसरा

(द) अनाज और भोजन

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो सही अर्थ लिखिए: [1+1=2]

(i) काल

(ii) जड़

(ii) चपला

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही 'शब्द' का चयन करके लिखिए: [1]

(i) जो वन्दना करने योग्य हो

(अ) वन्दनीय

(ब) पूजनीय

(स) सम्माननीय

(द) आदरणीय

https://www.upboardonline.com

(ii) जो जीता न जा सके [1]

(अ) अजेय

(ब) अमर

(स) अजर

(द) अनन्त

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए: [1+1=2]

(i) मैं सकुशलपूर्वक हूँ ।

(ii) मैं पानी पी लिया हूँ ।

(iii) वह लड़के कहाँ जा रहे हैं।

(iv) कृपया अवकाश देने की कृपा करें

12. (क) 'वीर' रस अथवा 'शान्त' रस का लक्षण सहित एक उदाहरण लिखिए। [1+1=2]

(ख) 'श्लेष' अलङ्कार अथवा 'रूपक' अलङ्कार की परिभाषा लिखते हुए एक उदाहरण लिखिए। https://www.upboardonline.com [1+1=2]

(ग) 'चौपाई छन्द अथवा 'दोहा' छन्द का लक्षण और एक उदाहरण लिखिए । [1+1=2]

13. विद्यालय में नियुक्ति हेतु प्रबन्धक को एक आवेदन-पत्र लिखिए । [2+4=6]

अथवा

अपने गाँव अथवा शहर की बिजली समस्या हेतु उचित अधिकारी को एक पत्र लिखिए। [6]

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में सारगर्भित निबन्ध लिखिए: [2+7=9]

(क) साहित्य और समाज का अन्तः सम्बन्ध

(ख) महँगाई की समस्या का कारण और निवारण

(ग) कृषक-जीवन की त्रासदी

(घ) जलवायु-परिवर्तन का मौसम पर प्रभाव

(ङ) भारतीय लोकतन्त्र का भविष्य

https://www.upboardonline.com

अनुक्रमांक .....

नाम .....

102

302(ZN)

2023

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र **दो भागों – खण्ड 'क'** तथा **खण्ड 'ख'** में विभाजित है ।

ii) सभी **प्रश्न** अनिवार्य हैं ।

खण्ड - 'क'

1. (क) 'अष्टयाम' कृति के लेखक हैं: [1]

(i) गोकुलनाथ

(ii) विट्ठलनाथ

(iii) नाभादास

(iv) प्रियादास

(ख) धर्मवीर भारती द्वारा लिखित उपन्यास है : [1]

(i) 'परन्तु'

(ii) 'सूरज का सातवाँ घोड़ा'

(iii) 'मुक्तिबोध'

(iv) 'नदी के द्वीप'

https://www.upboardonline.com

(ग) जयशंकर प्रसाद द्वारा लिखित नाटक नहीं है: [1]

(i) 'करुणालय'

(ii) 'कल्याणी परिणय'

(iii) 'सज्जन'

(iv) 'भारत सौभाग्य'

(घ) इनमें से 'आत्मकथा' विधा की रचना है: [1]

(i) 'अर्द्धकथा'

(ii) 'परती परिकथा'

(iii) 'आवारा मसीहा'

(iv) अजय की डायरी'

(ङ) यात्रावृत्त-सम्बन्धी गद्यकृति 'अरे यायावर! रहेगा याद' के लेखक है : [1]

(i) केदारनाथ अग्रवाल

(ii) मोहन राकेश

(iii) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

(iv) हरिशंकर परसाई

2. (क) इनमें से किस काव्यकृति पर 'ज्ञानपीठ' पुरस्कार मिला है? [1]

(i) 'लोकायतन'

(ii) 'अग्निरेखा'

(iii) 'कितनी नावों में कितनी बार'

(iv) 'रसवन्ती'

https://www.upboardonline.com

(ख) 'तीसरा सप्तक' का प्रकाशन वर्ष है: [1]

(i) सन् 1957

(ii) सन् 1959

(iii) सन् 1960

(iv) सन् 1961

(ग) 'कला और बूढ़ा चाँद' कृति के रचयिता है: [1]

(i) सुमित्रानंदन पन्त

(ii) शिवमंगल सिंह 'सुमन'

(iii) सुदामाप्रसाद पाण्डेय 'धूमिल'

(iv) रामधारी सिंह 'दिनकर'

(घ) किस महाकाव्यात्मक कृति में बारह सर्ग हैं ? [1]

(i) 'कामायनी'

(ii) 'प्रियप्रवास'

(iii) 'साकेत'

(iv) 'वैदेही वनवास'

(ङ) 'छायावाद' की प्रमुख विशेषता है: [1]

(i) इतिवृत्तात्मकता

(ii) शृंगार रस की प्रधानता

(iii) युद्धों का सजीव वर्णन

(iv) स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह

https://www.upboardonline.com

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [5x2=10]

अशोक वृक्ष की पूजा इन्हीं गन्धर्वों और यक्षों की देन है । प्राचीन साहित्य में इस वृक्ष की पूजा के उत्सवों का बड़ा सरस वर्णन मिलता है। असल पूजा अशोक की नहीं, बल्कि उसके अधिष्ठाता कंदर्प-देवता की होती थी । इसे 'मदनोत्सव' कहते थे। महाराज भोज के 'सरस्वती कंठाभरण' से जान पड़ता है कि यह उत्सव त्रयोदशी के दिन होता था। 'मालविकाग्निमित्र' और 'रत्नावली' में इस उत्सव का बड़ा सरस मनोरम वर्णन मिलता है। मैं जब अशोक के लाल स्तबकों को देखता हूँ तो मुझे वह पुराना वातावरण प्रत्यक्ष दिखायी दे जाता है । राजघरानों में साधारणतः रानी ही अपने सनूपुर चरणों के आघात से इस रहस्यमय वृक्ष को पुष्पित किया करती थीं।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) अशोक वृक्ष की पूजा किसकी देन है?

(iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iv) अशोक वृक्ष को कौन पुष्पित किया करती थीं ?

(v) 'अधिष्ठाता' और 'स्तवक' शब्दों का अर्थ लिखिए।

अथवा

नये शब्द, नये मुहावरे एवं नयी रीतियों के प्रयोगों से युक्त भाषा को व्यावहारिकता प्रदान करना ही भाषा में आधुनिकता लाना है। दूसरे शब्दों में केवल आधुनिक युगीन विचारधाराओं के अनुरूप नये शब्दों के गढ़ने मात्र से ही भाषा का विकास नहीं होता ; वरन् नये पारिभाषिक शब्दों की एवं नूतन शैली-प्रणालियों को व्यवहार में लाना ही भाषा को आधुनिकता प्रदान करना है; क्योंकि व्यावहारिकता ही भाषा का प्राणतत्त्व है। नये शब्द और नये प्रयोगों का पाठ्यपुस्तकों से लेकर साहित्यिक पुस्तकों तक एवं शिक्षित व्यक्तियों से लेकर अशिक्षित व्यक्तियों तक के सभी कार्यकलापों में प्रयुक्त होना आवश्यक है। इस तरह हम अपनी भाषा को अपने जीवन की सभी आवश्यकताओं के लिए जब प्रयुक्त कर सकेंगे तब भाषा में अपने आप आधुनिकता आ जायेगी ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) भाषा में आधुनिकता कैसे आती है?

(iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iv) भाषा का प्राणतत्त्व क्या है?

(v) 'नूतन' तथा 'कार्यकलाप' शब्दों का अर्थ लिखिए।

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [5x2=10]

'कौन हो तुम वसन्त के दूत
    बिरस पतझड़ में अति सुकुमार;
घन तिमिर में चपला की रेख
    तपन में शीतल मन्द बयार!'
लगा कहने आगन्तुक व्यक्ति
    मिटाता उत्कंठा सविशेष;
दे रहा हो कोकिल सानन्द
    सुमन को ज्यों मधुमय सन्देश - |

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) इस पद्यांश में किस-किस के बीच संवाद हो रहा है?

(iv) 'चपला' तथा 'उत्कंठा' शब्दों का अर्थ लिखिए ।

(v) 'आगन्तुक व्यक्ति' से किसकी ओर संकेत किया गया है।

अथवा

छायाएँ मानव-जन की
दिशाहीन
सब ओर पड़ी - वह सूरज
नहीं उगा था पूरब में,
बरसा सहसा
बीचों-बीच नगर के;
काल- सूर्य के रथ के

पहियों के ज्यों अरे टूटकर

बिखर गये हों दसों दिशा में !

कुछ क्षण का वह उदय अस्त !

केवल एक प्रज्वलित क्षण की

दृश्य सोख लेनेवाली दोपहरी ।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) 'काल- सूर्य के रथ के इस पंक्ति में कौन सा अलंकार है?

(iv) दस दिशाएँ कौन-कौन सी हैं?

(v) वह 'सूरज' किस दिशा में उदित हुआ था?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए: (अधिकतम शब्द सीमा: 80 शब्द) [3+2=5]

(i) डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

(ii) वासुदेवशरण अग्रवाल

(iii) हजारीप्रसाद द्विवेदी

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी काव्यकृतियों का उल्लेख कीजिए: (अधिकतम शब्द सीमा: 80 शब्द) [3+2=5]

(i) सुमित्रानंदन पन्त

(ii) महादेवी वर्मा

(iii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

6. 'पंचलाइट' कहानी का सारांश लिखिए। [5]

अथवा

'बहादुर' अथवा 'ध्रुवयात्रा' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए (अधिकतम शब्द-सीमा: 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्डकाव्य के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए: (शब्द-सीमा अधिकतम: 80 शब्द) [5]

(i) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के अन्तिम सर्ग की कथा पर प्रकाश डालिए ।

(ii) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्र चित्रण कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

(iii) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का निरूपण कीजिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के कथानक पर प्रकाश डालिए ।

(iv) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

(v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'हर्षवर्द्धन' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए ।

https://www.upboardonline.com

(vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर श्रवणकुमार' का चरित्र चित्रण कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

खण्ड 'ख'

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए: [2+5=7]

याज्ञवल्क्य उवाच - न वा अरे मैत्रेयि ! पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति । आत्मनस्तु वै कामाय पतिः प्रियो भवति । न वा अरे, जायाया: कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु वै जाया प्रिया भवति । न वा अरे, पुत्रस्य वित्तस्य च कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाया पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति । न वा अरे, सर्वस्य कामाय सर्वं प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय सर्वं प्रियं भवति । https://www.upboardonline.com

अथवा

अथैकः शकुनिः सर्वेषां मध्यादाशयग्रहणार्थं त्रिकृत्वः अश्रावयत् । ततः एकः काक: उत्थाय 'तिष्ठ तावत्, अस्य एतस्मिन् राज्याभिषेककाले एवं रूपं मुखं, क्रुद्धस्य च कीदृशं भविष्यति ? अनेन हि क्रुद्धेन अवलोकिताः वयं तप्तकटाहे प्रक्षिप्तास्तिलाः इव तत्र तत्रैव धक्ष्यामः । ईदृशो राजा मह्यं न रोचते' इत्याह ।

(ख) दिये गये संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए: [2+5=7]

काव्यशास्त्र - विनोदेन कालो गच्छति धीमताम् ।

व्यसनेन च मूर्खाणां निद्रया कलहेन वा ।।

अथवा

वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि

लोकोत्तराणां चेतांसि को नु विज्ञातुमर्हति ।।

9. निम्नलिखित लोकोक्तियों/मुहावरों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए: [1+1=2]

(i) ईद का चाँद होना

(ii) कागजी घोड़े दौड़ाना

(iii) ऊँट के मुँह में जीरा

(iv) का बरखा जब कृषी सुखाने

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए:

(i) 'कवीन्दुम्' का सन्धि-विच्छेद है: [1]

(A) कवी + इन्दुम्

(B) कवीन् + दुम्

(C) कवि + इन्दुम्

(D) क + विन्दुम्

(ii) 'मन्वन्तरे' में सन्धि-विच्छेद है: [1]

(A) मनु + अन्तरे

(B) मन्व + अन्तरे

(C) मनू + अन्तरे

(D) मा + अनन्तरे

(iii) 'पवित्रम्' का सन्धि-विच्छेद है: [1]

(A) पव + इत्रम्

(C) पवि + त्रम्

(B) पवि + इत्रम्

(D) पो + इत्रम्

(ख) दिये गये निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही विकल्प का चयन कीजिए:

(i) 'आत्मनो:' शब्द में विभक्ति और वचन है: [1]

(A) द्वितीया विभक्ति, बहुवचन

(B) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(C) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

(D) षष्ठी विभक्ति, द्विवचन

(ii) 'नामभ्याम्' शब्द में विभक्ति और वचन है: [1]

(A) तृतीया विभक्ति, द्विवचन

(B) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(C) पंचमी विभक्ति, बहुवचन

(D) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए:

(i) अशक्त - आसक्त [1]

(A) असमर्थ - शक्तिमान्

(B) शक्तिसम्पन्न - आकर्षक

(C) शक्तिहीन - मोहित

(D) समर्थ - कुसंगति

(ii) भवन - भुवन [1]

(A) निकेतन - जंगल

(B) घर-संसार

(C) घना जंगल - लोक

(D) सृष्टि - आयतन

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए: [1+1=2]

(i) चपला

(ii) पयोधर

(iii) विधि

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक 'सही' शब्द का चयन करके लिखिए:

(i) बहुत कम बोलनेवाला - https://www.upboardonline.com [1]

(A) वाचाल

(B) अमितभाषी

(C) मितभाषी

(D) बहुभाषी

(ii) जानने की इच्छा रखनेवाला - [1]

(A) जिज्ञासा

(B) जिज्ञासु

(C) चिकीर्षु

(D) इच्छुक

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए: [1+1=2]

(i) वह अपनी ताकत के बल पर खड़ा है।

(ii) इसमें समस्त प्राणिमात्र का कल्याण है।

(iii) आपके साथ उचित न्याय किया जायेगा ।

(iv) जीवन और साहित्य का घोर सम्बन्ध है

12. (क) 'वीर' रस अथवा 'करुण' रस की सोदाहरण परिभाषा दीजिए। [1+1=2]

(ख) 'श्लेष' अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षण लिखकर एक उदाहरण दीजिए । [1+1=2]

(ग) 'दोहा' अथवा 'कुण्डलियाँ' छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए। [1+1=2]

13. अपने नगर की सफाई के लिए अध्यक्ष, नगर पंचायत को एक प्रार्थना-पत्र लिखिए । [2+4=8]

अथवा

पुस्तक-व्यवसाय के लिए ऋण प्राप्त करने हेतु अपने निकटस्थ किसी बैंक के शाखा-प्रबन्धक को आवेदन- पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए: [2+7=9]

(i) भारतीय जीवन में व्याप्त कुरीतियाँ

(ii) बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ

(iii) प्राकृतिक आपदाएँ: कारण और निवारण

(iv) विज्ञान वरदान है या अभिशाप

(v) पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता

https://www.upboardonline.com

अनुक्रमांक .....

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8

नाम .....

102

302 (DH)

2024

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] *[पूर्णांक : 100*

निर्देश :

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं । दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

खण्ड क

1. (क) 'मेरी असफलताएँ' किस विधा की रचना है ? *1*

(i) कहानी (ii) आत्मकथा

(iii) डायरी (iv) जीवनी

(ख) 'घुमक्कड़ शास्त्र' के लेखक हैं : *1*

(i) राहुल सांकृत्यायन (ii) विद्यानिवास मिश्र

(iii) प्रेमचन्द (iv) नागार्जुन

(ग) निम्नलिखित में से कौन-सा उपन्यास जैनेंद्र द्वारा लिखित है ? *1*

(i) 'इरावती' (ii) 'ऋतुचक्र'

(iii) 'सुनीता' (iv) 'निर्मला'

(घ) 'ब्राह्मण' पत्र का सम्पादन किया था : *1*

(i) भारतेन्दु हरिश्चंद्र ने (ii) 'प्रेमघन' ने

(iii) प्रतापनारायण मिश्र ने (iv) बालकृष्ण भट्ट ने

(ङ) 'चिंतामणि' रचना के लेखक हैं : *1*

(i) महावीर प्रसाद द्विवेदी (ii) रामचंद्र शुक्ल

(iii) हजारी प्रसाद द्विवेदी (iv) डॉ. नगेन्द्र

https://www.upboardonline.com

2. (क) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की रचना है : 1

(i) 'कामायनी' (ii) 'वैदेही-वनवास'

(iii) 'कश्मीर सुषमा' (iv) 'प्रेम माधुरी'

(ख) 'सरोज-स्मृति' कविता के रचनाकार हैं : 1

(i) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) सुमित्रानंदन पंत (iv) महादेवी वर्मा

(ग) 'उपमान मैले हो गए हैं' किसकी काव्यपंक्ति है ? 1

(i) त्रिलोचन शास्त्री की (ii) 'नागार्जुन' की

(iii) मुक्तिबोध की (iv) 'अज्ञेय' की

(घ) 'एकांतवासी योगी' किसकी रचना है ? 1

(i) मैथिलीशरण गुप्त (ii) श्रीधर पाठक

(iii) बालमुकुंद गुप्त (iv) भारतेंदु हरिश्चंद्र

(ङ) हिन्दी काव्य के किस कालखण्ड को 'स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह' कहा गया है ? 1

(i) 'प्रगतिवाद' (ii) 'छायावाद'

(iii) 'प्रयोगवाद' (iv) 'नयी कविता'

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×2=10

साहित्य, कला, नृत्य, गीत, आमोद-प्रमोद अनेक रूपों में राष्ट्रीय जन अपने-अपने मानसिक भावों को प्रकट करते हैं । आत्मा का जो विश्वव्यापी आनंद-भाव है वह इन विविध रूपों में साकार होता है । यद्यपि बाह्य रूप की दृष्टि से संस्कृति के ये बाहरी लक्षण अनेक दिखायी पड़ते हैं, किंतु आंतरिक आनंद की दृष्टि से उनमें एकसूत्रता है । जो व्यक्ति सहृदय है, वह प्रत्येक संस्कृति के आनंद पक्ष को स्वीकार करता है और उससे आनंदित होता है । इस प्रकार की उदार-भावना ही विविध जनों से बने हुए राष्ट्र के लिए स्वास्थ्यकर है ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ख) राष्ट्रीय जन अपने मानसिक भावों को किन रूपों में प्रकट करते हैं ?

(ग) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(घ) आंतरिक आनंद की दृष्टि से किनमें एकसूत्रता है ?

(ङ) कौन-सी भावना राष्ट्र के लिए स्वास्थ्यकर है ?

अथवा

https://www.upboardonline.com

पुष्पित अशोक को देखकर मेरा मन उदास हो जाता है । इसलिए नहीं कि सुंदर वस्तुओं को हतभाग्य समझने में मुझे कोई विशेष रस मिलता है । कुछ लोगों को मिलता है । वे बहुत दूरदर्शी होते हैं । जो भी सामने पड़ गया, उसके जीवन के अंतिम मुहूर्त तक का हिसाब वे लगा लेते हैं । मेरी दृष्टि उतनी दूर तक नहीं जाती । फिर भी मेरा मन इस फूल को देखकर उदास हो जाता है । असली कारण तो मेरे अंतर्यामी ही जानते होंगे, कुछ थोड़ा-सा मैं भी अनुमान कर सकता हूँ ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) गद्यांश के लेखक ने स्वयं के बारे में क्या कहा है ?

(घ) प्रस्तुत गद्यांश का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) 'अंतर्यामी' और 'दूरदर्शी' शब्दों के अर्थ लिखिए ।

4. दिए गए पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *5×2=10*

विस्तृत नभ का कोई कोना,
मेरा न कभी अपना होना,
परिचय इतना इतिहास यही
उमड़ी कल थी मिट आज चली !

(क) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) कवयित्री अपने जीवन की तुलना किसके साथ करती है ?

(घ) उपर्युक्त अंश में कौन-सा रस है ?

(ङ) यह पद्यांश किस भावना को प्रकट करता है ?

अथवा

सुख भोग खोजने आते सब,
आये तुम करने सत्य खोज,
जग की मिट्टी के पुतले जन,
तुम आत्मा के मन के मनोज !
जड़ता, हिंसा, स्पर्धा में भर
चेतना, अहिंसा, नम्र-ओज,
पशुता का पंकज बना दिया
तुमने मानवता का सरोज !

https://www.upboardonline.com

(क) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ख) साधारण मनुष्य संसार में क्या खोजता है ?

(ग) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(घ) 'पशुता का पंकज' से कवि का क्या तात्पर्य है ?

(ङ) 'स्पर्धा' और 'नम्र-ओज' शब्दों के अर्थ लिखिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी ***एक*** लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) *3+2=5*

(i) वासुदेवशरण अग्रवाल

(ii) ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

(iii) हरिशंकर परसाई

(ख) निम्नलिखित में से किसी ***एक*** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : *3+2=5*

(i) मैथिलीशरण गुप्त

(ii) सुमित्रानंदन पंत

(iii) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

6. 'ध्रुवयात्रा' अथवा 'बहादुर' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) *5*

अथवा

'पंचलाइट' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए । (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) *5*

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी ***एक*** खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) *5*

(क) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'राज्यश्री' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के 'पंचम सर्ग' की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

(ख) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'दुर्योधन' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ग) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य का कथानक लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' के नायक 'कर्ण' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

https://www.upboardonline.com

(घ) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर 'गाँधीजी' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(ङ) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के कथानक पर प्रकाश डालिए ।

(च) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'दशरथ' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में प्रस्तुत कीजिए ।

खण्ड ख

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी ***एक*** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : *2+5=7*

युवकः मालवीयः स्वकीयेन प्रभावपूर्ण-भाषणेन जनानां मनांसि अमोहयत् । अतः अस्य सुहृदः तं प्राड्विवाकपदवीं प्राप्य देशस्य श्रेष्ठतरां सेवां कर्तुं प्रेरितवन्तः । तदनुसारम् अयं विधिपरीक्षामुत्तीर्य प्रयागस्थे उच्चन्यायालये प्राड्विवाककर्म कर्तुमारभत् । विधेः प्रकृष्टज्ञानेन मधुरालापेन उदारव्यवहारेण चायं शीघ्रमेव मित्राणां न्यायाधीशाञ्च सम्मानभाजनमभवत् ।

अथवा

संस्कृतसाहित्यस्य आदिकविः वाल्मीकिः, महर्षिव्यासः, कविकुलगुरुः कालिदासः अन्ये च भास-भारवि-भवभूत्यादयो महाकवयः स्वकीयैः ग्रन्थरत्नै अद्यापि पाठकानां हृदि विराजन्ते । इयं भाषा अस्माभिः मातृसमं सम्माननीया वन्दनीया च, यतो भारतमातुः स्वातन्त्र्यं, गौरवम्, अखण्डत्वं सांस्कृतिकमेकत्वञ्च संस्कृते नैव सुरक्षितुं शक्यन्ते । इयं संस्कृतभाषा सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठा चास्ति । ततः सुष्ठूक्तम् 'भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाण भारती' इति ।

(ख) दिये गये पद्यांशों में से किसी ***एक*** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : *2+5=7*

न मे रोचते भद्रं वः उलूकस्याभिषेचनम् ।
अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं क्रुद्धो भविष्यति ।।

अथवा

जल-बिन्दु-निपातेन क्रमशः पूर्यते घटः ।
स हेतुः सर्वविद्यानां धर्मस्य च धनस्य च ।।

https://www.upboardonline.com

9. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी *एक* का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : *1+1=2*

(क) अन्न-जल पूरा हो जाना

(ख) अपना ही राग अलापना

(ग) दाल में काला होना

(घ) सूरज को दीपक दिखाना

10. अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

जिस प्रकार सुखी होने का प्रत्येक प्राणी को अधिकार है, उसी प्रकार मुक्तातंक होने का भी । पर कार्यक्षेत्र के चक्रव्यूह में पड़कर जिस प्रकार सुखी होना प्रयत्न-साध्य होता है उसी प्रकार निर्भय होना भी । निर्भयता के संपादन के लिए दो बातें अपेक्षित होती हैं — पहली तो यह कि दूसरों को हमसे किसी प्रकार का भय या कष्ट न हो; दूसरी यह कि दूसरे हमको कष्ट या भय पहुँचाने का साहस न कर सकें । इनमें से एक का संबंध उत्कृष्ट शील से है और दूसरी का शक्ति और पुरुषार्थ से । इस संसार में किसी को न डराने से ही डरने की सम्भावना दूर नहीं हो सकती । साधु से साधु प्रकृतिवाले को क्रूर लोभियों और दुर्जनों से क्लेश पहुँचता है । अत: उनके प्रयत्नों को विफल करने या भय-संचार द्वारा रोकने की आवश्यकता से हम बच नहीं सकते । https://www.upboardonline.com

(क) सुखी होने के साथ और क्या होना प्रयत्न-साध्य होता है ? *1*

(ख) निर्भयता के सम्पादन के लिए क्या करना अपेक्षित है ? *2*

(ग) शील, शक्ति और पुरुषार्थ-जैसी वृत्तियों का सम्बन्ध किनसे है ? *2*

अथवा

कुछ कार्य ऐसे भी होते हैं, जो अनेक छोटे-छोटे कर्मों की समष्टि जैसे होते हैं । उदाहरणार्थ, यदि हम समुद्र के किनारे खड़े हों और लहरों को किनारे से टकराते हुए सुनें, तो ऐसा मालूम होता है कि एक बड़ी भारी आवाज़ हो रही है । परन्तु हम जानते हैं कि एक बड़ी लहर असंख्य छोटी-छोटी लहरों से बनी है । और यद्यपि प्रत्येक छोटी लहर अपना शब्द करती है, परंतु फिर भी वह हमें सुनाई नहीं पड़ती । पर ज्यों ही ये सब शब्द आपस में मिलकर एक हो जाते हैं, त्यों ही हमें बड़ी आवाज़ सुनाई देती है । इसी प्रकार हृदय की प्रत्येक धड़कन कार्य है । कई कार्य ऐसे होते हैं, जिनका हम अनुभव करते हैं, वे हमें इन्द्रियग्राह्य हो जाते हैं, पर वे अनेक छोटे-छोटे कार्यों की समष्टि होते हैं ।

(क) हृदय की प्रत्येक धड़कन को क्या कहा गया है ? *1*

(ख) छोटे-छोटे कर्मों की समष्टि से क्या तात्पर्य है ? *2*

(ग) 'इन्द्रियग्राह्य' और 'समष्टि' शब्दों के अर्थ स्पष्ट कीजिए । *2*

https://www.upboardonline.com

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) अनिष्ट-अनिष्ठ *1*

(अ) बुरा और निष्ठा रहित

(ब) दूरस्थ और अविचल

(स) अनन्त और अन्तिम

(द) अतिरिक्त और कठोर

(ii) मात्र-मातृ *1*

(अ) मंत्र और मान्य

(ब) केवल और माता

(स) मलिन और मृदु

(द) मैत्री और मुग्ध

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी ***एक*** शब्द के दो अर्थ लिखिए : *1+1=2*

(i) तात

(ii) सुरभि

(iii) शिखा

(iv) मधु

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द का चयन करके लिखिए :

(i) जो कम बोलता हो *1*

(अ) असंवादी

(ब) मितभाषी

(स) बातूनी

(द) विवादी

(ii) जो बूढ़ा न हो *1*

(अ) अमर

(ब) अजर

(स) अनन्त

(द) अनश्वर

https://www.upboardonline.com

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : *1+1=2*

(i) मैं अनेकों बार दिल्ली जा चुका हूँ ।

(ii) सीता ने पुस्तक लिखा ।

(iii) गमला मेज में रखा है ।

(iv) मैं महेश को पढ़ाया हूँ ।

12. (क) 'करुण रस' **अथवा** 'शान्त रस' का स्थायी भाव के साथ उदाहरण अथवा परिभाषा लिखिए । *1+1=2*

(ख) 'अनुप्रास' **अथवा** 'उत्प्रेक्षा' अलङ्कार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए । *1+1=2*

(ग) 'चौपाई' **अथवा** 'दोहा' छन्द का लक्षण तथा उदाहरण लिखिए । *1+1=2*

13. बैंक-प्रबन्धक को शिक्षा ऋण के आवेदन के सम्बन्ध में पत्र लिखिए । *2+4=6*

अथवा

किसी पर्यटन-स्थल की यात्रा का वर्णन करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए । *6*

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी ***एक*** पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : *2+7=9*

(क) पर्यावरण संरक्षण का महत्त्व

(ख) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का महत्त्व

(ग) वर्तमान समय में नारी-शिक्षा

(घ) साहित्य और समाज का सम्बन्ध

(ङ) राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020

https://www.upboardonline.com

अनुक्रमांक .....

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8

नाम .....

102

302 (DI)

2024

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट]

[पूर्णांक : 100

निर्देश :

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं । दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

खण्ड क

1. (क) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने हिन्दी गद्य की प्रथम पुस्तक माना है : *1*

(i) 'नासिकेतोपाख्यान' को (ii) 'चंद छंद बरनन की महिमा' को

(iii) 'भाषा योगवाशिष्ठ' को (iv) 'सुखसागर' को

(ख) गुलाबराय की रचना 'मेरी असफलताएँ' की विधा है : *1*

(i) उपन्यास (ii) नाटक

(iii) निबन्ध (iv) कहानी

(ग) 'ब्राह्मण' पत्रिका के सम्पादक हैं : *1*

(i) बालकृष्ण भट्ट (ii) धर्मवीर भारती

(iii) कमलेश्वर (iv) प्रतापनारायण मिश्र

(घ) हजारी प्रसाद द्विवेदी का उपन्यास है : *1*

(i) 'त्यागपत्र' (ii) 'रंगभूमि'

(iii) 'पुनर्नवा' (iv) 'तट की खोज'

(ङ) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' की रचना है : *1*

(i) 'विचार-प्रवाह' (ii) 'माटी हो गई सोना'

(iii) 'परख' (iv) 'साहित्य और समाज'

https://www.upboardonline.com

2. (क) भारतेन्दुयुगीन कवि हैं : 1

(i) 'प्रेमघन' (ii) महादेवी वर्मा

(iii) भवानी प्रसाद मिश्र (iv) नरेन्द्र शर्मा

(ख) 'हुंकार' काव्य के रचयिता हैं : 1

(i) सुमित्रानन्दन पन्त (ii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन, 'अज्ञेय'

(iii) रामधारी सिंह 'दिनकर' (iv) मुक्तिबोध

(ग) प्रयोगवादी काव्यधारा के प्रमुख कवि हैं : 1

(i) केदारनाथ अग्रवाल (ii) त्रिलोचन

(iii) नागार्जुन (iv) शमशेर बहादुर सिंह

(घ) 'तीसरा सप्तक' का प्रकाशन वर्ष है : 1

(i) 1959 (ii) 1969

(iii) 1951 (iv) 1941

(ङ) 'पल्लव' से उद्धृत कविता 'परिवर्तन' के रचयिता हैं : 1

(i) महादेवी वर्मा (ii) सुमित्रानन्दन पन्त

(iii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (iv) जयशंकर प्रसाद

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×2=10

अशोक को जो सम्मान कालिदास से मिला, वह अपूर्व था । सुन्दरियों के आसिंजनकारी नूपुरवाले चरणों के मृदु आघात से वह फूलता था, कोमल कपोलों पर कर्णावतंस के रूप में झूलता था और चंचल नील अलकों की अचंचल शोभा को सौ गुना बढ़ा देता था । वह महादेव के मन में क्षोभ पैदा करता था, मर्यादा पुरुषोत्तम के चित्त में सीता का भ्रम पैदा करता था और मनोजन्मा देवता के एक इशारे पर कन्धे पर से ही फूट उठता था ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) संस्कृत के किस कवि ने अशोक को सम्मानित किया है ?

(घ) अशोक पर फूल आने के सम्बन्ध में लेखक के क्या विचार हैं ?

(ङ) आसिंजनकारी तथा कर्णावतंस के अर्थ लिखिए ।

अथवा

https://www.upboardonline.com

निन्दा कुछ लोगों की पूँजी होती है । बड़ा लम्बा-चौड़ा व्यापार फैलाते हैं वे इस पूँजी से । कई लोगों की प्रतिष्ठा ही दूसरों की कलंक-कथाओं के पारायण पर आधारित होती है । बड़े रस-विभोर होकर वे जिस-तिस की सत्य-कल्पित कलंक-कथा सुनाते हैं और स्वयं को पूर्ण संत समझने-समझाने की तुष्टि का अनुभव करते हैं ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के लेखक और पाठ का नाम लिखिए ।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) निन्दा किसकी पूँजी होती है ?

(घ) 'सत्य-कल्पित, कलंक-कथा' का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) कुछ लोगों की प्रतिष्ठा का आधार क्या होता है ?

4. दिए गए पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *5×2=10*

मेरे प्यारे नव जलद से कंज से नेत्र वाले ।
जाके आये न मधुवन से औ न भेजा सँदेसा ।
मैं रो-रो के प्रिय-विरह से बावली हो रही हूँ ।
जाके मेरी सब दुःख-कथा श्याम को तू सुना दे ॥

(क) प्रस्तुत पद्यांश का संदर्भ लिखिए ।

(ख) पवन-दूतिका द्वारा किसने किसको संदेश भेजा है ?

(ग) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(घ) प्रस्तुत पद्यांश में श्रीकृष्ण के सौन्दर्य का वर्णन किस प्रकार किया है ?

(ङ) प्रस्तुत पद्यांश में प्रयुक्त रस तथा उसका स्थायी भाव लिखिए ।

अथवा

मैं नीर भरी दुःख की बदली ।
स्पंदन में चिर निष्पंद बसा,
क्रंदन में आहत विश्व हँसा,
नयनों में दीपक से जलते
पलकों में निर्झरिणी मचली !

https://www.upboardonline.com

(क) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक एवं रचयिता का नाम लिखिए ।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) 'नयनों में दीपक से जलते' में कौन-सा अलङ्कार प्रयुक्त हुआ है ? स्पष्ट कीजिए ।

(घ) कवयित्री के निरन्तर रुदन का क्या कारण है ?

(ङ) उपर्युक्त पद्यांश में कवयित्री ने स्वयं को क्या बताया है ?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी *एक* लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) 3+2=5

(i) हरिशंकर परसाई

(ii) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी

(iii) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ख) निम्नलिखित में से किसी *एक* कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) 3+2=5

(i) मैथिलीशरण गुप्त

(ii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

(iii) 'अज्ञेय'

6. 'पञ्चलाइट' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) 5

अथवा

'बहादुर' कहानी की कथावस्तु का सार लिखिए । (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) 5

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी *एक* खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : 5
(अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द)

(क) (i) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(ii) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'हर्षवर्धन' का चरित्रांकन कीजिए ।

https://www.upboardonline.com

(ख) (i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

(ii) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

(ग) (i) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के षष्ठ सर्ग (नमक सत्याग्रह) की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

(ii) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गाँधी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(घ) (i) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर दशरथ की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । https://www.upboardonline.com

(ii) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'अयोध्या' सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

(ङ) (i) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'दुःशासन' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथासार लिखिए ।

(च) (i) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।

(ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' का चरित्राङ्कन कीजिए ।

खण्ड ख

8. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी *एक* का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : *2+5=7*

संस्कृतस्य साहित्यं सरसं, व्याकरणञ्च सुनिश्चितम् । तस्य गद्ये पद्ये च लालित्यं, भावबोधसामर्थ्यम्, अद्वितीय श्रुतिमाधुर्यञ्च वर्तते । किं बहुना चिरनिर्माणार्थं यादृशीं सत्प्रेरणां संस्कृतवाङ्मयं ददाति न तादृशीं किञ्चिदन्यत् । मूलभूतानां मानवीयगुणानां यादृशी विवेचना संस्कृतसाहित्ये वर्तते, नान्यत्र तादृशी ।

अथवा

महामना विद्वान् वक्ता, धार्मिको नेता, पटुः पत्रकारश्चासीत् । परमस्य सर्वोच्चगुणः जनसेवैव आसीत् । यत्र कुत्रापि. अयं जनान् दुःखितान् पीड्यमानांश्चापश्यत् तत्रैव सः शीघ्रमेव उपस्थितः सर्वविधं साहाय्यञ्च अकरोत् । प्राणिसेवा अस्य स्वभाव एवासीत् ।

https://www.upboardonline.com

(ख) निम्नलिखित संस्कृत श्लोकों में से किसी *एक* श्लोक का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : *2+5=7*

जलबिन्दुनिपातेन क्रमशः पूर्यते घटः ।
सः हेतुः सर्वविद्यानां धर्मस्य च धनस्य च ।।

अथवा

न मे रोचते भद्रं वः उलूकस्यभिषेचनम् ।
अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं क्रुद्धो भविष्यति ।।

9. निम्नलिखित लोकोक्तियों और मुहावरों में से किसी *एक* का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : *1+1=2*

(क) का वर्षा जब कृषि सुखाने

(ख) अधजल गगरी छलकत जाय

(ग) आग बबूला होना

(घ) आसमान टूट पड़ना

10. अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

आज से कई वर्ष पहले गुरुदेव के मन में आया कि शान्तिनिकेतन को छोड़कर कहीं अन्यत्र जाएँ । स्वास्थ्य बहुत अच्छा नहीं था । शायद इसलिए, या पता नहीं क्यों, तै पाया कि वे श्रीनिकेतन के पुराने तिमंजिले मकान में रहें । शायद मौज में आकर यह निर्णय लिया हो । वे सबसे ऊपर के तल्ले में रहने लगे । उन दिनों ऊपर तक पहुँचने के लिए लोहे की चक्करदार सीढ़ियाँ थी, और वृद्ध और क्षीणवपु रवीन्द्रनाथ के लिए उस पर चढ़ सकना असम्भव था । फिर भी बड़ी कठिनाई से उन्हें वहाँ ले जाया जा सका ।

(क) 'गुरुदेव' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है ? *1*

(ख) गुरुदेव ने शान्तिनिकेतन छोड़कर कहीं और रहने का मन क्यों बनाया ? *2*

(ग) उनके समीप तक पहुँचने में क्या कठिनाइयाँ थी ? *2*

https://www.upboardonline.com

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए : *1+1=2*

(i) अम्ब – अम्बु :

(अ) आम और बादल

(ब) माता और पानी

(स) माता और पिता

(द) इनमें से कोई नहीं

(ii) भवन – भुवन :

(अ) घर और संसार

(ब) लोक और परलोक

(स) ग्राम और जगत

(द) इनमें से कोई नहीं

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी *एक* शब्द के दो अर्थ लिखिए : *1+1=2*

(i) वारिद

(ii) द्विज

(iii) मित्र

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही शब्द का चयन करके लिखिए : *1+1=2*

(i) जिसका कहीं अन्त न हो :

(अ) अनेक

(ब) अनन्त

(स) अगण्य

(द) अभिन्न

(ii) कम बोलने वाला :

(अ) अमितभाषी

(ब) बहुभाषी

(स) मितभाषी

(द) मृदुभाषी

https://www.upboardonline.com

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : *1+1=2*

(i) पुत्री पराया धन होता है ।

(ii) आज मेरा बड़ा भाई आ गया ।

(iii) तुम मेरे को पुस्तक दे दो ।

(iv) मैं इस लड़के को पढ़ाया हूँ ।

12. (क) 'करुण' रस **अथवा** 'शान्त' रस का लक्षण बताते हुए उसका एक उदाहरण लिखिए । *1+1=2*

(ख) 'श्लेष' अलङ्कार **अथवा** 'उत्प्रेक्षा' अलङ्कार का लक्षण एवं एक उदाहरण लिखिए । *1+1=2*

(ग) 'चौपाई' **अथवा** 'दोहा' छन्द का लक्षण एवं एक उदाहरण लिखिए । *1+1=2*

13. 'छात्रावास की जीवन-शैली' विषय पर अपने मित्र को एक पत्र लिखिए । *2+4=6*

अथवा

विद्यालय में खेल-कूद की सामग्री की ओर ध्यान दिलाते हुए प्रधानाचार्य को एक प्रार्थना-पत्र लिखिए । *6*

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी *एक* पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : *2+7=9*

(क) भारत में कृषि क्रान्ति

(ख) भारतीय लोकतन्त्र का भविष्य

(ग) विज्ञान : वरदान या अभिशाप

(घ) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का महत्त्व

(ङ) मेरा प्रिय कवि/लेखक

https://www.upboardonline.com

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8

अनुक्रमांक .

नाम .....

102

302 (DJ)

2024

सामान्य हिन्दी

[पूर्णांक : 100

समय : तीन घण्टे 15 मिनट]

निर्देश :

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

खण्ड क

1. (क) 'हरिऔध' की 'ठेठ हिन्दी का ठाठ' कृति की विधा है : 1

(i) कहानी (ii) उपन्यास

(iii) जीवनी (iv) नाटक

(ख) 'भूले बिसरे चेहरे' कृति के लेखक हैं : 1

(i) वासुदेव शरण अग्रवाल (ii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(iii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' (iv) फणीश्वर नाथ रेणु

(ग) वासुदेव शरण अग्रवाल लेखक हैं : 1

(i) 'अकाल पुरुष गाँधी' के (ii) 'भारत की एकता' के

(iii) 'विवर्त' के (iv) 'धरती के फूल' के

(घ) आलोचना साहित्य 'कालिदास की लालित्य योजना' के लेखक हैं : 1

(i) हजारी प्रसाद द्विवेदी (ii) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी

(iii) हरिशंकर परसाई (iv) जयशंकर प्रसाद

(ङ) 'इन्द्रजाल' कहानी-संग्रह के लेखक हैं : 1

(i) जयशंकर प्रसाद (ii) विश्वम्भर नाथ शर्मा 'कौशिक'

(iii) सुदर्शन (iv) प्रेमचन्द

https://www.upboardonline.com

2. (क) सुमित्रानन्दन पन्त का काव्य-संकलन है : 1

(i) 'पांचजन्य' (ii) 'हिमकिरीटिनी'

(iii) 'रश्मि' (iv) 'वीणा'

(ख) 'प्रगतिवाद' युग के कवि हैं : 1

(i) महादेवी वर्मा (ii) 'नागार्जुन'

(iii) मैथिलीशरण गुप्त (iv) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(ग) प्रयोगवादी कवि *नहीं* हैं : 1

(i) प्रभाकर माचवे (ii) मुक्तिबोध

(iii) शिवमंगल सिंह 'सुमन' (iv) 'अज्ञेय'

(घ) मैथिलीशरण गुप्त की रचना है : 1

(i) 'भारत भारती' (ii) 'चित्राधार'

(iii) 'अनामिका' (iv) 'स्वर्णधूलि'

(ङ) 'महावृक्ष के नीचे' काव्यकृति है : 1

(i) धर्मवीर भारती की

(ii) गिरिजा कुमार माथुर की

(iii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' की

(iv) नरेन्द्र शर्मा की

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×2=10

यह अनुभव कितना चमत्कारी है कि यहाँ जो जितनी अधिक बूढ़ी है वह उतनी ही उत्फुल्ल, मुस्कानमयी है । यह किस दीपक की जोत है ? जागरूक जीवन की ! लक्ष्यदर्शी जीवन की ! सेवा-निरत जीवन की ! अपने विश्वासों के साथ एकाग्र जीवन की । भाषा के भेद रहे हैं, रहेंगे भी, पर यह जोत विश्व की सर्वोत्तम जोत है ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) गद्यांश का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।

(घ) कौन-सी ज्योति विश्व की सर्वोत्तम ज्योति है ?

(ङ) लेखक ने किसके मुस्कानमय जीवन का चित्रण किया है ?

अथवा

https://www.upboardonline.com

भाषा स्वयं संस्कृति का एक अटूट अंग है । संस्कृति परम्परा से निःसृत होने पर भी परिवर्तनशील और गतिशील है । उसकी गति विज्ञान की प्रगति के साथ जोड़ी जाती है । वैज्ञानिक आविष्कारों के प्रभाव के कारण उद्भूत नई सांस्कृतिक हलचलों को शाब्दिक रूप देने के लिए भाषा के परम्परागत प्रयोग पर्याप्त नहीं हैं । इसके लिए नये प्रयोगों की, नयी भाव-योजनाओं को व्यक्त करने के लिए नये शब्दों की खोज की महती आवश्यकता है ।

(क) पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए ।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) नए शब्दों की खोज क्यों आवश्यक है ?

(घ) संस्कृति का एक अटूट अंग क्या है ?

(ङ) किसके लिए भाषा के परम्परागत प्रयोग पर्याप्त नहीं हैं ?

4. दिए गए पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *5×2=10*

निरख सखी ये खंजन आये,
फेरे उन मेरे रंजन ने नयन इधर मन भाये ।
फैला उनके तन का आतप, मन में सर सरसाये,
घूमे वे इस ओर वहाँ, ये हंस यहाँ उड़ छाये ।
करके ध्यान आज इस जन का निश्चय ये मुसकाये,
फूल उठे हैं कमल, अधर-से यह बंधूक सुहाये ।
स्वागत, स्वागत, शरद, भाग्य से मैंने दर्शन पाये,
नभ ने मोती वारे, लो, ये अश्रु अर्घ्य भर लाये ।।

(क) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।
(ख) सखी को खंजन पक्षी दिखाने से क्या तात्पर्य है ?
(ग) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
(घ) कवि ने पद्यांश में किस ऋतु का वर्णन किया है ?
(ङ) 'नयन' और 'कमल' शब्द के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए ।

अथवा

https://www.upboardonline.com

कारा थी संस्कृति विगत, भित्ति
बहु धर्म-जाति-गति रूप-नाम,
बंदी जग-जीवन, भू विभक्त
विज्ञान-मूढ़, जन प्रकृति-काम,
आये तुम मुक्त पुरुष, कहते –
मिथ्या जड़ बन्धन, सत्यराम,
नानृतं जयति सत्यं, मा भैः,
जय ज्ञान-ज्योति, तुमको प्रणाम ।

(क) विगत संस्कृति में कौन-कौन सी दीवारें थीं ?

(ख) 'जड़बंधन मिथ्या है और राम सत्य है' यह उद्घोष करने कौन आया ?

(ग) 'नानृतं जयति सत्यं' का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

(घ) रेखांकित अंश का भावार्थ लिखिए ।

(ङ) कविता का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी ***एक*** लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) *3+2=5*

(i) वासुदेव शरण अग्रवाल

(ii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(iii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

(ख) निम्नलिखित में से किसी ***एक*** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) *3+2=5*

(i) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

(ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) महादेवी वर्मा

6. 'ध्रुवयात्रा' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) 5

अथवा

'लाटी' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए । 5

(अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी ***एक*** खण्ड काव्य के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : 5

(अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द)

(क) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का कथानक लिखिए ।

https://www.upboardonline.com

(ख) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर 'महात्मा गाँधी' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

(ग) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर दशरथ का चरित्राङ्कन कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'अयोध्या' सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

(घ) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'द्रोपदी' का चरित्राङ्कन कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

(ङ) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य का कथासार लिखिए ।

(च) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

खण्ड ख

8. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी *एक* का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : *2+5=7*

यथैवोपकरणवतां जीवनं तथैव ते जीवनं स्यात् । अमृतत्वस्य तु नाशास्ति वित्तेन इति । सा मैत्रेयी उवाच — येनाहं नामृता स्याम् किमहं तेन कुर्याम् । यदेव भगवान् केवल-अमृतत्वसाधनं जानाति, तदेव मे ब्रूहि । याज्ञवल्क्य उवाच — प्रिया न: सती त्वं प्रियं भाषसे ।

अथवा

अतीते प्रथमकल्पे चतुष्पदा: सिंहं राजानमकुर्वन् । मत्स्या आनन्दमत्स्यं, शकुनय: सुवर्णहंसम् । तस्य पुन: सुवर्णराजहंस्य दुहिता हंसपोतिका अतीव रूपवती आसीत् । स तस्यै वरमदात् यत् सा आत्मनश्चित्तरुचितं स्वामिनं वृणुयात् इति । हंसराज: तस्यै वरं दत्वा हिमवति शकुनिसङ्घे सन्यपतत् ।

https://www.upboardonline.com

(ख) निम्नलिखित श्लोकों में से किसी *एक* का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2+5=7

अभूत् प्राची पिङ्गा रसपतिरिव प्राप्य कनकं
गतश्छायोचन्द्रो बुधजन इव ग्राम्यसदसि ।
क्षणं क्षीणस्तारा नृपतय इवानुद्यमपराः ।
न दीपा राजन्ते द्रविणरहितानामिव गुणाः ।।

अथवा

निन्दन्तु नीतिनिपुणाः यदि वा स्तुवन्तु
लक्ष्मीः समाविशतु गच्छतु वा यथेष्टम् ।
अद्यैव वा मरणमस्तु युगान्तरे वा ।
न्याय्यात् पथः प्रविचलन्ति पदं न धीराः ।।

9. निम्नलिखित लोकोक्तियों और मुहावरों में से किसी *एक* का अर्थ लिखते हुए अपने शब्दों में वाक्य प्रयोग कीजिए : https://www.upboardonline.com 1+1=2

(क) अपनी-अपनी डफली अपना-अपना राग

(ख) समरथ को नहिं दोष गोसाईं

(ग) लकीर का फकीर होना

(घ) लोहे के चने चबाना

10. अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

आज़ाद भारत में दुर्गा भाभी को उपेक्षा और सम्मान दोनों प्राप्त हुए । सरकारों ने उन्हें पैसों से तोलना चाहा । कतिपय वर्ष पूर्व उनके सम्मान में आयोजित एक समारोह में तत्कालीन मुख्यमंत्री ने उन्हें 51 हजार रुपए भेंट किए । भाभी ने वे रुपए वहीं वापस कर दिए । उन्होंने कहा कि 'जब हम स्वाधीनता के लिए संग्राम कर रहे थे, उस समय किसी व्यक्तिगत लाभ की आकांक्षा नहीं थी, केवल स्वाधीनता प्राप्ति लक्ष्य था ।' इस धन से यहाँ शहीदों का एक बड़ा स्मारक बनाया जाए ।

(i) स्वतन्त्र भारत में दुर्गा भाभी का सम्मान किस प्रकार किया गया ? 1

(ii) स्वाधीनता संग्राम में भाग लेने का लक्ष्य क्या था ? 2

(iii) दुर्गा को सम्मान में जो धन भेंट किया गया उसे किस हेतु प्रयोग करने के लिए लौटा दिया गया ? 2

https://www.upboardonline.com

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) शूर-सुर 1

(अ) कायर और योद्धा

(ब) वीर और देवता

(स) बहादुर और निशिचर

(द) योद्धा और दुर्बल

(ii) भवन-भुवन 1

(अ) संसार और घर

(ब) घर और नगर

(स) घर और संसार

(द) ग्राम और जगत

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी *एक* शब्द के दो अर्थ लिखिए : 1+1=2

(i) विधि

(ii) वारिद

(iii) द्विज

(iv) सुरभि

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही शब्द का चयन करके लिखिए :

(i) जिसके समान कोई दूसरा न हो 1

(अ) अद्वितीय

(ब) अनुकरणीय

(स) अकिंचन

(द) अगण्य

(ii) जो सब कुछ जानता हो 1

(अ) विज्ञ

(ब) अज्ञ

(स) साक्षर

(द) सर्वज्ञ

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 1+1=2

(i) आज मेरा बड़ा भाई आ गया ।

(ii) राधा ने पत्र पढ़ी ।

(iii) मेरे को फल ले आओ ।

(iv) उपरोक्त कथन सही है ।

https://www.upboardonline.com

12. (क) 'शृंगार' रस **अथवा** 'शान्त' रस का लक्षण और एक उदाहरण लिखिए । 1+1=2

(ख) 'अनुप्रास' अलङ्कार **अथवा** 'रूपक' अलङ्कार का लक्षण और एक उदाहरण लिखिए । 1+1=2

(ग) 'दोहा' छन्द **अथवा** 'चौपाई' छन्द का लक्षण और उदाहरण लिखिए । 1+1=2

13. अपनी गली/मोहल्ले की नालियों की समुचित सफाई हेतु नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए । 6

अथवा

अपने प्रधानाचार्य को छात्रवृत्ति के लिए एक आवेदन-पत्र लिखिए । 6

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी *एक* पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 2+7=9

(क) राष्ट्रीय एकता – वर्तमान समय की अनिवार्य आवश्यकता

(ख) बढ़ती जनसंख्या तथा रोज़गार की समस्या

(ग) मेरा प्रिय साहित्यकार

(घ) कृषक-जीवन की त्रासदी

(ङ) पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता

https://www.upboardonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

https://www.upboardonline.com

अनुक्रमांक

नाम

102

302(DK)

2024

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र **दो भागों – खण्ड 'क'** तथा **खण्ड 'ख'** में विभाजित है ।

ii) दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(खण्ड-क)

1. क) 'आचरण की सभ्यता' के लेखक हैं

i) रामचन्द्र शुक्ल ii) महावीर प्रसाद द्विवेदी

iii) सम्पूर्णानन्द iv) अध्यापक पूर्ण सिंह 1

ख) 'चिंतामणि' निबन्ध-संग्रह के लेखक हैं

i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ii) महावीर प्रसाद द्विवेदी

iii) रामचन्द्र शुक्ल iv) हजारी प्रसाद द्विवेदी 1

ग) 'उसने कहा था' कहानी के लेखक हैं

i) जयशंकर प्रसाद ii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

iii) चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' iv) महावीर प्रसाद द्विवेदी 1

घ) 'राष्ट्र का स्वरूप' निबन्ध वासुदेवशरण अग्रवाल के किस निबन्ध-संग्रह से लिया गया है ?

i) भारत की एकता ii) पृथिवी पुत्र

iii) कल्पवृक्ष iv) कला और संस्कृति 1

ङ) 'बहादुर' कहानी के लेखक हैं

i) फणीश्वर नाथ रेणु ii) मुंशी प्रेमचन्द

iii) जैनेन्द्र कुमार iv) अमरकान्त 1

https://www.upboardonline.com

2. क) उर्मिला का विरह वर्णन 'साकेत' महाकाव्य के किस सर्ग में है ?

i) चतुर्थ सर्ग में ii) नवम सर्ग में

iii) पंचम सर्ग में iv) तृतीय सर्ग में 1

ख) 'कुकुरमुत्ता' के रचयिता हैं

i) महादेवी वर्मा ii) भवानी प्रसाद मिश्र

iii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' iv) जयशंकर प्रसाद 1

ग) 'पलाशवन' काव्य-संकलन के प्रणेता हैं

i) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' ii) जगन्नाथ दास 'रत्नाकर'

iii) जयशंकर प्रसाद iv) नरेन्द्र शर्मा 1

घ) निम्नलिखित में से कौन-सा कवि छायावाद का नहीं है ?

i) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' ii) जयशंकर प्रसाद

iii) महादेवी वर्मा iv) 'अज्ञेय' 1

ङ) 'निशा निमंत्रण' के रचनाकार हैं

i) धर्मवीर भारती ii) मैथिलीशरण गुप्त

iii) हरिवंशराय 'बच्चन' iv) जयशंकर प्रसाद 1

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 2 = 10$

भाषा स्वयं संस्कृति का एक अटूट अंग है । संस्कृति परम्परा से निःसृत होने पर भी परिवर्तनशील और गतिशील है । उसकी गति विज्ञान की प्रगति के साथ जोड़ी जाती है । वैज्ञानिक आविष्कारों के प्रभाव के कारण उद्भूत नयी सांस्कृतिक हलचलों को शाब्दिक रूप देने के लिये भाषा के परम्परागत प्रयोग पर्याप्त नहीं हैं । इसके लिये नये प्रयोगों की, नयी भाव-योजनाओं को व्यक्त करने के लिए नये शब्दों की खोज की महती आवश्यकता है ।

i) पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) नये शब्दों की खोज क्यों आवश्यक है ?

iv) संस्कृति का एक अटूट अंग क्या है ?

v) किसके लिए भाषा के परम्परागत प्रयोग पर्याप्त नहीं हैं ?

अथवा

https://www.upboardonline.com

पृथ्वी और आकाश के अंतराल में जो सामग्री भरी है, पृथ्वी के चारों ओर फैले हुए गंभीर सागर में जो जलचर एवं रत्नों की राशियाँ हैं, उन सबके प्रति चेतना और स्वागत के नये भाव राष्ट्र में फैलने चाहिए । राष्ट्र के नवयुवकों के हृदय में उन सबके प्रति जिज्ञासा की नयी किरणें जब तक नहीं फूटती हैं, तब तक हम सोये हुए के समान हैं । विज्ञान और उद्यम दोनों को मिलाकर राष्ट्र के भौतिक स्वरूप का एक नया ठाट खड़ा करना है । यह कार्य प्रसन्नता, उत्साह और अथक परिश्रम द्वारा नित्य आगे बढ़ाना चाहिए । हमारा यह ध्येय हो कि राष्ट्र में जितने हाथ हैं, उनमें से कोई भी इस कार्य में भाग लिये बिना रीता न रहे ।

i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) राष्ट्रीय चेतना में भौतिक ज्ञान-विज्ञान के महत्व को लिखिए ।

iv) लेखक ने राष्ट्र की सुप्त अवस्था कब तक स्वीकार की है ?

v) विज्ञान और श्रम के संयोग से राष्ट्र प्रगति के पथ पर कैसे अग्रसर हो सकता है ?

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 2 = 10$

कोई प्यारा कुसुम कुम्हला गेह में जो पड़ा हो

तो प्यारे के चरण पर ला डाल देना उसी को

यों देना ऐ पवन बतला फूल-सी एक बाला

म्लान हो हो कमल पग को चूमना चाहती है

i) उपर्युक्त पद्यांश का सदंर्भ लिखिए ।

ii) प्रस्तुत पद्यांश में राधा ने अपनी तुलना किससे की है ?

iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iv) श्रीकृष्ण के कमलवत् चरणों को कौन चूमना चाहता है ?

v) राधा पवन दूतिका से मुरझाये हुए पुष्प के माध्यम से क्या संदेश देना चाहती है ?

अथवा

https://www.upboardonline.com

सावधान मनुष्य ! यदि विज्ञान है तलवार
तो इसे दे फेंक तजकर मोह स्मृति के पार ।
हो चुका है सिद्ध है तू शिशु अभी नादान
फूल काँटों की तुझे कुछ भी नहीं पहचान ।
खेल सकता तू नहीं ले हाथ में तलवार
काट लेगा अंग तीखी है बड़ी यह धार ।

i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) कवि ने वैज्ञानिक युग के मानव को क्या चेतावनी दी है ?

iv) पद्य में फूल और काँटों से क्या तात्पर्य है ?

v) कवि ने 'विज्ञान-तलवार' के प्रयोग करने से क्यों मना किया है ?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

i) हजारी प्रसाद द्विवेदी

ii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

iii) हरिशंकर परसाई ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

i) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

ii) मैथिलीशरण गुप्त

iii) रामधारी सिंह 'दिनकर' ।

6. 'लाटी' अथवा 'ध्रुवयात्रा' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

अथवा

'पंचलाइट' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

https://www.upboardonline.com

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी **एक** खण्ड के **एक** प्रश्न का उत्तर दें ।
(अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

i) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर दशरथ का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

iii) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथा संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'हर्षवर्द्धन' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

iv) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य का नायक कौन है ? उसका चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' के कथानक पर प्रकाश डालिए ।

v) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'द्रौपदी' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

vi) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर 'गाँधीजी' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथा संक्षेप में लिखिए ।

(खण्ड-ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिये : 2 + 5 = 7

मयूरः अद्यापि तावन्मे बलं न पश्यसि इति अतिगर्वेण लज्जाञ्च त्यक्त्वा तावन्महतः शकुनि संघस्य मध्ये पक्षौ प्रसार्य नर्तितुमारब्धवान् चा प्रतिच्छन्नोऽभूत् । सुर्वणराजहंसः लज्जितः – अस्य नैव हीः अस्ति न बर्हाणां समुत्थाने लज्जा । नास्यैगतत्रपाय स्वदुहितरं दास्यामि इत्य कथयत् ।

अथवा

महामना विद्वान् वक्ता, धार्मिको नेता, पटुः पत्रकारश्चासीत् । परमस्य सर्वोच्चगुणः जनसेवैव आसीत् । यत्र कुत्रापि अयं जनान् दुःखितान् पीड्यमानांश्चापश्यत् तत्रैव सः शीघ्रमेव उपस्थितः सर्वविधं साहाय्यञ्च अकरोत् । प्राणिसेवा अस्य स्वभाव एवासीत् ।

अद्यास्माकं मध्येऽनुपस्थितोऽपि महामना मालवीयः स्वयशसोऽमूर्तरूपेण प्रकाशं वितरन् अन्धे तमसि निमग्नान् जनान् सन्मार्गं दर्शयन् स्थाने स्थाने जने जने उपस्थित एव ।

https://www.upboardonline.com

(ख) दिये गये पद्यांशों में से किसी **एक** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

जयन्ति ते महाभागा जनसेवा परायणाः ।
जरामृत्युभयं नास्ति येषां कीर्ति तनोः क्वचित् ।

अथवा

न मे रोचते भद्रं वः उलूकस्याभिषेचनम् ।
अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं क्रुद्धो भविष्यति ।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी **एक** का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) ईंट से ईंट बजाना
(ii) अंग अंग ढीला होना
(iii) आँखें चार होना
(iv) समरथ को नहिं दोष गुसाईं ।

10. अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

हमारी सांस्कृतिक अस्मिता का ह्रास तो हो रहा है, हम लक्ष्य-भ्रम से भी पीड़ित हैं । विकास के विराट उद्देश्य पीछे हट रहे हैं, हम झूठी तुष्टि के तात्कालिक लक्ष्यों का पीछा कर रहे हैं । मर्यादायें टूट रही हैं । नैतिक मानदंड ढीले पड़ रहे हैं । व्यक्ति केन्द्रिकता बढ़ रही है । स्वार्थ परमार्थ पर हावी हो रहा है । भोग की आकांक्षायें आसमान को छू रही हैं । उपभोक्ता संस्कृति हमारी सामाजिक नींव को हिला रही है । https://www.upboardonline.com

(i) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए । 2
(ii) उपभोक्ता संस्कृति का अर्थ स्पष्ट कीजिए । 2
(iii) हमारे लक्ष्य भ्रम से पीड़ित क्यों हैं ? 1

अथवा

किसी देश की उन्नति अथवा अवनति वहाँ के नारी समाज पर निर्भर करती है । जिस देश की नारी जाग्रत, शिक्षित तथा गुणवती होती है - वही देश संसार में सबसे अधिक उन्नत समझा जाता है । इस दृष्टिकोण से भारत के वैदिक युग में नारी का महत्वपूर्ण स्थान था । उस समय भारत सब देशों का सिरमौर माना जाता था । सरस्वती, लक्ष्मी और दुर्गा आदि देवियाँ विद्या, धन और शक्ति की प्रतीक मानी जाती थीं । जीवन के लिए भी ये तीनों ही महत्वपूर्ण साधन हैं । ये नारी रूपी देवियों की कृपा से ही प्राप्त हो सकते थे । अतः भारतवर्ष में सर्वत्र देवियों का पूजन होता था । मनु ने तो यहाँ तक कह दिया कि जिस घर में नारी को सम्मान नहीं मिलेगा उसको कभी ऋद्धि-सिद्धि प्राप्त नहीं हो सकती ।

(i) जीवन के लिए कौन से साधन महत्वपूर्ण बताये गये हैं ? 1
(ii) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक निर्धारित कीजिए । 2
(iii) भारत में नारी का महत्वपूर्ण स्थान किस काल में था ? 2

https://www.upboardonline.com

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) मनोज-मनोज्ञ -

(अ) मन का ओज-मन का ज्ञान (ब) मनुष्य का जन्म-मन की सुन्दरता

(स) कामदेव-सुन्दर (द) मन के अनुसार-मन की बात जाननेवाला 1

(ii) शूर-सुर -

(अ) अन्धा-स्वर (ब) वीर-देवता

(स) सोया हुआ-संगीत (द) विद्वान्-देवता 1

(ख) निम्नलिखत शब्दों में से किसी **एक** शब्द के दो सही अर्थ लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) नाक (ii) वारिद

(iii) पयोधर (iv) अर्क ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही शब्द का चयन करके लिखिए :

(i) किये हुये उपकार को माननेवाला -,

(अ) परोपकारी (ब) सज्जन

(स) कृतज्ञ (द) महापुरुष 1

(ii) जो किये गये उपकार को न मानता हो -

(अ) अपकारी (ब) दुष्ट

(स) कृतघ्न (द) हानिप्रद 1

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) मोहन ने अलमारी खरीदा ।

(ii) अध्यापक ने हमसे निबन्ध लिखाया ।

(iii) शिक्षक ने क्षात्र की प्रशंसा की ।

(iv) महादेवी वर्मा कवियित्री थीं ।

12. (क) 'वीर' रस **अथवा** 'हास्य' रस की परिभाषा लिखते हुए एक उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ख) 'उपमा' अलंकार **अथवा** 'श्लेष' अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ग) 'दोहा' छन्द **अथवा** 'कुण्डलिया' छन्द का मात्रा सहित लक्षण उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

https://www.upboardonline.com

13. विद्यालय के प्रधानाचार्य को शिक्षक पद पर अपनी नियुक्ति हेतु (योग्यता सहित) आवेदन-पत्र लिखिए । 6

अथवा

विद्यालय में खेलकूद की सामग्री की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए प्रधानाचार्य को एक प्रार्थना-पत्र लिखिए ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 2 + 7 = 9

(i) आतंकवाद की समस्या-कारण और निवारण

(ii) पर्यावरण प्रदूषण के निराकरण के उपाय

(iii) विज्ञान वरदान है या अभिशाप

(iv) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का महत्व

(v) मेरा प्रिय खेल ।

302(DK) - 2,73,000

https://www.upboardonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

https://www.upboardonline.com

अनुक्रमांक ..

नाम .....

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8

102

302(DL)

2024

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो भागों – खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख' में विभाजित है ।

ii) दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(खण्ड–क)

1. क) 'ज्ञानोदय' पत्रिका के सम्पादक थे

i) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' ii) बालकृष्ण भट्ट

iii) प्रतापनारायण मिश्र iv) कार्तिक प्रसाद खत्री । 1

ख) द्विवेदी-युग के लेखक हैं

i) सदल मिश्र ii) मोहन राकेश

iii) अध्यापक पूर्ण सिंह iv) रामचन्द्र शुक्ल 1

ग) 'ध्रुवस्वामिनी' किस विधा की रचना है ?

i) कहानी ii) नाटक

iii) उपन्यास iv) आत्मकथा 1

घ) 'विकलांग श्रद्धा का दौर' निबन्ध-संग्रह के लेखक हैं

i) डॉ० नगेन्द्र ii) हरिशंकर परसाई

iii) जैनेन्द्र कुमार iv) हजारी प्रसाद द्विवेदी 1

ङ) हिन्दी के प्रथम डायरी लेखक हैं

i) धीरेन्द्र वर्मा ii) सुन्दरलाल त्रिपाठी

iii) घनश्यामदास बिड़ला iv) नरदेव शास्त्री 'वेदतीर्थ' 1

https://www.upboardonline.com

2. क) भारतेन्दुयुगीन कवि है

i) जयशंकर प्रसाद ii) भवानी प्रसाद मिश्र

iii) मैथिलीशरण गुप्त iv) प्रताप नारायण मिश्र 1

ख) छायावाद युग की कृति है

i) 'साकेत' ii) 'कामायनी'

iii) 'प्रिय प्रवास' iv) 'रामचन्द्रिका' 1

ग) 'पवन-दूतिका' काव्यांश के रचयिता हैं

i) महादेवी वर्मा ii) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

iii) जयशंकर प्रसाद iv) सुमित्रा नन्दन पन्त 1

घ) प्रयोगवाद की प्रमुख विशेषता नहीं है

i) अति बौद्धिकता ii) व्यक्तिवाद

iii) प्रकृति का मानवीकरण iv) उपमानों-प्रतीकों की नवीनता 1

ङ) 'समन्वय' पत्रिका के सम्पादक रहे हैं

i) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' ii) महावीर प्रसाद द्विवेदी

iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र iv) धर्मवीर भारती 1

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

जन का प्रवाह अनंत होता है । सहस्रों वर्षों से भूमि के साथ राष्ट्रीय जन ने तादात्म्य प्राप्त किया है, । जब तक सूर्य की रश्मियाँ नित्य प्रातःकाल भुवन को अमृत से भर देती हैं तब तक राष्ट्रीय जन का जीवन भी अमर है । इतिहास के अनेक उतार-चढ़ाव पार करने के बाद भी राष्ट्र-निवासी जन नई उठती लहरों से आगे बढ़ने के लिए आज भी अजर-अमर हैं । जन का संततवाही जीवन नदी के प्रवाह की तरह है, जिसमें कर्म और श्रम द्वारा उत्थान के अनेक घाटों का निर्माण करना होता है ।

i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) राष्ट्र-निवासी जन ने किसके साथ तादात्म्य स्थापित किया है ?

iv) प्रस्तुत गद्यांश लेखक की किस गद्य विधा की रचना है ?

v) 'संततवाही' और 'रश्मियाँ' का शब्दार्थ लिखिए ।

अथवा

https://www.upboardonline.com

न्यूनतम में गुजारा करने और जीवन के बिताने में भी निश्चित रूप से कोई हर्ज नहीं है । महात्मा गाँधी ने ऐसा ही जीवन जिया था, लेकिन जैसा कि उनके साथ था, आपके मामले में भी यह आपकी पसंद पर निर्भर करता है । आपकी ऐसी जीवन-शैली इसलिए है क्योंकि इससे वे तमाम जरूरतें पूरी होती हैं जो आपके भीतर की गहराइयों से उपजी होती हैं । लेकिन त्याग की प्रतिमूर्ति बनना और जोर-जबरदस्ती से चुनना-सहने का गुणगान करना अलग बातें हैं । हमारी युवा शक्ति से सम्पर्क करने के मेरे फैसले का आधार भी यही रहा है ।

i) दिये गये गद्यांश के शीर्षक एवं लेखक का नामोल्लेख कीजिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) मनुष्य को सदैव किस प्रकार की जीवन शैली अपनाना चाहिए ?

iv) लेखक महात्मा गाँधी के जीवन का उदाहरण देकर क्या स्पष्ट करना चाहता है ?

v) प्रस्तुत गद्यांश के माध्यम से लेखक क्या सन्देश देना चाहता है ?

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

अपने जीवन का रस देकर जिसको यत्नों से पाला है –
क्या वह केवल अवसाद-मलिन झरते आँसू की माला है ?
वे रोगी होंगे प्रेम जिन्हें अनुभव-रस का कटु प्याला है –
वे मुर्दे होंगे प्रेम जिन्हें सम्मोहनकारी हाला है

i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक एवं कवि का नाम लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) कवि ने किन्हें मुर्दा कहा है ?

iv) 'अवसाद' और 'सम्मोहन' शब्दों के अर्थ लिखिए ।

v) कवि के अनुसार जीवन की सार्थकता किसमें निहित है ?

अथवा

https://www.upboardonline.com

जो प्यारे मंजु उपवन या वाटिका में खड़े हों ।
छिद्रों में जा क्वणित करना वेणु-सा कीचकों को ।
यों होवेगी सुरति उनको सर्व गोपांगना की ।
जो हैं वंशी श्रवण-रुचि से दीर्घ उत्कंठ होतीं ।।
ला के फूले कमल दल को श्याम के सामने ही ।
थोड़ा-थोड़ा विपुल जल में व्यग्र हो हो डुबाना ।
यों देना ऐ भगिनी जतला एक अंभोजनेत्रा ।
आँखों को हो विरह-विधुरावारि में बोरती है ।।

i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) उपर्युक्त पद्यांश के आधार पर राधा श्रीकृष्ण को पवन दूतिका से अपनी याद किस प्रकार दिलाने को कहती है ?

iv) 'भगिनी' और 'कीचक' के शब्दार्थ लिखिए ।

v) 'वेणु-सा' शब्द में प्रयुक्त अलंकार लिखिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

i) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

ii) हरिशंकर परसाई

iii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

i) महादेवी वर्मा

ii) मैथिलीशरण गुप्त

iii) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' ।

6. 'लाटी' अथवा 'पंचलाइट' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

अथवा

'ध्रुवयात्रा' कहानी के उद्देश्य की विवेचना कीजिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

https://www.upboardonline.com

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दें ।
(अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर इसके नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'द्रौपदी-चीर हरण' की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर उसकी नायिका का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

iii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कुन्ती' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के पंचम सर्ग की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए ।

iv) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के किस सर्ग में 'नमक सत्याग्रह' का वर्णन है ? उस सर्ग का कथासार प्रस्तुत कीजिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' में कौन-सा चरित्र आपको सर्वाधिक प्रभावित करता है और क्यों करता है ? उसकी प्रमुख चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए । https://www.upboardonline.com

v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'त्यागपथी' के आधार पर उसके प्रमुख नारी पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'सन्देश' सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर दशरथ का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(खण्ड-ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिये : 2 + 5 = 7

संस्कृतस्य साहित्यं सरसं, व्याकरणञ्च सुनिश्चितम् । तस्य गद्ये पद्ये च लालित्यं, भावबोधसामर्थ्यम् अद्वितीयं श्रुति माधुर्यञ्च वर्तते । किं बहुना चरित्रनिर्माणार्थं यादृशीं सत्प्रेरणां संस्कृत वाङ्मयं ददाति न तादृशीं किञ्चिदन्यत् । मूलभूतानां मानवीय गुणानां यादृशी विवेचना संस्कृतसाहित्ये वर्तते, नान्यत्र तादृशी । दया, दानं, शौचं, औदार्यम्, अनुसूया, क्षमा, अन्ये चानेके गुणाः अस्य साहित्यस्य अनुशीलनेन सञ्जायन्ते ।

अथवा

https://www.upboardonline.com

महापुरुषाः लौकिक-प्रलोभनेषु बद्धाः नियतलक्ष्यान्न कदापि भ्रश्यन्ति । देशसेवानुरक्तोऽयं युवा उच्चन्यायालयस्य परिधौ स्थातुं नाशक्नोत् । पण्डित मोतीलाल नेहरू-लालालाजपत राय प्रभृतिभिः अन्यैः राष्ट्रनायकैः सह सोऽपि देशस्य स्वतन्त्रतासंग्रामेऽवतीर्णः । देहल्यां त्रयोविंशति तमे कांग्रेसस्याधिवेशनेऽयम् अध्यक्षपदमलङ्कृतवान् ।

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

सुखार्थिनः कुतो विद्या कुतो विद्यार्थिनः सुखम् ।
सुखार्थी वा त्यजेद् विद्यां विद्यार्थी वा त्यजेत् सुखम् ।।

अथवा

न मे रोचते भद्रं वः उलूकस्याभिषेचनम् ।
अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं क्रुद्धो भविष्यति ।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) आँखों में खून उतर आना
(ii) अपनी अपनी ढफली अपना अपना राग
(iii) ईंट से ईंट बजाना
(iv) आगे नाथ न पाछे पगहा ।

10. अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1 + 2 + 2 = 5

यह सत्य है कि उम्र के अन्तिम पड़ाव पर वरिष्ठ नागरिकों की अपनी अनेक शारीरिक व्याधियाँ सिर उठा लेती हैं, परन्तु यह उनकी वास्तविक समस्या नहीं है । उनकी वास्तविक समस्या मानसिक है । यह मान लिया जाता है कि अब व्यक्ति शारीरिक और मानसिक श्रम के योग्य नहीं रहा, चाहे वह स्वस्थ ही क्यों न हो । जैसे ही व्यक्ति की आर्थिक उपयोगिता में कमी आती है, वह सामाजिक रूप से भी अनुपयोगी मान लिया जाता है । वह समाज एवं परिवार की नज़रों में 'बोझ', 'अनुपयोगी' तथा 'फालतू' मानने से उसे मानसिक पीड़ा होती है ।

(i) वरिष्ठ नागरिकों की वास्तविक समस्या क्या है ?
(ii) वरिष्ठ नागरिक को सामाजिक रूप से अनुपयोगी क्यों मान लिया जाता है ?
(iii) वरिष्ठ नागरिक को क्या-क्या मानने से मानसिक पीड़ा होती है ?

अथवा

https://www.upboardonline.com

भाषा संस्कृति की संरक्षक एवं वाहक होती है । भाषा की गरिमा नष्ट होने से उस स्थान की सभ्यता और संस्कृति पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है । प्रत्येक देश की पहचान का एक मजबूत आधार उसकी अपनी भाषा होती है, जो अधिक से अधिक व्यक्तियों द्वारा बोली जानेवाली भाषा के रूप में व्यापक विचार-विनिमय का माध्यम बनकर ही राष्ट्रभाषा (यहाँ राष्ट्रभाषा का तात्पर्य है - पूरे देश की भाषा) का पद ग्रहण करती है । राष्ट्रभाषा के द्वारा आपस में सम्पर्क बनाए रखकर देश की एकता एवं अखण्डता को भी कायम रखा जा सकता है । हिन्दी देश की सम्पर्क भाषा तो है ही, इसे राजभाषा का वास्वतिक सम्मान भी दिया जाना चाहिए ।

(i) संरक्षक और 'वाहक' शब्दों के अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

(ii) लेखक के अनुसार राष्ट्रभाषा से क्या तात्पर्य है ?

(iii) देश की एकता और अखण्डता बनाए रखने के लिए क्या आवश्यक है ?

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) मेघ-मेध -

(अ) बादल और कील (ब) बादल और यज्ञ

(स) काला और बुद्धि (द) बादल और चर्बी 1

(ii) निर्वाण-निर्माण -

(अ) मृत्यु और बनावट (ब) वाण रहित और माण रहित

(स) मोक्ष और रचना (द) रचना और मोक्ष 1

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो सही अर्थ लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) पंचानन (ii) अज

(iii) कौशिक ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही 'शब्द' चयन करके लिखिए :

(i) जिसके पास कुछ न हो -

(अ) अकिंचन (ब) गरीब

(स) भिक्षुक (द) तुच्छ 1

(ii) वह पत्र, जिसमें किसी को कोई काम करने का अधिकार दिया गया हो —

(अ) अनुमतिपत्र (ब) आज्ञापत्र

(स) अधिपत्र (द) परिपत्र

https://www.upboardonline.com

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) याज्ञवल्क ने कहा कि आत्म ज्ञानी ही सर्वज्ञ होता है ।

(ii) उसने कहा कि मैं चार भाई हैं ।

(iii) आपकी पुत्री प्रज्ञा गुणवान महिला है ।

(iv) प्रेम करना तलवार की नोक पर चलना है ।

12. (क) 'हास्य' रस **अथवा** 'वीर' रस का स्थायी भाव के साथ उदाहरण अथवा परिभाषा लिखिए । 1 + 1 = 2

(ख) 'यमक' अलंकार **अथवा** 'भ्रान्तिमान' अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ग) 'चौपाई' छन्द **अथवा** 'कुण्डलिया' छन्द का लक्षण सहित एक उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

13. दैनिक समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापन के आधार पर संविदा पर लेखपाल पद की नियुक्ति हेतु अपने जनपद के जिला अधिकारी को एक आवेदन-पत्र लिखिए । 2 + 4 = 6

अथवा

अपनी गली की नालियों की समुचित सफाई के लिए नगर-निगम के स्वास्थ्य अधिकारी व प्रार्थना-पत्र लिखिए ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 2 + 7 =

(i) मानव कल्याण में रोबोट (यंत्र मानव) की भूमिका ।

(ii) नयी शिक्षा नीति-2020 की प्रमुख विशेषताएँ

(iii) विद्यालय में पुस्तकालय का महत्व

(iv) भारतीय चुनाव प्रणाली ।

302(DL) - 2,73,000

https://www.upboardonline.com

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8

अनुक्रमांक .....

नाम .....

102 **302(DM)**

2024

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र **दो भागों – खण्ड 'क'** तथा **खण्ड 'ख'** में विभाजित है ।

ii) दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(खण्ड–क)

1. क) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने हिन्दी साहित्य का प्रथम मौलिक उपन्यास निम्न में से किसको माना है ?

i) 'परीक्षा गुरु' को ii) 'भाग्यवती' को

iii) 'चन्द्रकान्ता सन्तति' को iv) 'अनामदास का पोथा' को 1

ख) नाटक नहीं है

i) राजमुकुट ii) गरुडध्वज

iii) अपना अपना भाग्य iv) आन का मान 1

ग) स्वामी दयानन्द सरस्वती की रचना है

i) भूदान यज्ञ ii) भोर का तारा

iii) सत्यार्थ प्रकाश iv) भारत–भारती 1

घ) 'महके आँगन चहके द्वार' के रचनाकार हैं

i) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' ii) प्रताप नारायण मिश्र

iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र iv) मुंशी प्रेमचन्द 1

ङ) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी द्वारा लिखित निबन्ध है

i) आधुनिक भाषा ii) समाज एवं भाषा

iii) भाषा और आधुनिकता iv) भाषा का महत्व 1

https://www.upboardonline.com

2. क) 'भारतेन्दु युग' से सम्बन्धित नहीं है

i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ii) बालकृष्ण भट्ट

iii) प्रताप नारायण मिश्र iv) महावीर प्रसाद द्विवेदी 1

ख) 'राम की शक्ति पूजा' के रचनाकार हैं

i) मैथिलीशरण गुप्त ii) राम नरेश त्रिपाठी

iii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' iv) महादेवी वर्मा 1

ग) 'धर्म के प्रति अनास्था' तथा 'शोषक वर्ग के प्रति घृणा' किस वाद की प्रमुख विशेषता है ?

i) प्रगतिवाद ii) छायावाद

iii) नयी कविता iv) प्रयोगवाद 1

घ) 'चिदंबरा' के रचनाकार हैं

i) महादेवी वर्मा ii) मैथिलीशरण गुप्त

iii) सुमित्रानन्दन पन्त iv) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र 1

ङ) 'अभिनव मनुष्य' काव्यांश के रचनाकार हैं

i) नरेन्द्र शर्मा ii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

iii) धर्मवीर भारती iv) जयशंकर प्रसाद 1

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 2 = 10$

निंदा का उद्गम ही हीनता और कमजोरी से होता है । मनुष्य अपनी हीनता से दबता है । वह दूसरों की निंदा करके ऐसा अनुभव करता है कि वे सब निकृष्ट हैं और वह उनसे अच्छा है । उसके अहं को इससे तुष्टि होती है । बड़ी लकीर को कुछ मिटाकर छोटी लकीर बड़ी बनती है । ज्यों-ज्यों कर्म क्षीण होता जाता है, त्यों-त्यों निंदा की प्रवृत्ति बढ़ती जाती है । कठिन कर्म ही ईर्ष्या-द्वेष और उनसे उत्पन्न निंदा को मारता है ।

i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नामोल्लेख कीजिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) लेखक के अनुसार उत्पन्न निंदा को कैसे मारा जा सकता है ?

iv) 'निकृष्ट' और 'उद्गम' शब्दों के अर्थ लिखिए ।

v) उपर्युक्त गद्यांश में लेखक ने किस शैली का प्रयोग किया है ?

अथवा

https://www.upboardonline.com

मैंने बहुतों को रूप से पाते देखा था, बहुतों को धन से और गुणों से भी बहुतों को पाते देखा था, पर मानवता के आँगन में समर्पण और प्राप्ति का यह अद्भुत सौम्य स्वरूप आज अपनी ही आँखों देखा कि कोई अपनी पीड़ा से किसी को पाये और किसी का उत्सर्ग सदा किसी की पीड़ा के लिए ही सुरक्षित रहे ।

i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) लेखक ने समर्पण और प्राप्ति का कौन-सा अद्भुत स्वरूप देखा ?

iv) उपर्युक्त गद्यांश में लेखक का क्या उद्देश्य निहित है ?

v) प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने किस गद्य विधा का प्रयोग किया है ?

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 2 = 10$

मुझे फूल मत मारो,
होकर मधु के मीत मदन, पटु तुम कटु, गरल न गारो,
मुझे विकलता, तुम्हें विफलता, ठहरो, श्रम परिहारो ।
नहीं भोगिनी यह मैं कोई, जो तुम जाल पसारो,
बल हो तो सिंदुर-बिंदु यह, यह हर नेत्र निहारो !
रूप- दर्प कंदर्प, तुम्हें तो मेरे पति पर वारो,
लो, यह मेरी चरण-धूलि, उस रति के सिर पर धारो ।।

i) उपर्युक्त पद्यांश का सदंर्भ लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) प्रस्तुत पद्यांश में उर्मिला ने अपने सिंदूर बिन्दु को किसके समान बताया है ?

iv) 'होकर मधु के मीत मदन' पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार लिखिए ।

v) 'मैं अबला बाल वियोगिनी, कुछ तो दया विचारो' में कौन सा रस प्रयुक्त किया गया है ?

अथवा

https://www.upboardonline.com

बीती विभावरी जाग री !

अम्बर-पनघट में डुबो रही –

तारा-घट ऊषा-नागरी

खग-कुल कुल-कुल सा बोल रहा,

किसलय का अंचल डोल रहा,

लो यह लतिका भी भर लाई –

मधु मुकुल नवल रस गागरी ।

i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक एवं कवि का नाम लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) आकाश रूपी पनघट पर कौन तारा रूपी घड़े को डुबो रहा है ?

iv) 'खग-कुल कुल-कुल सा बोल रहा' पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ?

v) प्रस्तुत पद्यांश में प्रयुक्त रस का उल्लेख कीजिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

i) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

ii) हरिशंकर परसाई

iii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

i) जयशंकर प्रसाद

ii) सुमित्रानन्दन पन्त

iii) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' ।

6. 'बहादुर' अथवा 'लाटी' कहानी के उद्देश्य को अपने शब्दों में लिखिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

अथवा

'ध्रुवयात्रा' कहानी की कथावस्तु संक्षेप में अपने शब्दों में लिखिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

https://www.upboardonline.com

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दें । 5

(अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर 'नमक आन्दोलन' की कथावस्तु लिखिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी की किन्हीं पाँच चारित्रिक गुणों/विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर किन्हीं दो मार्मिक प्रसंगों का वर्णन कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर दुःशासन का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

iii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' के तृतीय सर्ग के आधार पर कृष्ण और कर्ण के वार्त्तालाप का सारांश लिखिए ।

iv) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी का चरित्राङ्कन कीजिए ।

v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के किसी सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

सिद्ध कीजिए कि 'त्यागपथी' खण्डकाव्य में 'हर्षवर्धन' का चरित्र ही केन्द्र है और उसी के चारों ओर कथानक का चक्र घूमता है । https://www.upboardonline.com

vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'आखेट' सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

''मुझे बाणों की पीड़ा सम्प्रति, उतनी नहीं सताती है ।
पितरों के भविष्य की चिन्ता, जितनी व्यथा बढ़ाती है''।।
कथन के आलोक में 'श्रवणकुमार' के चरित्र पर प्रकाश डालिए ।

(खण्ड-ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिये : 2 + 5 = 7

मैत्रेयी उवाच-यदीयं सर्वा पृथिवी वित्तेन पूर्णा स्यात्, तत् किं तेनाहममृता स्यामिति । याज्ञवल्क्य उवाच-नेति । यथैवोपकरणवतां जीवनं तथैव ते जीवनं स्यात् । अमृतत्त्वस्य तु नाशास्ति वित्तेन इति । सा मैत्रेयी उवाच-प्रिया नः सती त्वं प्रियं भाषसे ।

अथवा

संस्कृत साहित्यस्य आदिकविः वाल्मीकिः, महर्षिव्यासः, कविकुलगुरुः कालिदासः अन्ये च भास-भारवि भवभूत्यादयो महाकवयः स्वकीयैः ग्रन्थरत्नै अद्यापि पाठकानां हृदि विराजन्ते । इयं भाषा अस्माभिः मातृसमं सम्माननीया वन्दनीया च, यतो भारतमातुः स्वातन्त्र्यं, गौरवम्, अखण्डत्वं सांस्कृतिकमेकत्वञ्च संस्कृतेनैव सुरक्षितुं शक्यन्ते ।

https://www.upboardonline.com

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

विद्या विवादाय धनं मदाय शक्तिः परेषां परिपीडनाय ।
खलस्य साधोः विपरीतमेतज्ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय ।।

अथवा

जयन्ति ते महाभागा जन-सेवा-परायणाः ।
जरामृत्युभयं नास्ति येषां कीर्तिमयीं क्वचित् ।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) टेढ़ी खीर होना (ii) बालू से तेल निकालना

(iii) घी का लड्डू टेढ़ा भला (iv) समरथ को नहिं दोष गोसाईं ।

10. अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1 + 2 + 2 = 5

वैज्ञानिकों का मानना है कि पृथ्वी पर सर्वप्रथम अस्तित्व में आनेवाले एककोशिकीय जीव अमीबा एवं पैरामीशियम के जन्म के पीछे मीथेन ही कारक रही है । प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंगल की सतह पर स्थित चट्टानों में लौह तत्व की प्रधानता है । फलस्वरूप हवा की उपस्थिति में वहाँ जंग लगने की प्रक्रिया स्वाभाविक रूप से चलती रहती है । इसी कारण इस ग्रह की मिट्टी लाल है और आँधी चलने पर यहाँ का वातावरण गुलाबी बादलों से भर जाता है । इन्हीं कारणों से मंगल ग्रह को लाल ग्रह भी कहा जाता है । मंगल ग्रह पर पहुँचने वाला भारत पहला एशियाई देश बन गया ।

(i) मंगल की सतह पर चट्टानों में किस तत्व की प्रधानता है ?

(ii) मंगल ग्रह की मिट्टी किस कारण से लाल है ?

(iii) पृथ्वी पर सर्वप्रथम अस्तित्व में आनेवाले जीव कौन-कौन हैं ?

अथवा

पहले मैं आपको अपनी सबसे बड़ी विशेषता बताता चलूँ । मेरी तीन गतियाँ होती हैं – दान, भोग और नाश । इसलिए समझदार लोग मेरा अर्जन करने के बाद जी खोलकर मुझे दान करते हैं । दान करने में असमर्थ लोग मेरा जी भरकर उपभोग करते हैं । जो लोग न मेरा दान करते हैं और न भोग, उनके पास मैं अधिक दिनों तक नहीं रह पाता या तो चोर, डाकू या फिर आयकर अधिकारी मुझे पाताल से भी ढूँढ़ निकालते हैं । मेरी कमी यदि कई प्रकार की समस्याओं का कारण बनती है, तो मेरी अधिकता भी कम नुकसानदायक नहीं होती । इसलिए मेरे प्रयोग में मनुष्य को सावधानी बरतनी चाहिए ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के वक्ता का नाम लिखिए ।

(ii) वक्ता की कौन-कौन गतियाँ होती हैं ?

(iii) वक्ता की अधिकता से दान या भोग न करने पर क्या परिणाम होता है ?

https://www.upboardonline.com

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) अग-अघ –

(अ) आगे और पीछे (ब) अचल और पाप

(स) नया और पुराना (द) आना और पुण्य । 1

(ii) पयोद-पयोधि –

(अ) आकाश और परम्परा (ब) बादल और समुद्र

(स) जल और दूध (द) बादल और कमल । 1

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो सही अर्थ लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) कर्ण (ii) सारंग

(iii) श्रुति ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही 'शब्द' चयन करके लिखिए :

(i) किसी बात का गूढ़ रहस्य जाननेवाला –

(अ) बहुज्ञ (ब) मर्मज्ञ

(स) सर्वज्ञ (द) विद्वान् 1

(ii) जिसे समझना कठिन हो –

(अ) सुबोध (ब) दुर्निवार

(स) दुस्तर (द) दुर्बोध 1

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) डॉ० प्रत्यूषराज बनस्पति विज्ञान के प्राध्यापक हैं ।

(ii) सब लोग अपना काम करो ।

(iii) अब दस रुपया में क्या आता है ?

(iv) मेरे से कुछ न पूछो ।

12. (क) 'वियोग (विप्रलंभ) शृंगार' रस अथवा 'करुण' रस का स्थायीभाव के साथ उदाहरण अथवा परिभाषा लिखिए । 1 + 1 = 2

(ख) 'श्लेष' अलंकार अथवा 'सन्देह' अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ग) 'दोहा' छन्द अथवा 'कुण्डलिया' छन्द का लक्षण सहित एक उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

https://www.upboardonline.com

13. परीक्षा के समय बिजली कटौती न करने के लिए अपने जिलाधिकारी को एक प्रार्थना पत्र लिखिए। 6

अथवा

भारतीय स्टेट बैंक के शाखा प्रबन्धक को उच्च शिक्षा ग्रहण करने हेतु ऋण प्राप्त करने के लिए आवेदन पत्र लिखिए ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 2 + 7 = 9

(i) अन्तरिक्ष में भारत के बढ़ते कदम

(ii) प्रजातंत्र में विपक्ष की भूमिका

(iii) भारत के आर्थिक विकास में गैर-परम्परागत ऊर्जा स्रोतों का योगदान

(iv) हमारी सामाजिक प्रमुख समस्यायें और उनका समाधान ।

302(DM) - 2,73,000

https://www.upboardonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

https://www.upboardonline.com

मुद्रित पृष्ठों की संख्या :

अनुक्रमांक .....

नाम .....

102 **302(DN**

2024

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 1

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र **दो भागों – खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख'** में विभाजित है ।

ii) दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(खण्ड–क)

1. क) 'माधुरी' पत्रिका किस युग में प्रकाशित हुई ?

i) भारतेन्दु-युग ii) द्विवेदी-युग

iii) शुक्ल-युग iv) शुक्लोत्तर-युग

ख) 'शेखर : एक जीवनी' के लेखक हैं

i) जयशंकर प्रसाद ii) प्रेमचन्द

iii) अज्ञेय iv) रामवृक्ष बेनीपुरी

ग) 'कफन' किस विधा की रचना है ?

i) उपन्यास ii) नाटक

iii) कहानी iv) संस्मरण

घ) 'मैला आँचल' उपन्यास है

i) आंचलिक ii) ऐतिहासिक

iii) मनोवैज्ञानिक iv) धार्मिक

ङ) 'अन्धा युग' रचना के लेखक हैं

i) धर्मवीर भारती ii) रामकुमार वर्मा

iii) मोहन राकेश iv) जैनेन्द्र

https://www.upboardonline.com

2. क) 'रामचरितमानस' की रचना किस भाषा में हुई है ?

i) अवधी ii) ब्रज

iii) मैथिली iv) खड़ी बोली

ख) 'परमालरासो' का रचना काल है

i) आदिकाल ii) भक्तिकाल

iii) रीतिकाल iv) आधुनिक काल

ग) 'छायावाद' की रचना नहीं है

i) कामायनी ii) साकेत

iii) सरोज स्मृति iv) नौका विहार

घ) सुमित्रानन्दन पन्त ने 'नौका विहार' कविता की रचना किस स्थान पर रहकर की ?

i) काला कांकर ii) रामगढ़

iii) वाराणसी iv) इहालाबाद

ङ) 'वेदना की प्रतिमूर्ति' किस कवयित्री को कहा जाता है ?

i) सुभद्राकुमारी चौहान ii) महादेवी वर्मा

iii) मैत्रेयी पुष्पा iv) लक्ष्मीबाई

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 1

जन का प्रवाह अनंत होता है । सहस्रों वर्षों से भूमि के साथ राष्ट्रीय जन ने तादात्म्य प्राप्त किया है जब तक सूर्य की रश्मियाँ नित्य प्रातःकाल भुवन को अमृत से भर देती हैं तब तक राष्ट्रीय जन व जीवन भी अमर है । इतिहास के अनेक उतार-चढ़ाव पार करने के बाद भी राष्ट्र-निवासी जन न उठती लहरों से आगे बढ़ने के लिए अजर-अमर हैं । जन का संततवाही जीवन नदी के प्रवाह र तरह है, जिसमें कर्म और श्रम के द्वारा उत्थान के अनेक घाटों का निर्माण करना होता है ।

i) जन का प्रवाह किस तरह होता है ?

ii) पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिये ।

iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iv) सूर्य की रश्मियों का क्या प्रभाव पड़ता है ?

v) राष्ट्रीय जन ने किसके साथ तादात्म्य स्थापित किया है ?

अथवा

https://www.upboardonline.com

रमणीयता और नित्य नूतनता अन्योन्याश्रित हैं । रमणीयता के अभाव में कोई भी चीज मान्य नहीं होती है । नित्य नूतनता किसी भी सर्जक की मौलिक उपलब्धि की प्रामाणिकता सूचित करती है और उसकी अनुपस्थिति में कोई भी चीज वस्तुतः जनता व समाज के द्वारा स्वीकार्य नहीं होती । सड़ी-गली मान्यताओं से जकड़ा हुआ समाज जैसे आगे नहीं बढ़ पाता, वैसे ही पुरानी रीतियों और शैलियों की परम्परागत लीक पर चलनेवाली भाषा भी जन-चेतना को गति देने में प्रायः असमर्थ ही रह जाती है ।

i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) क्या चीजें अन्योन्याश्रित हैं ?

iv) नित्य नूतनता क्या सूचित करती है ?

v) 'रमणीयता' और 'परम्परागत' शब्दों के अर्थ लिखिए ।

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

मुझे फूल मत मारो ।
मैं अबला बाला वियोगिनी, कुछ तो दया विचारो ।
होकर मधु के मीत मदन, पटु तुम कटु गरल न गारो,
मुझे विकलता तुम्हें विफलता ठहरो श्रम परिहारो ।
नहीं भोगिनी यह मैं कोई, जो तुम जाल पसारो,
बल हो तो सिन्दूर-बिन्दु यह-यह हर नेत्र निहारो ।
रूप-दर्प कन्दर्प तुम्हें तो मेरे पति पर वारो,
लो, यह मेरी चरण-धूलि उस रति के सिर पर धारो ।।

i) उपर्युक्त पद्यांश के शीर्षक एवं रचयिता का नाम लिखिए ।

ii) उर्मिला ने शिव का तीसरा नेत्र किसे बताया है ?

iii) इस पद्यांश में किस ऋतु का वर्णन है ?

iv) यह पद्यांश किस ग्रन्थ से उद्धृत है ?

v) रेखांकित पंक्ति की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

https://www.upboardonline.com

सावधान मनुष्य ! यदि विज्ञान है तलवार,
तो इसे फेंक तजकर मोह, स्मृति के पार ।
हो चुका है सिद्ध है तू शिशु अभी अज्ञान,
फूल काँटों की तुझे कुछ भी नहीं पहचान,
खेल सकता तू नहीं ले हाथ में तलवार,
काट लेगा अंग, तीखी है बड़ी यह धार ।।

i) पाठ का शीर्षक और कवि का नाम लिखिये ।

ii) विज्ञान को तलवार क्यों कहा है ?

iii) कवि ने वैज्ञानिक युग के मानव को क्या चेतावनी दी है ?

iv) मनुष्य को अज्ञान शिशु क्यों कहा गया है ?

v) रेखांकित पंक्ति की व्याख्या कीजिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

i) हजारीप्रसाद द्विवेदी

ii) हरिशंकर परसाई

iii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 =

i) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

ii) जयशंकर प्रसाद

iii) अज्ञेय ।

6. *'लाटी'* कहानी की कथावस्तु का सार लिखिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

अथवा

'ध्रुवयात्रा' कहानी का उद्देश्य लिखिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

https://www.upboardonline.com

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दें ।

(अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की प्रमुख पात्र की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर द्रौपदी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

iii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

iv) 'आलोकवृत्त' की कथावस्तु का सार लिखिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिये ।

v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'हर्षवर्द्धन' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रवणकुमार' की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।

(खण्ड-ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिये : 2 + 5 = 7

संस्कृतसाहित्यस्य आदिकविः बाल्मीकिः, महर्षिव्यासः, कविकुलगुरुः कालिदासः अन्ये च भास-भारवि-भव भूत्यादयो महाकवयः स्वकीयैः ग्रन्थरत्नैः अद्यापि पाठकानाम् हृदि विराजन्ते । इयं भाषा अस्माभिः मातृसमं सम्माननीया वन्दनीया च, यतो भारतमातुः स्वातन्त्र्यं गौरवम्, अखण्डत्वं सांस्कृतिकमेकत्वञ्च संस्कृतेनैव सुरक्षितुं शक्यन्ते । इयं संस्कृतभाषा सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठा चास्ति ।

अथवा

अतीते प्रथम कल्पे जनाः एकमभिरूपम्, सौभाग्यप्राप्तं सर्वाकार परिपूर्णं पुरुषं राजानमकुर्वन् चतुष्पदा अपि सन्निपत्य एकं सिंहं राजानमकुर्वन् । ततः शकुनिगणाः हिमवत्प्रदेशे एकस्मिन पाषाणे सन्निपत्य 'मनुष्येषु' राजा प्रज्ञायते तथा चतुष्पदेषु च । अस्माकम् पुनरंतरे राजा नास्ति ।

https://www.upboardonline.com

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 =

जल-बिन्दु निपातेन क्रमशः पूर्यते घटः ।
स हेतुः सर्वविद्यानां धर्मस्य च धनस्य च ।।

अथवा

कामान् दुग्धे विप्रकर्षत्यलक्ष्मी,
कीर्तिं सूते दुष्कृतं या हिनस्ति ।
शुद्धां शान्तां मातरं मंगलानाम् ।
धेनुं धीराः सुनृतां वाचमाहुः ।।

9. निम्नलिखित लोकोक्तियों एवं मुहावरों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) मुँह फुलाना
(ii) हाथ पीले करना
(iii) दाल में काला होना
(iv) सावन हरे न भादो सूखे ।

10. अपठित गद्यांश से सम्बन्धित दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

इच्छाएँ नाना हैं और नाना विधि हैं और वे उसे प्रवृत्त रखती हैं । उस प्रवृत्ति से वह रह-रह कर थक जाता है और निवृत्ति चाहता है । यह प्रवृत्ति और निवृत्ति का चक्र उसको द्वन्द्व से थका मारता है इस संसार को अभी राग-भाव से वह चाहता है कि अगले क्षण उतने ही भाव-विराग से वह उसक विनाश चाहता है । पर राग-द्वेष की वासनाओं से अन्त में झुँझलाहट और छटपटाहट ही हाथ लगत है । https://www.upboardonline.com

(i) प्रवृत्ति-निवृत्ति के चक्र में फँसा मनुष्य क्यों रुक जाता है ?
(ii) प्रेम और ईर्ष्या की वासनाओं में पड़कर मनुष्य की स्थिति कैसी हो जाती है ?
(iii) रेखाङ्कित अंश का आशय लिखिए ।

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) वसन-व्यसन -
(अ) विवश और व्याकुलता
(ब) वस्त्र और आदत
(स) कवच और भोजन
(द) अवधि और विस्तार ।

(ii) अन्न-अन्य -
(अ) अनाज और दूसरा
(ब) भोजन और अनेक
(स) गेहूँ और चावल
(द) बेकार और दूसरा ।

https://www.upboardonline.com

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो सही अर्थ लिखिए : 1 + 1

(i) चपला

(ii) जीवन

(iii) शिव ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही 'शब्द' चयन करके लिखिए :

(i) जो शिक्षा देता है –

(अ) शिक्षक (ब) नेता

(स) अभिनेता (द) सन्त

(ii) जो सब कुछ जानता हो –

(अ) सर्वज्ञ (ब) महापुरुष

(स) तपस्वी (द) ब्राह्मण

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 1 + 1

(i) मैं भोजन कर लिया हूँ ।

(ii) मेरा बड़ा भाई आ रहा है ।

(iii) मैं कलम के साथ लिखता हूँ ।

(iv) सूर्य पूरब में निकलता था ।

12. (क) 'संयोग शृंगार' रस अथवा 'करुण' रस का लक्षण सहित एक उदाहरण लिखिए । 1 + 1

(ख) 'यमक' अलंकार अथवा 'रूपक' अलंकार की परिभाषा लिखते हुए एक उदाहरण लिखिए ।

1 + 1

(ग) 'दोहा' छन्द अथवा 'सोरठा' छन्द का लक्षण और एक उदाहरण लिखिए । 1 + 1

https://www.upboardonline.com

13. अपने गाँव अथवा शहर में सफाई हेतु उचित अधिकारी को पत्र लिखिये ।

अथवा

विद्यायल में अनुशासन व्यवस्था बनाये रखने हेतु प्रधानाचार्य को पत्र लिखिये ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में सारगर्भित लिखिए : 2 +

(i) पर्यावरण का असंतुलन और मानव जीवन पर प्रभाव

(ii) बेरोजगारी की समस्या और समाधान

(iii) नयी शिक्षण व्यवस्था में कम्प्यूटर की उपयोगिता

(iv) साहित्य समाज का पथ प्रदर्शक है

(v) महिला सशक्तीकरण का समाज के विकास पर प्रभाव

(vi) वर्तमान भारतीय राजनीति की दिशा और दशा ।

302(DN) - 2,73,000

https://www.upboardonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

https://www.upboardonline.com

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 7

अनुक्रमांक .

नाम .....

102

302(HN)

2025

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो **खण्डों – खण्ड 'क'** तथा **खण्ड 'ख'** में विभाजित है ।

ii) दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(खण्ड–क)

1. क) 'रानी केतकी की कहानी' के लेखक हैं

i) मुंशी सदासुखलाल ii) इंशा अल्ला खाँ iii) बैकुंठमणि शुक्ल iv) गोकुलनाथ 1

ख) 'यदि गद्य कवियों की कसौटी है तो निबन्ध गद्य की कसौटी है ।' यह कथन किस साहित्यकार का है ?

i) प्रतापनारायण मिश्र ii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

iii) महावीरप्रसाद द्विवेदी iv) अम्बिकादत्त व्यास 1

ग) 'पद्मावत की संजीवनी व्याख्या' ग्रंथ में गद्य की विधा है

i) नाटक ii) कहानी

iii) उपन्यास iv) आलोचना 1

घ) तेलुगू भाषी तमिल, कन्नड़ और मलयालम साहित्य सृजन के साथ हिन्दी के लब्धप्रतिष्ठ निबन्धकार हैं

i) डॉ० अब्दुल कलाम ii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी

iii) जैनेन्द्र कुमार iv) राम कुमार वर्मा 1

ङ) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी निम्न में से किस उपन्यास के रचनाकार नहीं हैं ?

i) गबन ii) पुनर्नवा

iii) अनामदास का पोथा iv) बाणभट्ट की आत्मकथा 1

2. क) हिन्दी काव्य साहित्य के किस युग को 'जागरण सुधार काल' कहा जाता है ?

i) भारतेन्दु-युग ii) द्विवेदी-युग iii) छायावाद युग iv) प्रगतिवाद युग 1

ख) 'परशुराम की प्रतीक्षा' के रचनाकार हैं

i) मैथिलीशरण गुप्त ii) जयशंकर प्रसाद

iii) रामधारी सिंह 'दिनकर' iv) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' 1

ग) 'झाँसी की रानी' कविता किसकी रचना है ?

i) मैथिलीशरण गुप्त
ii) सुभद्रा कुमारी चौहान
iii) श्याम नारायण पाण्डेय
iv) मोहन लाल द्विवेदी 1

घ) 'छायावाद' के कवि हैं

i) रामेश्वर शुक्ल 'अंचल'
ii) गजानन माधव मुक्तिबोध
iii) भवानी प्रसाद मिश्र
iv) महादेवी वर्मा 1

ङ) 'प्रकृति के सुकुमार कवि' किसे कहा जाता है ?

i) महादेवी वर्मा
ii) शकुन्तला माथुर
iii) सुमित्रानन्दन पन्त
iv) जगन्नाथ दास 'रत्नाकर' 1

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

मुझे मानव-जाति की दुर्दम-निर्मम धारा के हजारों वर्ष का रूप साफ दिखायी दे रहा है । मनुष्य की जीवनी-शक्ति बड़ी निर्मम है, वह सभ्यता और संस्कृति के वृथा मोहों को रौंदती चली आ रही है । न जाने कितने धर्माचारों, विश्वासों, उत्सवों और व्रतों को धोती-बहाती यह जीवन-धारा आगे बढ़ी है । संघर्षों से मनुष्य ने नयी शक्ति पायी है । हमारे सामने समाज का आज जो रूप है, वह न जाने कितने ग्रहण और त्याग का रूप है । देश और जाति की विशुद्ध संस्कृति केवल बाद की बात है ।

i) प्रस्तुत गद्यांश के पाठ का शीर्षक एवं लेखक के नाम का उल्लेख कीजिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) मनुष्य ने नयी शक्ति किससे पायी है ?

iv) उपर्युक्त गद्यांश का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।

v) 'धर्माचारों' और 'विश्वासों' के अर्थ लिखिए ।

अथवा

कुछ लोग बड़े निर्दोष मिथ्यावादी होते हैं, वे आदतन प्रकृति के वशीभूत झूठ बोलते हैं । उनके मुख से निष्प्रयास, निष्प्रयोजन झूठ ही निकलता है । मेरे एक रिश्तेदार ऐसे हैं । वे अगर बम्बई जा रहे हैं और उनसे पूछें तो वे कहेंगे, "कलकत्ता जा रहा हूँ ।" ठीक बात उनके मुँह से निकल ही नहीं सकती । 'क' भी बड़ा निर्दोष, सहज-स्वाभाविक मिथ्यावादी है ।

i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) लेखक अपने विरोधियों की निन्दा सुनकर किस प्रकार आनन्दित होता है ?

iv) निर्दोष मिथ्यावादी लोग कौन होते हैं ?

v) 'स्वाभाविक' एवं 'निर्दोष' में क्रमशः प्रत्यय एवं उपसर्ग छाँटकर लिखिए ।

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 2 = 10$

बनो संसृति के मूल रहस्य
तुम्हीं से फैलेगी वह बेल
विश्व वन सौरभ से भर जाय
सुमन के खेलो सुन्दर खेल ।
और यह क्या तुम सुनते नहीं
विधाता का मंगल वरदान–
''शक्तिशाली हो, विजयी बनो''
विश्व में गूँज रहा जय गान ।

i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) 'बनो संसृति के मूल रहस्य' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए ।

iv) इस पद्यांश में पूरा विश्व किसका विजय गान कर रहा है ?

v) 'शक्तिशाली हो, विजयी बनो' पंक्ति के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है ?

अथवा

सूखी जाती मलिन लतिका जो धरा में पड़ी हो
तो पाँवों के निकट उसको श्याम के ला गिराना
यों सीधे से प्रकट करना प्रीति से वंचिता हो ।
मेरा होना अति मलिन और सूखती नित्य जाना ।।

i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और कवि का नामोल्लेख कीजिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) सूखी लता के माध्यम से नायिका अपने श्याम को क्या संदेश देना चाहती है ?

iv) कवि ने नायिका की शारीरिक स्थिति की तुलना किससे और क्यों की है ?

v) प्रस्तुत पद्यांश की अलंकार योजना पर प्रकाश डालिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) $3 + 2 = 5$

i) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

ii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी

iii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

i) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

ii) जयशंकर प्रसाद

iii) महादेवी वर्मा ।

6. 'बहादुर' कहानी के उद्देश्य को अपने शब्दों में लिखिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

अथवा

'पंचलाइट' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी **एक** खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दें । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु की प्रमुख विशेषतायें लिखिए । 5

अथवा

"राष्ट्र नायक गाँधी 'मुक्तियज्ञ' के मुख्य पुरोधा हैं ।" इस कथन को ध्यान में रखते हुए गाँधीजी के चरित्र पर प्रकाश डालिए ।

ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के सर्वाधिक मार्मिक प्रसंग का संक्षेप में वर्णन कीजिए ।

अथवा

"जिएँ हम और जिएँ सब लोग ।" इस कथन की पुष्टि 'सत्य की जीत' के आधार पर कर धृतराष्ट्र का चरित्र-चित्रण कीजिए । https://www.upboardonline.com

iii) 'रश्मिरथी' के पंचम सर्ग की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर कुन्ती का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

iv) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर नमक-सत्याग्रह का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

अथवा

"जुड़ता जब सम्बन्ध हृदय का भेदभाव मिट जाता है ।
देश जाति रंगों से गहरा, मानवता का नाता है" ।।
कथन के आलोक में महात्मा गाँधी के चरित्र पर प्रकाश डालिए ।

v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का क्रमबद्ध उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' की प्रमुख नारी पात्र राज्यश्री की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

vi) " 'श्रवणकुमार' के चरित्र में देवोपम गुणों के साथ-साथ मानव सुलभ दुर्बलताएँ भी दिखायी गयी हैं ।" इस कथन के सम्बन्ध में श्रवणकुमार का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

(खण्ड-ख)

(क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी **एक** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिये : 2 + 5 = 7

इयमेव भाषा संस्कृतनाम्नापि लोके प्रथिता अस्ति । अस्माकं रामायण-महाभारताद्यैतिहासिक ग्रन्थाः, चत्वारो वेदाः, सर्वा उपनिषदः, अष्टादशपुराणानि, अन्यानि च महाकाव्य-नाट्यादीनि अस्यामेव भाषायां लिखितानि सन्ति । इयमेव भाषा सर्वसामार्यभाषाणां जननी मन्यते भाषातत्वविद्भिः ।

अथवा

बौद्ध युगे इमे सिद्धान्ताः वैयक्तिकजीवनस्य अभ्युत्थानाय प्रयुक्ता आसन् । परमद्य इमे सिद्धान्ताः राष्ट्राणां परस्पर मैत्री सहयोग-करणानि, विश्व-बन्धुत्वस्य विश्वशान्तेश्च साधनानि सन्ति । राष्ट्रनायकस्य श्रीजवाहरलालनेहरू महोदयस्य प्रधानमन्त्रित्वकाले चीन देशेन सह भारतस्य मैत्री पञ्चशीलसिद्धान्तानधिकृत्य एवाभवत् । यतो हि उभावपि देशौ बौद्धधर्म निष्ठावन्तौ । आधुनिक जगति पञ्चशीलसिद्धान्ताः नवीनं राजनैतिकं स्वरूपं गृहीतवन्तः ।

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी **एक** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

प्रीणाति यः सुचरितैः पितरं स पुत्रो
यद् भर्तुरेव हितमिच्छति तत् कलत्रम् ।
तन्मित्रमापदि सुखे च समक्रियं यद्
एतत्त्रयं जगति पुण्यकृतो लभन्ते ।।

अथवा

भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती ।
तस्या हि मधुरं काव्यं तस्मादपि सुभाषितम् ।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी **एक** का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) हाथ-पाँव मारना (ii) अगर-मगर करना
(iii) अधजल गगरी छलकत जाय (iv) बन्दर क्या जाने अदरक का स्वाद ।

10. अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

संस्कृत में एक सूत्रवाक्य है, 'गहना कर्मणो गतिः' अर्थात् कर्मों की गति अत्यन्त गूढ़ और न्यारी है । कर्म सिद्धान्त के अनुसार, कुछ कर्मों को बदला जा सकता है, लेकिन कुछ कर्म नहीं बदले जा सकते । दूध से दही बनता है, उसे खट्टा या मीठा बनाया जा सकता है, लेकिन दही को वापस दूध में बदल नहीं सकते । जो कर्म प्रकट हो रहा है और जिसका प्रभाव दिखना शुरू हो गया है, वह प्रारब्ध कर्म है । आप प्रारब्ध कर्म को बदल नहीं सकते क्योंकि यह वर्तमान में घटित होने लगा है । संचित कर्म अतीत के कर्मों का परिणाम है । यह मन के भीतर अव्यक्त प्रवृत्तियों के रूप में बना रहता है । संचित कर्मों को आध्यात्मिक अभ्यास द्वारा उनके अभिव्यक्त होने के पहले ठीक किया जा सकता है । हमारे द्वारा किये गये कृत्यों के भविष्य में होनेवाले परिणाम आगामी कर्म कहे जाते हैं ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए । 1
(ii) प्रारब्ध कर्म किसे कहा गया है ? 2
(iii) लेखक के अनुसार कर्म सिद्धांत को स्पष्ट कीजिए । 2

अथवा

विषमता शोषण की जननी है । समाज में जितनी विषमता होगी, सामान्यतः शोषण उतना ही अधिक होगा। स्वतन्त्रता प्राप्ति के 77 वर्षों बाद भी हमारे देश में सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक एवं सांस्कृतिक असमानताएँ अधिक हैं जिसके कारण एक व्यक्ति एक स्थान पर शोषक तथा वही व्यक्ति दूसरे स्थान पर शोषित होता है। उपभोक्ता संरक्षण के सन्दर्भ में उपभोक्ता उस व्यक्ति या व्यक्ति समूह को कहा जाता है जो सीधे तौर पर किन्हीं भी वस्तुओं अथवा सेवाओं का उपयोग करते हैं । इस प्रकार सभी व्यक्ति कहीं न कहीं, किसी न किसी रूप में शोषण का शिकार होते हैं ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का समुचित शीर्षक लिखिए । 1

(ii) उपभोक्ता किसे कहा जाता है ? 2

(iii) उपभोक्ता का शोषण क्यों होता है ? 2

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) श्रवण-श्रमण -

(अ) मेहनत और सुनना (ब) सावन और कान

(स) सज्जन और दुर्जन (द) कान और भिक्षु 1

(ii) भित्ति-भीत - https://www.upboardonline.com

(अ) भीतर और बाहर (ब) दीवार और डरा हुआ

(स) भक्ति और भाग्य (द) डरपोक और दीवार 1

(ख) निम्नलिखत शब्दों में से किसी एक शब्द के दो सही अर्थ लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) कर (ii) पुष्कर

(iii) विधि (iv) अर्थ

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही शब्द का चयन करके लिखिए :

(i) जो एक दूसरे पर आश्रित हो -

(अ) पराश्रयी (ब) अन्योन्याश्रित

(स) पराग्रही (द) अपराश्रित 1

(ii) किसी वस्तु को प्राप्त करने की उत्कट इच्छा -

(अ) अभिलाषा (ब) प्रतीक्षा

(स) महत्त्वाकांक्षा (द) आकांक्षी 1

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) प्रगल्भराज का भविष्य उज्जवल हो ।

(ii) सज्जन पुरुष सब का भला चाहते हैं ।

(iii) कृपया एक ठण्डा गिलास पानी लाइए ।

(iv) उसने मेरे को पचास रुपया दिया ।

(क) 'वीर' रस अथवा 'करुण' रस का लक्षण सहित एक उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ख) 'सन्देह' अलंकार अथवा 'यमक' अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ग) 'दोहा' छन्द अथवा 'चौपाई' छन्द का लक्षण एवं एक उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

अपने क्षेत्र में हो रहे अवैध कब्जों की समस्या-समाधान हेतु जिलाधिकारी को शिकायती पत्र लिखिए । 2 + 4 = 6

अथवा

बालिका छात्रावास में रहने वाली अपनी छोटी बहन प्रज्ञा को समय के महत्व को बताते हुए पत्र लिखिए । 2 + 7 = 9

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए :

(i) मोबाइल फोन : वरदान या अभिशाप

(ii) राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 : शैक्षिक क्रान्ति का एक सार्थक प्रयास

(iii) वरिष्ठ नागरिकों की समस्यायें और समाधान

(iv) नर हो, न निराश करो मन को ।

अनुक्रमांक

102

019559

302(HM)

2025

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र **दो खण्डों – खण्ड 'क'** तथा **खण्ड 'ख'** में विभाजित है ।

ii) दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(खण्ड-क)

1. क) 'चंद छंद बरनन की महिमा' के लेखक हैं

i) सदल मिश्र ii) लल्लूलाल iii) गंग iv) रामप्रसाद 'निरंजनी' 1

ख) वर्तमान युग में हिन्दी गद्य की प्रमुख भाषा है

i) भोजपुरी ii) ब्रजभाषा iii) खड़ीबोली iv) अवधी 1

ग) 'ज्ञानोदय' पत्रिका के सम्पादक हैं

i) 'अज्ञेय' ii) माखनलाल चतुर्वेदी

iii) धर्मवीर भारती iv) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' 1

घ) आधुनिक हिन्दी एकांकी के जनक माने जाते हैं

i) लक्ष्मीनारायण मिश्र ii) रामकुमार वर्मा iii) उदयशंकर भट्ट iv) विष्णु प्रभाकर 1

ङ) हरिशंकर परसाई एक ख्यातिलब्ध लेखक हैं

i) 'यात्रावृत्त' के ii) समीक्षा के

iii) 'जीवनी-साहित्य' के iv) व्यंग्य विधा के 1

2. क) 'निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल ।' यह काव्य पंक्ति है

i) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की ii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की

iii) मैथिलीशरण गुप्त की iv) सोहनलाल द्विवेदी की 1

ख) 'तारसप्तक' के कवियों को 'राहों के अन्वेषी' किसने कहा है ?

i) धर्मवीर भारती ने ii) नामवर सिंह ने

iii) प्रभाकर माचवे ने iv) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' ने 1

ग) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की रचना है

i) 'भारतभारती' ii) 'वैदेही वनवास' iii) 'उर्वशी' iv) 'गुंजन' 1

घ) निम्न में से कौन प्रगतिवादी कवि नहीं हैं ?

i) नागार्जुन ii) केदारनाथ अग्रवाल

iii) त्रिलोचन iv) गिरिजाकुमार माथुर 1

ङ) प्रकृति के सुकुमार कवि हैं

i) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' ii) महादेवी वर्मा

iii) सुमित्रा नन्दन पन्त iv) जयशंकर प्रसाद 1

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

भाषा स्वयं संस्कृति का एक अटूट अंग है । संस्कृति परंपरा से निःसृत होने पर भी परिवर्तनशील और गतिशील है । उसकी गति विज्ञान की प्रगति के साथ जोड़ी जाती है । वैज्ञानिक आविष्कारों के प्रभाव के कारण उद्भूत नयी सांस्कृतिक हलचलों को शाब्दिक रूप देने के लिए भाषा के परंपरागत प्रयोग पर्याप्त नहीं हैं । इसके लिए नये प्रयोगों की, नयी भाव-योजनाओं को व्यक्त करने के लिए नये शब्दों की खोज की महती आवश्यकता है ।

i) पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) 'उद्भूत' और 'परंपरागत' शब्दों के अर्थ लिखिए ।

iv) भाषा परिवर्तनशील क्यों है ?

v) प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने किस बात पर बल दिया है ?

अथवा

मातृभूमि पर निवास करनेवाले मनुष्य राष्ट्र का दूसरा अंग हैं । पृथ्वी हो और मनुष्य न हो, तो राष्ट्र की कल्पना असंभव है । पृथ्वी और जन दोनों के सम्मिलन से ही राष्ट्र का स्वरूप संपादित होता है । जन के कारण ही पृथ्वी मातृभूमि की संज्ञा प्राप्त करती है । पृथ्वी माता है और जन सच्चे अर्थों में पृथ्वी का पुत्र है - (माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः ।)-भूमि माता है, मैं उसका पुत्र हूँ । जन के हृदय में इस सूत्र का अनुभव ही राष्ट्रीयता की कुंजी है । इसी भावना से राष्ट्र-निर्माण के अंकुर उत्पन्न होते हैं । 5.

i) प्रस्तुत गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) राष्ट्र का दूसरा अंग क्या है ?

iv) राष्ट्र की कल्पना कब असंभव है ?

v) राष्ट्रीयता की कुंजी क्या है ?

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

''क्या कर सकती थी, मरी मंथरा दासी,

मेरा ही मन रह सका न निज विश्वासी । 6.

जल पंजर-गत अब अरे अधीर, अभागे,

वे ज्वलित भाव थे स्वयं तुझी में जागे ।''

i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) 'पंजर-गत' और 'ज्वलित' शब्दों के अर्थ लिखिए ।

iv) कैकेयी अपने अन्तर्मन को 'अधीर' और 'अभागा' मानकर क्या कहती है ?

v) 'जल पंजर-गत अब अरे अधीर अभागे' पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार का नामोल्लेख कीजिए ।

अथवा

सामने टिकते नहीं वनराज, पर्वत डोलते हैं,
काँपता है कुंडली मारे समय का व्याल,
मेरी बाँह में मारुत, गरुड़, गजराज का बल है ।
मर्त्य मानव की विजय का तूर्य हूँ मैं,
उर्वशी ! अपने समय का सूर्य हूँ मैं ।

i) प्रस्तुत पद्यांश की कविता का शीर्षक और कवि के नाम का उल्लेख कीजिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) राजा पुरुरवा किससे अपने मन की स्थिति का वर्णन कर रहे हैं ?

iv) प्रस्तुत पद्यांश में प्रयुक्त रस योजना का उल्लेख कीजिए ।

v) 'काँपता है कुंडली मारे समय का व्याल' इसका आशय स्पष्ट कीजिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक लेखक** का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

i) हजारीप्रसाद द्विवेदी

ii) वासुदेवशरण अग्रवाल

iii) हरिशंकर परसाई ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक कवि** का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

i) सुमित्रानन्दन पन्त

ii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

iii) मैथिलीशरण गुप्त ।

6. 'बहादुर' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

अथवा

'पंचलाइट' कहानी के उद्देश्य को अपने शब्दों में लिखिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी **एक** खण्ड के **एक** प्रश्न का उत्तर दें ।

(अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक कौन हैं ? उनका चारित्रिक विश्लेषण कीजिए ।

ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के सर्वाधिक मार्मिक प्रसंग को अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर युधिष्ठिर की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।

iii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर कृष्ण का चरित्रांकन कीजिए ।

iv) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य में वर्णित किसी प्रेरणास्पद कथा को अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'हर्ष एक सच्चा त्यागपथी था ।' उक्ति के आधार पर हर्षवर्धन का चरित्रांकन कीजिए ।

vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के मार्मिक प्रसंगों का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर दशरथ का चरित्रचित्रण कीजिए ।

(खण्ड-ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिये : 2 + 5 = 7

शिक्षयैव देशे समाजे च नवीनः प्रकाशः उदेति, अतः श्रीमालवीयः वाराणस्यां काशीहिन्दूविश्वविद्यालयस्य संस्थापनमकरोत् । अस्य निर्माणाय अयं जनान् धनम् अयाचत् । जनस्य महत्यस्मिन् ज्ञानयज्ञे प्रभूतं धनमस्मै प्रयच्छन्, तेन निर्मितोऽयं विशालः विश्वविद्यालयः भारतीयानां दानशीलतायाः श्रीमालवीयस्य यशसः च प्रतिमूर्तिरिव विभाति । https://www.upboardonline.com

अथवा

याज्ञवल्क्य उवाच- न वा अरे मैत्रेयि ! पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति । आत्मनस्तु वै कामाय पतिः प्रियो भवति । न वा अरे, जायायाः कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु वै कामाय जाया प्रिया भवति । न वा अरे, पुत्रस्य वित्तस्य च कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति । न वा अरे सर्वस्य कामाय सर्वं प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय सर्वं प्रियं भवति ।

(ख) दिये गये पद्यांशों में से किसी **एक** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

काव्य-शास्त्र-विनोदेन कालो गच्छति धीमताम् ।।
व्यसनेन च मूर्खाणां निद्रया कलहेन वा ।।

अथवा

विरल विरलाः स्थूलास्ताराः कलाविवसज्जनाः
मन इव मुनेः सर्वत्रैव प्रसन्नमभून्नभः ।।
अपसरति च ध्वान्तं चिन्तात्सतामिवदुर्जनः
व्रजति च निशा क्षिप्रं लक्ष्मीरनुद्यमिनामिव ।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी **एक** का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) नाक का बाल होना (ii) टोपी उछालना
(iii) हाथ कंगन को आरसी क्या (iv) पढ़े फारसी बेचें तेल ।

10. अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

साहस और आत्म विश्वास के साथ जीना ही सच्चा जीवन है । साहसी व्यक्ति कभी भी अपना कर्म नहीं छोड़ता । एक बार असफल होने पर भी नयी उमंग, नये विश्वास व नये साहस से पुनःपुनरपि प्रयत्न करता है । ऐसे व्यक्ति के सामने पर्वत भी अपना सिर झुका लेते हैं और दुराशा उनके पास तक नहीं फटकती । ऐसे व्यक्ति ही अपने राष्ट्र व समाज के सच्चे अर्थों में नेता होते हैं । संसार का इतिहास ऐसे व्यक्तियों के कार्यकलापों से भरा पड़ा है । जिस देश में ऐसे कर्मवीर का जन्म हुआ, वह देश अपनी नींद से जाग उठा । जिस समाज में ऐसे व्यक्ति का प्रवेश हुआ, वह समाज उठ खड़ा हुआ । जिस दिशा में जन-नायक के पैर उठ गये, उसी दिशा में प्रकाश की किरण फूट पड़ी । हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी ऐसे ही कर्मवीर थे । हमारे लिए उनका यही सन्देश है, ''फल की परवाह किये बिना अपना काम करते रहो, न कठिनाई से डरो, न बाधाओं से ।''

(i) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए । 1
(ii) सच्चा जीवन किसे कहते हैं ? 2
(iii) कर्मवीर की क्या विशेषताएँ होती हैं ? 2

अथवा

उड़नतस्तरी का अंग्रेजी पर्याय 'अनआइडेण्टीफाइड फ्लाइंग ऑब्जेक्ट' (यू०एफ०ओ०) है । ऐसा माना जाता है कि यह अति बुद्धिमान परग्रही जीव अर्थात् एलियन द्वारा निर्मित तस्तरी या डिस्कनुमा अत्याधुनिक तकनीक सम्पन्न ऐसी चीज़ है जिसका उपयोग अन्तरिक्ष यान के रूप में किया जाता है । यह अब तक जाँच का विषय बना हुआ है और वैज्ञानिकों के लिए एक अनसुलझा रहस्य है । ''एलियंस का हमसे मिलना हमारे लिए अच्छा न हो सकेगा, जैसे कोलम्बस का अमेरिका की भूमि पर उतरना वहाँ के मूल निवासियों के लिए अच्छा न था ।'' यह बात विश्वविख्यात वैज्ञानिक स्टीफन हाकिंग ने कही है । वर्ष 1954 में फ्लोरेन्स स्थित स्टेडियम में खेले जा रहे फुटबाल मैच के दौरान अचानक लोगों का ध्यान खेल से हटकर आकाश में तेजी से घूमती हुयी प्रकाशमान आवाज न करने वाली और गतिशील तश्तरीनुमा वस्तु पर गया, जो यू०एफ०ओ० था ।

(i) यू०एफ०ओ० का पूरा नाम क्या है ? 1
(ii) स्टीफन हाकिंग ने एलियंस के बारे में क्या कहा ? 2
(iii) एलियंस किन्हें कहा गया है ? 2

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) तरंग-तुरंग -

(अ) हाथी और घोड़ा (ब) लहर और घोड़ा

(स) घोड़ा और लहर (द) तेज आवाज और धीमी आवाज 1

(ii) कंकाल-कंगाल -

(अ) मृत शरीर और पक्षी (ब) अस्थि पंजर और निर्धन

(स) ढाँचा और गरीब (द) हड्डी और कंगन 1

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी **एक** शब्द के दो सही अर्थ लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) मंगल (ii) तात

(iii) हेम (iv) शिलीमुख

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही शब्द का चयन करके लिखिए :

(i) किये गये उपकार मानने वाला - https://www.upboardonline.com

(अ) कृतघ्न (ब) उपकारी

(स) कृतज्ञ (द) धन्यवादी 1

(ii) बहुत अधिक बोलने वाला -

(अ) मितभाषी (ब) अधिभाषी

(स) वाचाल (द) बकवादी 1

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) प्रांजल, शिवाय और प्रवेक आएगा ।

(ii) रमेश पुस्तक को पढ़ता है ।

(iii) केवल एक प्रश्न मात्र का उत्तर देना है ।

(iv) भारत में प्राथमिक शिक्षा निशुल्क है ।

12. (क) 'हास्य' रस **अथवा** 'शान्त' रस का लक्षण सहित एक उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ख) 'भ्रान्तिमान' अलंकार **अथवा** 'उपमा' अलंकार का लक्षण एवं एक उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ग) 'सोरठा' छन्द **अथवा** 'कुण्डलिया' छन्द का लक्षण एवं एक उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

13. दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित विज्ञापन के आधार पर सम्बन्धित कॉलेज में 'कम्प्यूटर ऑपरेटर' के पद पर अपनी नियुक्ति हेतु उस कॉलेज के प्रबन्धक को आवेदन पत्र लिखिए जिसमें अपनी शैक्षिक योग्यता का भी उल्लेख कीजिए । 2 + 4 = 6

अथवा

अपने क्षेत्र के फर्जी राशन कार्डों की जाँच हेतु जिला पूर्ति अधिकारी को शिकायती पत्र लिखिए ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 2 + 7 = 9

(i) वन रहेंगे, हम रहेंगे

(ii) ओलम्पिक खेल-2024 और भारत

(iii) विद्यालय के पठन-पाठन में इण्टरनेट का योगदान

(iv) प्राकृतिक आपदाएँ और उनका प्रबन्धन

(v) कबीर की प्रासंगिकता ।

J019559

अनुक्रमांक .....

नाम .....

102

302(HL)

2025

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र **दो भागों – खण्ड 'क'** तथा **खण्ड 'ख'** में विभाजित है ।

ii) दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(खण्ड–क)

1. क) 'पुनर्नवा' उपन्यास के लेखक हैं

i) महावीर प्रसाद द्विवेदी ii) हजारीप्रसाद द्विवेदी

iii) वासुदेवशरण अग्रवाल iv) रामवृक्ष बेनीपुरी 1

ख) 'महके आँगन चहके द्वार' के लेखक हैं

i) रामवृक्ष बेनीपुरी ii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

iii) अमृतलाल नागर iv) हरिशंकर परसाई 1

ग) 'संस्कृति के चार अध्याय' के लेखक हैं

i) रघुवीर सिंह ii) डॉ० श्यामसुन्दर दास

iii) रामधारी सिंह 'दिनकर' iv) हजारीप्रसाद द्विवेदी 1

घ) मुंशी प्रेमचन्द द्वारा सम्पादित पत्र है

i) 'हंस' ii) 'मर्यादा'

iii) 'कर्मवीर' iv) 'धर्मयुग' 1

ङ) निम्नलिखित में से कौन-सी रचना 'अज्ञेय' का यात्रा-वृत्तान्त है ?

i) 'स्मृतिलेखा' ii) 'एक बूँद सहसा उछली'

iii) 'आँगन के पार द्वार' iv) 'अपने अपने अजनबी' 1

2. क) 'चिदम्बरा' कृति किस रचनाकार की है ?

i) जयशंकर प्रसाद ii) सुमित्रानंदन पंत

iii) महादेवी वर्मा iv) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' 1

ख) 'कामायनी' महाकाव्य किस काल की कृति है ?

i) आदिकाल युग ii) भक्तिकाल युग

iii) रीतिकाल युग iv) छायावाद युग 1

ग) 'तीसरा सप्तक' का प्रकाशन वर्ष है

i) सन् 1947 ii) सन् 1955 iii) सन् 1959 iv) सन् 1954 1

घ) 'रामधारी सिंह दिनकर' को काव्य कृति 'उर्वशी' पर कौन सा पुरस्कार प्राप्त हुआ था ?

i) 'साहित्य अकादमी पुरस्कार' ii) 'मंगला प्रसाद पुरस्कार'

iii) 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' iv) सोवियत लैण्ड नेहरू पुरस्कार 1

ङ) 'राम की शक्ति पूजा' कृति के रचनाकार हैं

i) सुमित्रानंदन पंत ii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

iii) जयशंकर प्रसाद iv) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' 1

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

भाषा की साधारण इकाई शब्द है, शब्द के अभाव में भाषा का अस्तित्व ही दुरुह है । यदि भाषा में विकसनशीलता शुरू होती है तो शब्दों के स्तर पर ही । दैनंदिन सामाजिक व्यवहारों में हम कई ऐसे नवीन शब्दों का इस्तेमाल करते हैं जो अंग्रेजी, अरबी, फारसी आदि विदेशी भाषाओं से उधार लिए गए हैं । वैसे ही नये शब्दों का गठन भी अनजाने में अनायास ही होता है । ये शब्द अर्थात् उन विदेशी भाषाओं से सीधे अविकृत ढंग से उधार लिए गए शब्द भले ही कामचलाऊ माध्यम से प्रयुक्त हों, साहित्यिक दायरे में कदापि ग्रहणीय नहीं । यदि ग्रहण करना पड़े तो उन्हें भाषा की मूल प्रकृति के अनुरूप साहित्यिक शुद्धता प्रदान करनी पड़ती है । यहाँ प्रयत्न की आवश्यकता प्रतीत होती है ।

i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) भाषा की साधारण इकाई क्या है ?

iv) दैनिक व्यवहार में हम किन शब्दों का प्रयोग करते हैं ?

v) 'दैनंदिन' और 'अविकृत' शब्दों के अर्थ लिखिए ।

अथवा

कहते हैं दुनियाँ बड़ी भुलक्कड़ है । केवल उतना ही याद रखती है, जितने से उसका स्वार्थ सधता है । बाकी को फेंककर आगे बढ़ जाती है । शायद अशोक से उसका स्वार्थ नहीं सधा । क्यों उसे वह याद रखती ? सारा संसार स्वार्थ का अखाड़ा ही तो है । अशोक का वृक्ष जितना भी मनोहर हो, जितना भी रहस्यमय हो, जितना भी अलंकारमय हो, परन्तु है वह उस विशाल सामंत सभ्यता की परिष्कृत रुचि का ही प्रतीक, जो साधारण प्रजा के परिश्रमों पर पली थी उसके रक्त के संसार कणों को खाकर बड़ी हुई थी और लाखों-करोड़ों की उपेक्षा से जो समृद्ध हुई थी । वे सामंत उखड़ गये, समाज ढह गये और मदनोत्सव की धूम-धाम भी मिट गई ।

i) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक एवं लेखक के नाम लिखिए ।

ii) लेखक ने दुनिया को भुलक्कड़ क्यों कहा है ?

iii) अशोक वृक्ष किसकी परिष्कृत रुचि का प्रतीक है ?

iv) लेखक ने किस प्रकार के लोगों को स्वार्थी कहा है ?

v) 'परिष्कृत' और 'मदनोत्सव' शब्दों के अर्थ लिखिए ।

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

यह मनुज ब्रह्मांड का सबसे सुरम्य प्रकाश
कुछ छिपा सकते न जिससे भूमि या आकाश
यह मनुज जिसकी शिखा उद्दाम
कर रहे जिसको चराचर भक्तियुक्त प्रणाम
यह मनुज जो सृष्टि का शृंगार
ज्ञान का विज्ञान का आलोक का आगार
व्योम से पाताल तक सब कुछ इसे है ज्ञेय
पर यह न परिचय मनुज का यह न उसका श्रेय ।

i) उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) आकाश और पृथ्वी का कोई भी तत्व किससे अज्ञात नहीं रह सका ?

iv) संसार के सभी जड़ चेतन पदार्थ किस कारण मनुष्य को प्रणाम करते हैं ?

v) 'उद्दाम' और 'आलोक' शब्दों के अर्थ लिखिए ।

अथवा

छायाएँ मानव जन की,
नहीं मिटीं लम्बी हो हो कर
मानव ही सब भाप हो गये
छायायें तो अभी लिखी हैं
झुलसे हुए पत्थरों पर
उजड़ी सड़कों की गच पर
मानव का रचा हुआ सूरज
मानव को भाप बनाकर सोख गया
पत्थर पर लिखी हुई यह
जली हुई छाया
मानव की साखी है

i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

ii) प्रस्तुत कविता में किस घटना का संकेत है ? स्पष्ट कीजिए ।

iii) 'मानव का रचा हुआ सूरज' किसे कहा गया है ?

iv) मानव जन की छायायें लम्बी हो हो कर क्यों नहीं मिटीं ?

v) 'गच' और 'साखी' शब्दों के अर्थ लिखिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

i) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

ii) वासुदेवशरण अग्रवाल

iii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों को लिखें : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

i) महादेवी वर्मा

ii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

iii) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' ।

6. 'पंचलाइट' अथवा 'लाटी' कहानी का उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

अथवा

'बहादुर' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दें । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) https://www.upboardonline.com 5

i) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'दशरथ' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए ।

ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य का कथानक संक्षिप्त रूप में अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

iii) 'मुक्तियज्ञ' का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

iv) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'राज्यश्री' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथा का सारांश लिखिए ।

v) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर असहयोग आन्दोलन की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए ।

vi) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'दुःशासन' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(खण्ड–ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिये : 2 + 5 = 7

याज्ञवल्क्यो मैत्रेयीमुवाच–मैत्रेयि ! उद्यास्यन् अहम् अस्मात् स्थानादस्मि । ततस्ते अनया कात्यायन्या विच्छेदं करवाणि इति । मैत्रेयी उवाच–यदीयं सर्वा पृथ्वी वित्तेन पूर्णा स्यात्, तत् किं तेनाहममृता स्यामिति । याज्ञवल्क्य उवाच–नेति । यथैवोपकरणवतां जीवनं तथैव ते जीवनं स्यात् । अमृतत्वस्य तु ना शास्ति वित्तेन इति । सा मैत्रेयी उवाच–येनाहं नामृता स्याम् किमहं तेन कुर्याम् । यदेव भगवान केवलममृत्वसाधनं जानाति तदेव मे ब्रूहि । याज्ञवल्क्य उवाच–प्रिया नः सती त्वं प्रियं भाषसे । एहि उपविश व्याख्यास्यामिते अमृत तत्वसाधनम् ।

अथवा

हिन्दी संस्कृताङ्ग्ल भाषासु अस्य समानः अधिकारः आसीत् । हिन्दी–हिन्दुहिन्दुस्थानानामुत्थानाय अयं निरन्तरं प्रयत्नमकरोत् । शिक्षयैव देशे समाजे व नवीनः प्रकाशः उदेतिः अतः श्रीमालवीयः वाराणस्यां काशी हिन्दू विश्वविद्यालयस्य संस्थापनमकरोत् । अस्य निर्माणाय अयं जनान् धनम् अयाचत जनाश्च महत्यस्मिन् ज्ञानयज्ञे प्रभूतं धनमस्मै प्रायच्छन्, तेन निर्मितोऽयं विशालः विश्वविद्यालयः भारतीयानां दानशीलतायाः श्रीमालवीयस्य यशसः च प्रतिमूर्तिरिव विभाति ।

(ख) दिये गये पद्यांशों में से किसी **एक** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

परोक्षे कार्यहन्तारं प्रत्यक्षे प्रियवादिनम् ।
वर्जयेत्तादृशं मित्रं विषकुम्भं पयोमुखम् ।।

अथवा

विरलविरलाः स्थूलस्ताराः कलाविव सज्जना
मन इव मुनेः सर्वत्रैव प्रसन्नमभून्नभः
अपसरति च ध्वान्तं चित्तात्सतामिव दुर्जनः
व्रजति च निशा क्षिप्रं लक्ष्मीरनुद्यमिनामिव ।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी **एक** का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) दाँत खट्टे करना (ii) दाल में काला होना
(iii) नाकों चने चबाना (iv) पौ बारह होना ।

10. अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

संस्कृत में एक कहावत है कि दुर्जन दूसरों के राई के समान मामूली दोषों को पहाड़ के समान बड़ा बनाकर देखता है और अपने पहाड़ के समान बड़े पापों को देखते हुए भी नहीं देखता । सज्जन या महात्मा ठीक इसके विपरीत होते हैं । उनका ध्यान दूसरों के बजाय केवल अपने दोषों पर जाता है । अधिकांश व्यक्तियों में कोई न कोई बुराई अवश्य होती है । कोई भी बुराई न होने पर व्यक्ति देवता की कोटि में आ जाता है । मनुष्य को अपनी बुराइयों को दूर करने का प्रयत्न करना चाहिए, न कि दूसरों की कमियों को लेकर छीटाकशी करने या टीका-टिप्पणी करने का । अपने मन की परख मन को पवित्र करने का सर्वोत्तम साधन है । आत्मनिरीक्षण आत्मोन्नति का सर्वश्रेष्ठ मार्ग है । अपनी भूलों पर ध्यान देना या उन्हें स्वीकार करना आत्मबल का चिह्न है । जो लोग दूसरों के सामने अपनी भूल नहीं मानते, वे सबसे बड़े कायर हैं । जिनका अन्तःकरण शीशे के समान उज्ज्वल है उसे तुरन्त अपनी भूल महसूस हो जाती है । मन तो दर्पण है, मन में पाप है, तो जग में पाप दिखाई देता है । पवित्र आचरण वाले मन को देखते हैं तो उन्हें लगता हैं अभी मुझमें कोई कमी शेष है यही उनकी नम्रता एवं साधना है ।

(i) सज्जन या महात्माओं का आचरण कैसा होता है ? 2
(ii) कौन से व्यक्ति देवता की कोटि में आते हैं ? 2
(iii) आत्मोन्नति का सर्वश्रेष्ठ मार्ग क्या है ? 1

अथवा

बहुत-से विद्वानों ने तथा चिन्तकों ने इस बात को लेकर चिन्ता प्रकट की है, कि भारतीय समाज आधुनिकता से बहुत दूर है । तथा भारतीय अपने आपको आधुनिक बनाने का प्रयत्न भी नहीं कर रहे हैं । नैतिकता, सौन्दर्य बोध और अध्यात्म के समान आधुनिकता कोई शाश्वत मूल्य नहीं है । वह कई चीजों का एक सम्मिलित नाम है । औद्योगीकरण आधुनिकता की पहचान है । साक्षरता का सर्वव्यापी प्रसार आधुनिकता की सूचना देता है । नगर सभ्यता का प्राधान्य आधुनिकता का गुण है । सीधी सादी अर्थव्यवस्था मध्यकालीनता का लक्षण है ।

आधुनिक देश वह है, जिसकी अर्थव्यवस्था जटिल और प्रसरणशील हो, और जो टेक ऑफ की स्थिति को पार कर चुकी हो । आधुनिक समाज मुक्त और मध्यकालीन समाज बंद होता है, वह समाज से प्रभाव ग्रहण नहीं करता, और अपने सदस्यों को भी धन या संस्कृति की दीर्घा में ऊपर उठने की खुली छूट नहीं देता । वह जातिप्रथा और गोत्रवाद से पीड़ित है तथा अंधविश्वासी गतानुगतिक एवं संकीर्ण है । आधुनिक समाज में उन्मुक्तता होती है वह सामरिक दृष्टि से भी बलवान होता है । जो देश अपनी रक्षा के लिये भी लड़ने में असमर्थ है, उसे आधुनिक कहलाने का कोई अधिकार नहीं है ।

(i) आधुनिकता की पहचान लेखक के अनुसार किन-किन तथ्यों से मिलकर होती है ? 2

(ii) आधुनिक समाज को मुक्त कहने का क्या अभिप्राय है ? 2

(iii) कौन समाज जातिप्रथा और गोत्रवाद से पीड़ित है ? 1

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) पुरुष-परुष -

(अ) पुरु नामक राजा और क्रोध (ब) आदमी और कठोर

(स) व्यक्ति और असत्य वचन (द) पुरुषार्थ और कठोरता 1

(ii) तरंग-तुरंग -

(अ) मन की लहर और शीघ्र (ब) लहर और घोड़ा

(स) हाथी और घोड़ा (द) तेज आवाज और धीमी आवाज 1

(ख) निम्नलिखत शब्दों में से किसी एक शब्द के दो सही अर्थ लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) अनन्त (ii) अक्षर

(iii) अक्षत (iv) अक्ष ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही शब्द का चयन करके लिखिए :

(i) जिसके पास कुछ न हो -

(अ) निर्धन (ब) गरीब

(स) अकिंचन (द) अनाथ 1

(ii) जो कहा न जा सके -

(अ) अनुकथन (ब) अनकहा

(स) अकथनीय (द) न कहने योग्य 1

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) मैं सकुशलपूर्वक हूँ ।

(ii) पाँच रेलवे के कर्मचारी पकड़े गये ।

(iii) उसका प्राण निकलने वाला है ।

(iv) आप प्रातःकाल के समय आइएगा ।

J2971 29

12. (क) 'वीर' रस अथवा 'करुण' रस का स्थायीभाव लिखकर उदाहरण दीजिए । 1 + 1 = 2

(ख) 'उपमा' अलंकार अथवा 'रूपक' अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ग) 'चौपाई' छन्द अथवा 'कुण्डलिया' छन्द का लक्षण तथा उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

13. बैंक में खाता खोलने के लिए बैंक प्रबंधक को प्रार्थनापत्र लिखिए । 2 + 4 = 6

अथवा

अपने मुहल्ले की नालियों की समुचित सफाई के लिये नगरपालिका के अध्यक्ष को एक प्रार्थना-पत्र लिखिए ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 2 + 7 = 9

(i) मेरा प्रिय खेल

(ii) नयी शिक्षा नीति की विशेषताएँ

(iii) महिला सशक्तीकरण का समाज के विकास में प्रभाव

(iv) आतंकवाद की समस्या और समाधान

(v) विद्यालय में पुस्तकालय का महत्व ।

J2971 29

J2971 29

अनुक्रमांक

नाम :

102

302(HK)

2025

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो खण्डों – खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख' में विभाजित है ।

ii) दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(खण्ड–क)

1. क) 'अंधेर नगरी' किस विधा की रचना है ?

i) उपन्यास ii) नाटक iii) कहानी iv) यात्रावृत्त 1

ख) हिन्दी की प्रथम कहानी किसे माना जाता है ?

i) रानी केतकी की कहानी ii) दुलाई वाली

iii) इन्दुमती iv) ग्यारह वर्ष का समय 1

ग) 'भारतेन्दु युग' की पत्रिका नहीं है

i) आनंद कादम्बिनी ii) ब्राह्मण iii) सरस्वती iv) हरिश्चन्द्र चन्द्रिका 1

घ) 'क्षण बोले कण मुस्काए' कृति के लेखक हैं

i) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी ii) हरिशंकर परसाई

iii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' iv) 'अज्ञेय' 1

ङ) 'नींड़ का निर्माण फिर' किसकी कृति है ?

i) मुंशी प्रेमचन्द की ii) बालकृष्ण भट्ट की

iii) हरिवंशराय 'बच्चन' की iv) प्रताप नारायण मिश्र की 1

2. क) 'अष्टयाम' के रचयिता हैं

i) गोकुलदास ii) विट्ठल नाथ iii) नाभादास iv) वल्लभाचार्य 1

ख) 'रसकलश' कृति के रचयिता हैं

i) जयशंकर प्रसाद ii) सुमित्रानंदन पन्त

iii) महादेवी वर्मा iv) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' 1

ग) 'नीरजा' रचना है

i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की ii) मैथिलीशरण गुप्त की

iii) महादेवी वर्मा की iv) जयशंकर प्रसाद की 1

घ) 'साहित्य लहरी' के रचयिता हैं

i) तुलसीदास ii) जगन्नाथ दास 'रत्नाकर'

iii) महादेवी वर्मा iv) सूरदास 1

ङ) 'परिमल' के रचनाकार हैं

i) जयशंकर प्रसाद ii) 'अज्ञेय'

iii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' iv) गजानन माधव 'मुक्तिबोध' 1

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

गाँवों और जंगलों में स्वच्छन्द जन्म लेनेवाले लोकगीतों में तारों के नीचे विकसित लोककथाओं में संस्कृति का अमिट भंडार भरा हुआ है, जहाँ से आनंद की भरपूर मात्रा प्राप्त हो सकती है । राष्ट्रीय संस्कृति के परिचय काल में उन सबका स्वागत करने की आवश्यकता है ।

पूर्वजों ने चरित्र और धर्म-विज्ञान, साहित्य, कला और संस्कृति के क्षेत्र में जो कुछ भी पराक्रम किया है, उस सारे विस्तार को हम गौरव के साथ धारण करते हैं, और उसके तेज को अपने भावी जीवन में साक्षात् देखना चाहते हैं । यही राष्ट्र संवर्द्धन का स्वाभाविक प्रकार है । जहाँ अतीत वर्तमान के लिए भार रूप नहीं है, जहाँ भूत वर्तमान को जकड़ नहीं रखना चाहता, वरन् अपने वरदान से पुष्ट करके उसे आगे बढ़ाना चाहता है, उस राष्ट्र का हम स्वागत करते हैं ।

i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) संस्कृति के वाहक और संरक्षक के रूप में किसका उदाहरण दिया गया है ?

iv) लेखक के मतानुसार राष्ट्र की धरोहर क्या है ?

v) एक राष्ट्र की उन्नति कब संभव है ?

अथवा

नवीनीकरण कितना ही प्रशस्त कार्य क्यों न हुआ हो उस प्रक्रिया में यह भूलना नहीं चाहिए कि भाषा का मुख्य कार्य सुस्पष्ट अभिव्यक्ति है । यदि सुस्पष्टता और निर्दिष्टता से कोई भी भाषा वंचित रहे तो वह भाषा चिरकाल तक जीवित नहीं रह सकेगी । नये शब्दों के निर्माण में भी यही बात सोचनी चाहिए । इस संदर्भ में यह भी याद रखना चाहिए कि हम पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर उस शब्द की मूल आत्मा तथा सार्थकता पर उन्मुक्त विचार कर सकें । अँग्रेजी भाषा शासकों की भाषा रही और वह दासता की निशानी है - ऐसा सोचकर यदि हम नये शब्दों का निर्माण करने में लग जायँ, तो नुकसान हमारा ही होगा, अँग्रेजों का नहीं । उर्दू में प्रयुक्त अरबी और फारसी ने शब्दों को जो इस्लाम धर्म को ज्ञापित करने वाली है, हिन्दी वाले त्यागना आरंभ करें, तो हिन्दी भाषा सहज भाषा न रहकर एकदम बनावटी बनेगी । 5

i) पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) कौन सी भाषा चिरकाल तक जीवित नहीं रह सकेगी ?

iv) अँग्रेजी भाषा किसकी निशानी है ?

v) 'निर्दिष्टता' और 'सुस्पष्टता' का अर्थ लिखिए ।

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

लज्जाशीला पथिक महिला जो कहीं दृष्टि आये
होने देना विकृत वसना तो न तू सुंदरी को
जो थोड़ी भी श्रमित वह हो गोद ले श्रांति खोना
होंठों की औ कमल मुख की म्लानतायें मिटाना
ज्यों ही मेरा भवन तज तू स्वल्प आगे बढ़ेगी
शोभावाली सुखद कितनी मंजु कुंजें मिलेंगी
प्यारी छाया मृदुल स्वर से मोह लेंगी तुझे वे
तो भी मेरा दुख लख वहाँ जा न विश्राम लेना

i) प्रस्तुत पद्यांश के कवि एवं पाठ के शीर्षक का उल्लेख कीजिए ।

ii) उपर्युक्त पद्यांश का प्रसंग लिखिए ।

iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iv) राधा पवन दूतिका से राह में मिलनेवाले पथिकों से कैसा व्यवहार करने को कहती है ?

v) लज्जाशीला महिला के लिए राधा ने क्या कहा ?

अथवा

बैठी थी अचल तथापि असंख्य तरंगा,
वह सिंही अब थी हहा ! गोमुखी गंगा ।
"हाँ, जानकर भी मैंने न भरत को जाना,
सब सुन लें, तुमने स्वयं अभी यह माना ।
यह सच है तो फिर लौट चलो घर भैया,
अपराधिन मैं हूँ तात, तुम्हारी मैया ।"

i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

ii) 'गंगा' शब्द के दो पर्यायवाची लिखिए ।

iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iv) 'सिंही' और 'गोमुखी' गंगा से क्या अभिप्राय है ?

v) उपर्युक्त पद्यांश में प्रयुक्त रस और उसका स्थायी भाव लिखिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

i) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

ii) हरिशंकर परसाई

iii) वासुदेवशरण अग्रवाल ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

i) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

ii) मैथिलीशरण गुप्त

iii) जयशंकर प्रसाद ।

6. 'बहादुर' अथवा 'पंचलाइट' कहानी का उद्देश्य पर प्रकाश डालिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

अथवा

'ध्रुवयात्री' कहानी का वर्णन संक्षेप में कीजिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

i) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के नायक की विशेषतायें अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'आखेट' सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए ।

ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषतायें लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपनी भाषा में लिखिए ।

iii) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिये ।

https://www.upboardonline.com

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर 'नमक आन्दोलन' की कथावस्तु लिखिए ।

iv) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर हर्षवर्द्धन का चरित्र-चित्रण कीजिये ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

v) 'आलोकवृत्त' का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक की विशेषतायें लिखिए ।

vi) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर खण्डकाव्य की नायिका का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' के आधार पर 'द्रौपदी चीरहरण' के कथानक का उल्लेख कीजिए ।

(खण्ड–ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिये : 2 + 5 = 7

धन्योऽयं भारतदेशः यत्र समुल्लसति जनमानसपावनी, भव्यभावोदभाविनी, शब्द-सन्दोह-प्रसविनी सुरभारती । विद्यमानेषु निखिलेष्वपि वाङ्मयेषु अस्याः वाङ्मयं सर्वश्रेष्ठं सुसम्पन्नं च वर्तते । इयमेव भाषा संस्कृतनाम्नापि लोके प्रथिता अस्ति ।

अथवा

हंसराजः आत्मनः चित्तरुचितं स्वामिकम् आगत्य-वृणुयात् इति दुहितरमादिदेश । सा शकुनिसंघे अवलोकयन्ती मणिवर्णग्रीवं चित्र प्रेक्षणं मयूरं दृष्ट्वा 'अयं मे स्वामिको भवतु' इत्यभाषत् । मयूरः अद्यापि तावन्मे बलं न पश्यसि इति अति गर्वेण लज्जाञ्च त्यक्त्वा तावन्महतः शकुनिसंघस्य मध्ये पक्षौ प्रसार्य नर्तितुमारब्धवान् नृत्यन् चाप्रतिच्छन्नोऽभूत् । सुवर्णराजहंसः लज्जितः-अस्य नैव ह्रीः अस्ति न बर्हाणां समुत्थाने लज्जा । नास्मै गतत्रपाय स्वदुहितरं दास्यामि' इत्यकथयत् ।

(ख) दिये गये पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

काव्य-शास्त्र-विनोदेन कालो गच्छति धीमताम् ।
व्यसनेन च मूर्खाणां निद्रया कलहेन वा ।।

अथवा

भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती ।
तस्या हि मधुरं काव्यं तस्मादपि सुभाषितम् ।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) का वर्षा जब कृषि सुखाने (ii) अधजल गगरी छलकत जाय
(iii) आगे नाथ न पाछे पगहा (iv) अंत भला तो सब भला ।

10. अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

कवि काव्य रचना की प्रेरणा प्रकृति से प्राप्त करता है । काव्य में जहाँ भी प्रकृति चित्रण होता है वहाँ उसमें मानव सम्बन्ध और मानव जीवन पर पड़नेवाले प्रभावों का प्रतिविम्ब अवश्य रहता है ।

कवि जब मानवीय अन्तःक्षेत्र का चित्रांकन करता है, तो परोक्ष रूप से वह मानव जीवन का ही चित्रांकन करता है । काव्य मानव जीवन का चित्र है, जो आनंद, प्रेरणा और शक्ति का अजस्र स्रोत है ।

काव्य रचना की विभिन्न शैलियाँ हैं । मुक्तक, गीत, कविता, गजल, छंदहीन-कविता तथा आख्यान काव्य सभी काव्य रचना के प्रकार हैं । काव्य रचना विधाओं के विषय पर दृष्टिपात करने से काव्य के दो प्रधान रूप प्रतिष्ठित होते हैं - व्यक्तिगत काव्य और विषयगत काव्य ।

व्यक्तिगत काव्य में स्वानुभूतियों का चित्रण होता है । किसी वस्तु, व्यापार अथवा हृदय से प्राप्त होनेवाली अनुभूति कवि के निजीपन की आँच में तपकर जो निखरा हुआ रूप ग्रहण करती है, उसमें व्यक्ति तथ्य प्रधान होता है ।

बिहारी के दोहे, महादेवी जी के गीत तथा प्रसाद की आँसू जैसी रचनायें व्यक्तिगत काव्य के अन्तर्गत आती हैं । व्यक्तिगत काव्य में कवि की सफलता का प्रमाण यह है कि उसकी रचना में व्यक्त अनुभूति व्यक्ति प्रधान होते हुए भी पाठक को अपनी ही अनुभूति प्रतीत हो ।

(i) व्यक्तिगत काव्य और विषयगत काव्य में क्या अन्तर है ? 2
(ii) कवि मानव जीवन का चित्रांकन कब करता है ? 2
(iii) काव्य क्या है ? 1

अथवा

प्रतिकूल परिस्थितियों और विपदाओं का भी जीवन में महत्व है ।

विपत्तियों का सामना करने से मनुष्य की सूझ-बूझ बढ़ती है, उसकी शक्तियाँ विकसित होती हैं । जीवन में प्रायः वे लोग सफल होते हैं जो शुरू से ही विपत्तियों से लोहा लेते हैं, उनसे सबक सीखते हैं । जिन कष्टों से बचा नहीं जा सकता उनके बारे में यह देखना चाहिए कि कैसे उनका अच्छे से अच्छा उपयोग हो सकता है । जिसने दुख का कड़ुवा स्वाद नहीं चखा, वह सुख के मीठेपन का आनंद भी नहीं समझ सकता । विपरीत परिस्थितियाँ मनुष्य के सोये हुए बल को जगाती हैं और उसकी दृढ़ता में बढ़ोतरी करती हैं । वास्तव में जो विपत्तियों से घबड़ाता है, वह निर्बल है । विपत्तियाँ हमें सावधान करती हैं, सजग बनाती हैं । भगवान पर विश्वास कर पुरुषार्थ करने से परिस्थितियों को बदला जा सकता है । पुरुषार्थ से पूर्व के कुसंस्कार नष्ट किए जा सकते हैं । केवल मन के दुर्बल होने पर ही विपत्तियाँ मनुष्य को विचलित करती हैं । मनुष्य में शक्ति का अक्षय भंडार भरा है । अगर जीवन में आत्मबल, धैर्य, साहस, पुरुषार्थ, विवेक और ईश्वर का आश्रय हो तो प्रत्येक परिस्थिति में विजय प्राप्त कर निरन्तर प्रगति के पथ पर बढ़ा जा सकता है । विषम परिस्थितियों और अड़चनों में भी प्रसन्न रहें, स्वस्थ रहें । संतुलन न खोयें, आदर्शों को न छोड़ें ।

(i) विपत्तियों से सामना करने के लाभों को लिखिए । 2

(ii) जीवन में सफलता के लिये क्या आवश्यक है ? 2

(iii) पूर्व के कुसंस्कार नष्ट करने के लिए क्या आवश्यक है ? 1

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) यंत्रणा-मंत्रणा -

(अ) मशीनें और मंत्र की शक्ति (ब) जादू और मंत्र

(स) कष्ट देना और विचार विमर्श (द) टोना और झाड़-फूँक 1

(ii) अनुसरण-अनुकरण - https://www.upboardonline.com

(अ) पीछे रहना और बात करना (ब) पीछे चलना और नकल करना

(स) अनुसार और कार्य (द) पीछे देखना और नकल करना 1

(ख) निम्नलिखत शब्दों में से किसी एक शब्द के दो सही अर्थ लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) लक्ष्य (ii) नाक

(iii) पक्ष (iv) द्विज ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही शब्द का चयन करके लिखिए :

(i) जो बूढ़ा न हो -

(अ) स्वस्थ व्यक्ति (ब) अजर

(स) नौजवान (द) कम उम्र का व्यक्ति 1

(ii) जिसका जन्म न हुआ हो -

(अ) पेट का बच्चा (ब) आजन्म

(स) अजन्मा (द) अज 1

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 1 + 1

(i) समाचार पत्र मेज में रखा है ।

(ii) मैं इस लड़के को पढ़ाया हूँ ।

(iii) मैं आपके उज्वल भविष्य की कामना करता हूँ ।

(iv) कृपया पत्र लिखने की कृपा करें ।

12. (क) 'शृंगार' अथवा 'हास्य' रस का स्थायीभाव के साथ उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ख) 'अनुप्रास' अथवा 'यमक' अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ग) 'दोहा' छन्द अथवा 'सोरठा' छन्द का मात्रा सहित लक्षण एवं उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

13. निर्धन छात्र सहायता कोष से आर्थिक सहायता हेतु अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को एक आवेदन-पत्र लिखिए । 6

अथवा

बैंक के शाखा प्रबंधक को उच्च शिक्षा ग्रहण करने हेतु ऋण प्राप्ति के लिए एक प्रार्थना-पत्र लिखिए ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 2 + 7 = 9

(i) नई शिक्षण व्यवस्था में कम्प्यूटर का योगदान

(ii) मेरा प्रिय कवि / लेखक

(iii) पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता

(iv) बेरोजगारी की समस्या और समाधान

(v) वृक्षारोपण का महत्व ।

302(HK) - 2,72,650

J100691

अनुक्रमांक

नाम

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 11

102

302(HJ)

2025

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक : 100

नोट :

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में **दो खण्ड** हैं । दोनों खण्डों के **सभी** प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

खण्ड – 'क'

1. (क) 'पाणिनीकालीन भारतवर्ष' नामक कृति के लेखक हैं : 1

(A) बालकृष्ण भट्ट

(B) राधाचरण गोस्वामी

(C) डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल

(D) राजा लक्ष्मण सिंह

(ख) द्विवेदीयुगीन लेखक हैं : 1

(A) रायकृष्ण दास

(B) अध्यापक पूर्ण सिंह

(C) चतुरसेन शास्त्री

(D) उदयशंकर भट्ट

(ग) रामचन्द्र शुक्ल लिखित कहानी है :

(A) राजा भोज का सपना

(B) इन्दुमती

(C) एक टोकरी भर मिट्टी

(D) ग्यारह वर्ष का समय

(घ) 'जहाज का पंछी' रचना की विधा है :

(A) उपन्यास

(B) नाटक

(C) कहानी

(D) आत्मकथा

(ङ) 'आनन्द कादम्बिनी' के सम्पादक थे :

(A) बालकृष्ण भट्ट

(B) रामनाथ 'सुमन'

(C) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'

(D) अमृतराय

2. (क) 'निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल' – यह कथन है :

(A) महावीरप्रसाद द्विवेदी

(B) बालमुकुन्द गुप्त

(C) वियोगी हरि

(D) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(ख) 'कितनी नावों में कितनी बार' के रचयिता हैं : 1

(A) रामधारी सिंह 'दिनकर'

(B) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

(C) सुमित्रानन्दन पन्त

(D) 'अज्ञेय'

(ग) छायावादयुगीन कवि हैं : 1

(A) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

(B) प्रतापनारायण मिश्र

(C) जयशंकर प्रसाद

(D) श्रीधर पाठक

(घ) भारतेन्दुयुगीन रचना है : 1

(A) आनन्द अरुणोदय

(B) कामायनी

(C) साकेत

(D) भारत बारहमासा

(ङ) जयशंकर प्रसाद की काव्यकृति है : 1

(A) 'अनामिका'

(B) 'चित्राधार'

(C) 'ग्राम्या'

(D) 'दीपशिखा'

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 1

मातृभूमि पर निवास करने वाले मनुष्य राष्ट्र का दूसरा अंग हैं । पृथ्वी हो और मनुष्य न हों तो राष्ट्र की कल्पना असम्भव है । पृथ्वी और जन दोनों के सम्मिलन से ही राष्ट्र का स्वरूप सम्पादित होता है । जन के कारण ही पृथ्वी मातृभूमि की संज्ञा प्राप्त करती है । पृथ्वी माता है और जन सच्चे अर्थों में पृथ्वी का पुत्र है –

(माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः ।)

– भूमि माता है और मैं उसका पुत्र हूँ ।

जन के हृदय में इस सूत्र का अनुभव ही राष्ट्रीयता की कुञ्जी है । इसी भावना से राष्ट्र-निर्माण के अंकुर उत्पन्न होते हैं ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) राष्ट्र की कल्पना कब तक असम्भव है ?

(iv) पृथ्वी किसके कारण मातृभूमि की संज्ञा प्राप्त करती है ?

(v) पृथ्वी और जन दोनों मिलकर क्या-क्या करते हैं ?

अथवा

भाषा की साधारण इकाई शब्द है, शब्द के अभाव में भाषा का अस्तित्व ही दुरूह है । यदि भाषा में विकसनशीलता शुरू होती है तो शब्दों के स्तर पर ही । दैनन्दिन सामाजिक व्यवहारों में हम कई ऐसे नवीन शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, जो अंग्रेजी, अरबी, फारसी आदि विदेशी भाषाओं से उधार लिये गए हैं । वैसे ही नये शब्दों का गठन भी अनजाने में अनायास ही होता है । ये शब्द अर्थात् उन विदेशी भाषाओं से सीधे अविकृत ढङ्ग से उधार लिये गए शब्द भले ही कामचलाऊ ढंग से प्रयुक्त हों, साहित्यिक दायरे में कदापि ग्रहणीय नहीं । https://www.upboardonline.com

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) भाषा की साधारण इकाई क्या है ?

(iv) दैनिक व्यवहार में हम किन शब्दों का प्रयोग करते हैं ?

(v) 'दैनन्दिन' और 'अविकृत' शब्द का अर्थ लिखिए ।

6. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

नील परिधान बीच सुकुमार

खुल रहा मृदुल अधखुला अंग,

खिला हो ज्यों बिजली का फूल

मेघ-वन बीच गुलाबी रंग ।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) उपर्युक्त पद्यांश में किसके सौन्दर्य का वर्णन किया गया है ?

(iii) बिजली के फूल से क्या तात्पर्य है ?

(iv) 'परिधान' और 'मृदुल' शब्द किसके पर्यायवाची शब्द हैं ?

(v) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

मैं कब कहता हूँ जग मेरे दुर्धर गति के अनुकूल बने,

मैं कब कहता हूँ जीवन-मरु नन्दन-कानन का फूल बने ?

काँटा कठोर है तीखा है, उसमें उसकी मर्यादा है,

मैं कब कहता हूँ वह घटकर प्रांतर का ओछा फूल बने ?

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) 'दुर्धर' और 'प्रांतर' शब्दों के अर्थ लिखिए ।

(iii) 'जीवन-मरु नन्दन-कानन का फूल' में कौन सा अलङ्कार है ?

(iv) उपर्युक्त पद्यांश का भाव स्पष्ट कीजिए ।

(v) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा : **80** शब्द) **3 + 2 = 5**

(i) हजारीप्रसाद द्विवेदी

(ii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

(iii) हरिशंकर परसाई

(iv) डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : **3 + 2 = 5**

(i) जयशंकर प्रसाद

(ii) सुमित्रानन्दन पन्त

(iii) महादेवी वर्मा

(iv) 'अज्ञेय'

6. 'लाटी' कहानी का कथासार अपने शब्दों में लिखिए। (अधिकतम शब्द-सीमा : **80** शब्द) 5

अथवा

'ध्रुवयात्रा' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। (अधिकतम शब्द-सीमा : **80** शब्द)

स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए :

(अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) 5

(क) (i) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

(ख) (i) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग का कथानक लिखिए ।

(ii) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर हर्ष का चरित्रांकन कीजिए ।

(ग) (i) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'आखेटक' सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

(ii) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर श्रवणकुमार की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

(घ) (i) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर द्रौपदी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

(ङ) (i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी का चरित्राङ्कन कीजिए ।

(ii) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य का कथासार अपने शब्दों में लिखिए ।

(च) (i) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।

(ii) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

खण्ड – 'ख'

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांश का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

धन्योऽयं भारतदेशः यत्र समुल्लसति जनमानसपावनी, भव्यभावोद्भाविनी, शब्द-सन्दोह-प्रसविनी सुरभारती । विद्यमानेषु निखिलेष्वपि वाङ्मयेषु अस्याः वाङ्मयं सर्वश्रेष्ठं सुसम्पन्नं च वर्तते । इयमेव भाषा संस्कृतनाम्नापि लोके प्रथिता अस्ति ।

अथवा

बौद्धयुगे इमे सिद्धान्ताः वैयक्तिकजीवनस्य अभ्युत्थानाय प्रयुक्ता आसन् । परमद्य इमे सिद्धान्ताः राष्ट्राणां परस्परमैत्रीसहयोगकारणानि, विश्वबन्धुत्वस्य विश्वशान्तेश्च साधनानि सन्ति । राष्ट्रनायकस्य जवाहरलालमहोदयस्य प्रधानमन्त्रित्वकाले चीनदेशेन सहभारतस्य मैत्री पञ्चशीलसिद्धान्तानधिकृत्य एवाभवत् । https://www.upboardonline.com

(ख) दिये गये संस्कृत पद्यांश का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

सहसा विदधीत न क्रियामविवेकः परमापदां पदम् ।
वृणुते हि विमृश्यकारिणं गुणलुब्धाः स्वयमेव सम्पदः ।।

अथवा

विरलविरलाः स्थूलास्ताराः कलाविव सज्जनाः
मन इव मुनेः सर्वत्रैव प्रसन्नमभून्नभः ।।
अपसरति च ध्वान्तं चित्तात्सतामिव दुर्जनः
व्रजति च निशा क्षिप्रं लक्ष्मीरनुद्यमिनामिव ।।

9. निम्नलिखित मुहावरों एवं लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) अंधे के हाथ बटेर लगना

(ii) गिरगिट की तरह रंग बदलना

(iii) अन्त भला तो सब भला

(iv) जंगल में मोर नाचा किसने देखा

10. अपठित पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मुझे भ्रम होता है कि प्रत्येक पत्थर में

चमकता हीरा है,

हर-एक छाती में आत्मा अधीरा है,

प्रत्येक सुष्मित में विमल सदानीरा है,

मुझे भ्रम होता है कि प्रत्येक वाणी में

महाकाव्य पीड़ा है,

(i) उपर्युक्त पद्यांश में कवि ने क्या सन्देश दिया है ? 1

(ii) 'मुझे भ्रम होता है कि प्रत्येक पत्थर में चमकता हीरा है ।' इसका आशय स्पष्ट कीजिए । 2

(iii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए । 2

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) अंस-अंश 1

(A) पूर्ण और भाग (B) कन्धा और हिस्सा

(C) भाग और कन्धा (D) इनमें से कोई नहीं

(ii) वात-बात 1

(A) हवा और वार्ता (B) पवन और निश्चल

(C) अनल और वायु (D) इनमें से कोई नहीं

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) सुरभि

(ii) वारिद

(iii) नीरज

(iv) विधि

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द का चयन करके लिखिए :

(i) जिसका कहीं भी अन्त न हो

(A) अनन्त (B) अगण्य

(C) असंख्य (D) इनमें से कोई नहीं

(ii) 'जो बूढ़ा न हो'

(A) अमर (B) अखण्ड

(C) अजर (D) इनमें से कोई नहीं

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 1 + 1 =

(i) मीरा कृष्ण भक्त कवियित्री है ।

(ii) मेरा बाल सफेद हो रहा है ।

(iii) वह नदी को गया ।

(iv) मोहन मेरा कनिष्ट भ्राता है ।

12. (क) 'हास्य' **अथवा** 'शान्त' रस का लक्षण और एक उदाहरण लिखिए । 1 + 1 =

(ख) 'यमक' **अथवा** 'उपमा' अलंकार का लक्षण और एक उदाहरण लिखिए । 1 + 1 =

(ग) 'सोरठा' **अथवा** 'कुण्डलिया' छन्द का लक्षण और एक उदाहरण लिखिए । 1 + 1 =

13. अपनी गली/मोहल्ले की नालियों की सफाई हेतु नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए। 6

अथवा

बैंक से किसी व्यवसाय को करने के लिए ऋण प्राप्ति हेतु आवेदन-पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 2 + 7 = 9

(i) बेरोज़गारी की समस्या और समाधान

(ii) साहित्य समाज का दर्पण है

(iii) राष्ट्रीय एकता – वर्तमान समय की अनिवार्य आवश्यकता

(iv) पर्यावरण संरक्षण का महत्त्व

(v) विज्ञान वरदान है या अभिशाप

अनुक्रमांक _____

नाम _____ 3880657

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 11

102

302(HI)

2025

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक : 100

नोट :

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं । दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

खण्ड – 'क'

1. (क) 'भाषा योगवाशिष्ठ' के लेखक हैं : 1

(A) मुंशी सदासुखलाल

(B) रामप्रसाद 'निरञ्जनी'

(C) राजा शिवप्रसाद सिंह

(D) सदल मिश्र

(ख) 'क्षण बोले कण मुस्काए' रचना की विधा है : 1

(A) नाटक

(B) उपन्यास

(C) संस्मरण

(D) निबन्ध

(ग) चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' द्वारा लिखित कहानी है : 1

(A) प्रणयिनी परिणय

(B) ग्राम

(C) सुखमय जीवन

(D) जासूस का धोखा

(घ) शुक्लयुगीन लेखक हैं : 1

(A) उदयशंकर भट्ट

(B) महावीरप्रसाद द्विवेदी

(C) राधाचरण गोस्वामी

(D) बालकृष्ण भट्ट

(ङ) शुक्लोत्तर युगीन रचना है : 1

(A) रेल का विकट खेल

(B) कंकाल

(C) गोदान

(D) निराला की साहित्य-साधना

2. (क) 'एकान्तवासी योगी' कविता के रचनाकार हैं : 1

(A) बालमुकुन्द गुप्त

(B) अयोध्याप्रसाद खत्री

(C) श्रीधर पाठक

(D) इनमें से कोई नहीं

(ख) द्विवेदी युग के कवि हैं : 1

(A) केदारनाथ अग्रवाल

(B) सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

(C) रामनरेश त्रिपाठी

(D) नरेश मेहता

(ग) 'बादल को घिरते देखा है' नागार्जुन की कविता का युग है : 1

(A) प्रयोगवाद

(B) छायावाद

(C) द्विवेदी युग

(D) प्रगतिवाद

(घ) प्रयोगवाद के प्रवर्तक हैं : 1

(A) अज्ञेय

(B) मैथिलीशरण गुप्त

(C) सुमित्रानन्दन पन्त

(D) निराला

(ङ) 'तारसप्तक' का प्रकाशन वर्ष है : 1

(A) 1959

(B) 1936

(C) 1951

(D) 1943

5 × 2 = 10

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

रवीन्द्रनाथ ने इस भारतवर्ष को 'महामानवसमुद्र' कहा है । विचित्र देश है यह ! असुर आये, आर्य आये, शक आये, हूण आये, नाग आये, यक्ष आये, गन्दर्भ आये – न जाने कितनी मानव जातियाँ यहाँ आयीं और आज के भारतवर्ष को बनाने में अपना हाथ लगा गईं । जिसे हम हिन्दू रीति-नीति कहते हैं, ये अनेक आर्य और आर्येतर उपादानों का अद्भुत मिश्रण है । एक-एक पशु और एक-एक पक्षी न जाने कितनी स्मृतियों का भार लेकर हमारे सामने उपस्थित हैं । अशोक की भी अपनी स्मृति-परम्परा है । आम की भी, बकुल की भी, चम्पे की भी है । सब क्या हमें मालूम है ?

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या लिखिए ।

(iii) रवीन्द्रनाथ ने किसे 'महामानवसमुद्र' कहा है ?

(iv) भारतवर्ष के निर्माण में किन-किन जातियों का सहयोग रहा है ?

(v) उपर्युक्त गद्यांश का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

हमारी युवाशक्ति से सम्पर्क कायम करने के मेरे फैसले का आधार भी यही रहा है । उनके सपनों को जानना और उन्हें बताना कि अच्छे, भरे-पूरे और सुख-सुविधाओं से पूर्ण जीवन के सपने देखना तथा फिर स्वर्णिम युग के लिए काम करना सही है । आप जो कुछ भी करें वह आपके हृदय से किया गया हो, अपनी आत्मा को अभिव्यक्ति दें और इस तरह आप अपने आसपास प्यार तथा खुशियों का प्रसार कर सकेंगे ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) स्वर्णिम युग के लिए कार्य करना कब सही है ?

(iv) लेखक का युवा शक्ति से सम्पर्क कायम करने के फैसले का आधार क्या रहा है ?

(v) 'अभिव्यक्ति' तथा 'प्रसार' शब्द का अर्थ बताइए ।

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

यों प्यारे को विदित करके सर्व मेरी व्यथायें ।

धीरे-धीरे वहन करके पाँव की धूलि लाना ।

थोड़ी सी भी चरण-रज जो ला न देगी हमें तू ।

हा ! कैसे तू व्यथित चित को बोध मैं दे सकूँगी ।।

पूरी होवे न यदि तुझसे अन्य बातें हमारी ।

तो तू मेरी विनय इतनी मान ले और चली जा ।

छू के प्यारे कमल-पग को प्यार के साथ आ जा ।

जी जाऊँगी हृदय हृदयतल में मैं तुझी को लगा के ।।

(i) प्रस्तुत पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) राधा पवन-दूतिका से किसकी धूल लाने को कहती है ?

(iii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iv) राधा पवन-दूतिका से क्या-क्या प्रार्थना करती है ?

(v) उपर्युक्त पद्यांश का भाव स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

मैं नाम-गोत्र से रहित पुष्प,

अंबर में उड़ती हुई मुक्त आनन्द शिखा

इतिवृत्तहीन,

सौन्दर्य चेतना की तरंग;

सुर-नर-किन्नर-गन्धर्व नहीं,

प्रिय ! मैं, केवल अप्सरा

विश्वनर के अतृप्त इच्छा-सागर से समुद्भूत ।

3880657

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) इस पद्यांश में उर्वशी ने किसे अपना परिचय दिया है ?

(iv) आकाश में उड़ती हुई स्वच्छ आनन्द की शिखा कौन है ?

(v) उपर्युक्त पद्यांश का भाव लिखिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा : **80 शब्द**) https://www.upboardonline.com **3 + 2 = 5**

(i) हजारीप्रसाद द्विवेदी

(ii) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी

(iii) डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा : **80** शब्द) **3 + 2 = 5**

(i) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

(ii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

(iii) महादेवी वर्मा

(iv) सुमित्रानन्दन पन्त

6. 'पंचलाइट' कहानी का कथासार अपने शब्दों में लिखिए । (अधिकतम शब्द-सीमा : **80 शब्द**) **5**

अथवा

'बहादुर' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । (अधिकतम शब्द-सीमा : **80 शब्द**)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए :

(अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) 5

(क) (i) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

(ख) (i) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।

(ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्रांकन कीजिए ।

(ग) (i) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथासार अपने शब्दों में लिखिए ।

(ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर दुःशासन का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(घ) (i) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर दशरथ की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

(ii) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'श्रवण' सर्ग का कथानक लिखिए ।

(ङ) (i) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के षष्ठ सर्ग (नमक आन्दोलन) का कथानक लिखिए ।

(ii) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(च) (i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

(ii) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

खण्ड – 'ख'

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति । आत्मनस्तु वै कामाय पतिः प्रियो भवति । न वा अरे, जायायाः कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु वै कामाय जाया प्रिया भवति । न वा अरे, पुत्रस्य वित्तस्य च कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति ।

अथवा

हिन्दी-संस्कृताङ्ग्लभाषासु अस्य समानः अधिकारः आसीत् । हिन्दी-हिन्दुहिन्दुस्थानानामुत्थाय अयं निरन्तरं प्रयत्नमकरोत् । शिक्षयैवदेशे समाजे च नवीनः प्रकाशः उदेति, अतः श्रीमालवीयः वाराणस्यां काशीहिन्दूविश्वविद्यालयस्य संस्थापनमकरोत् । अस्य निर्माणाय अयं जनान् धनम् अयाचत् जनाश्च महत्यस्मिन् ज्ञानयज्ञे प्रभूतं धनमस्मै प्रायच्छन् ।

3880657

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी **एक** श्लोक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **2 + 5 = 7**

प्रीणाति यः सुचरितैः पितरं स पुत्रो
यद्भर्तुमेव हितमिच्छति तत् कलत्रम् ।
तन्मित्रमापदि सुखे च समक्रियं यद्
एतत्त्रयं जगति पुण्यकृतो लभन्ते ।।

3880657

अथवा

अये लाजानुच्चैः पथि वचनमाकर्ण्य गृहिणी
शिशोः कर्णौ यत्नात् सुपिहितवती दीनवदना ।।
मणि क्षीणोपाये यदकृतं दृशावश्रुबहुले
तदन्तःशल्यं मे त्वमसि पुनरुद्धर्तुमुचितः ।।

3880657

9. निम्नलिखित लोकोक्तियों एवं मुहावरों में से किसी **एक** का **अर्थ लिखकर** वाक्य में प्रयोग कीजिए : **1 + 1 = 2**

(i) अन्त भला तो सब भला

(ii) घी का लड्डू टेढ़ा भला

(iii) आग बबूला होना

(iv) टेढ़ी खीर होना

10. अपठित गद्यांश पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

भारत भौतिक दृष्टि से पिछड़ गया और इसलिए उसकी आध्यात्मिकता नाममात्र रह गयी । अशक्त आत्मानुभूति नहीं कर सकता । बिना अभ्युदय के नि:श्रेयस की सिद्धि नहीं होती । अत: आवश्यक है कि हम बल-संवर्द्धन करें, अभ्युदय के लिए प्रयत्नशील हों, जिससे अपने रोगों को दूर कर स्वास्थ्य लाभ कर सकें तथा विश्व के लिए भार न बनकर उसकी प्रगति में साधक और सहायक हो सकें ।

(i) भौतिक दृष्टि से भारत की क्या स्थिति है ?

(ii) नि:श्रेयस की सिद्धि किससे होती है ?

(iii) सशक्त होना क्यों आवश्यक है ?

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) कृत – कृति https://www.upboardonline.com

(A) रचना – पुस्तक

(B) किया हुआ – रचना

(C) कार्य – निर्मित

(D) इनमें से कोई नहीं

(ii) श्रवण – भ्रमण

(A) सुनना – भ्रमण

(B) भिक्षु – कर्ण

(C) का[redacted] भिक्षु

(D) इनमें से कोई नहीं

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी **एक** शब्द के **दो** सही अर्थ लिखिए : **1 + 1 = 2**

(i) नग

(ii) नाग

(iii) द्विज

(iv) पवन

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए **एक** सही शब्द चयन करके लिखिए : **1 + 1 = 2**

(i) ईश्वर में विश्वास करने वाला

(A) नास्तिक

(B) आस्तिक

(C) अजर

(D) अमर

(ii) जो नष्ट होने वाला हो

(A) नश्वर

(B) अविनाशी

(C) अकिंचन

(D) इनमें से कोई नहीं

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : **1 + 1 = 2**

(i) मोहन ने आलमारी खरीदा ।

(ii) मेरा बाल सफेद हो रहा है ।

(iii) आज मेरा बड़ा भाई आ गया ।

(iv) पक्षी पेड़ में हैं ।

3880657
3880657
3880657

12. (क) 'शृंगार' **अथवा** 'वीर रस' का लक्षण लिखते हुए एक उदाहरण लिखिए । **2**

(ख) 'रूपक' **अथवा** 'अनुप्रास' अलंकार का लक्षण लिखते हुए एक उदाहरण लिखिए । **1 + 1 = 2**

(ग) 'चौपाई' **अथवा** 'दोहा' छन्द का लक्षण (मात्रा सहित) लिखकर एक उदाहरण लिखिए । **1 + 1 = 2**

13. विद्यालय में रिक्त लिपिक पद पर नियुक्ति हेतु विद्यालय-प्रबन्धक के नाम आवेदन-पत्र लिखिए । **2 + 4 = 6**

अथवा

बैंक-प्रबन्धक के नाम एक आवेदन-पत्र लिखिए, जिसमें किसी व्यवसाय को स्थापित करने हेतु ऋण की माँग की गई हो । **2 + 4 = 6**

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : **2 + 7 = 9**

(i) आतंकवाद की समस्या – कारण और निवारण

(ii) अन्तरिक्ष में भारत के बढ़ते कदम

(iii) बढ़ती जनसंख्या और रोजगार की समस्या

(iv) विद्यार्थी-जीवन में अनुशासन का महत्त्व

(v) पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता

अनुक्रमांक _____

नाम _____

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 11

102

302(HH)

2025

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक : 100

नोट :

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं । दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

खण्ड – क

1. (क) निम्नलिखित में से कौन सी रचना हिन्दी गद्य की प्रारम्भिक रचनाओं में गिनी जाती है ? 1

(A) गोरखबानी

(B) चर्यापद

(C) उक्ति व्यक्ति प्रकरण

(D) सत्यवती कथा

(ख) 'हिन्दी प्रदीप' नामक मासिक पत्र किस साहित्यकार द्वारा निकाला जाता था ? 1

(A) प्रतापनारायण मिश्र

(B) बालकृष्ण भट्ट

(C) भारतेन्दु हरिश्चंद्र

(D) महावीरप्रसाद द्विवेदी

(ग) 'कलम का सिपाही' के लेखक हैं – 1

(A) प्रेमचन्द

(B) रामवृक्ष बेनीपुरी

(C) अमृतराय

(D) रामविलास शर्मा

(घ) 'शेखर : एक जीवनी' रचना की विधा है – 1

(A) कहानी

(B) उपन्यास

(C) जीवनी

(D) आत्मकथा

(ङ) निम्नलिखित में से ललित निबन्धकार हैं : 1

(A) रामचन्द्र शुक्ल

(B) सरदार पूर्ण सिंह

(C) कुबेरनाथ राय

(D) श्यामसुंदर दास

2. (क) 'प्रगतिशील लेखक संघ' की स्थापना कब हुई ? 1

(A) 1943 ई.

(B) 1936 ई.

(C) 1954 ई.

(D) 1963 ई.

(ख) महादेवी वर्मा की रचना है – 1

(A) धूप के धान

(B) पल्लव

(C) सांध्यगीत

(D) उर्वशी

(ग) 'अष्टछाप' के कवि नहीं हैं – 1

(A) नन्ददास

(B) छीतस्वामी

(C) भिखारीदास

(D) सूरदास

(घ) 'तार सप्तक' के प्रवर्तक हैं – 1

(A) निराला

(B) दिनकर

(C) पन्त

(D) अज्ञेय

(ङ) सूफी काव्यधारा के कवि हैं – 1

(A) रसखान

(B) रहीम

(C) जायसी

(D) नानक

5 × 2 = 10

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मातृभूमि पर निवास करने वाले मनुष्य राष्ट्र का दूसरा अंग हैं । पृथ्वी हो और मनुष्य न हों, तो राष्ट्र की कल्पना असंभव है । पृथ्वी और जन दोनों के सम्मिलन से ही राष्ट्र का स्वरूप संपादित होता है । जन के कारण ही पृथ्वी मातृभूमि की संज्ञा प्राप्त करती है । पृथ्वी माता है और जन सच्चे अर्थों में पृथ्वी का पुत्र है ।

(i) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।

(ii) राष्ट्र की कल्पना कब असंभव है ?

(iii) पृथ्वी और जन दोनों मिलकर क्या करते हैं ?

(iv) पृथ्वी कब मातृभूमि की संज्ञा प्राप्त करती है ?

(v) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

नये शब्द, नये मुहावरे एवं नयी रीतियों के प्रयोगों से युक्त भाषा को व्यावहारिकता प्रदान करना ही भाषा में आधुनिकता लाना है । दूसरे शब्दों में केवल आधुनिक युगीन विचारधाराओं के अनुरूप नये शब्दों के गढ़ने मात्र से ही भाषा का विकास नहीं होता, बरन् नये पारिभाषिक शब्दों एवं नूतन शैली प्रणालियों को व्यवहार में लाना ही भाषा को आधुनिकता प्रदान करना है ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) भाषा में आधुनिकता कैसे लायी जा सकती है ?

(iv) किसके गढ़ने मात्र से भाषा का विकास नहीं होता है ?

(v) इस गद्यांश के माध्यम से लेखक ने किन बिन्दुओं पर प्रकाश डाला है ?

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

तुम मांसहीन, तुम रक्तहीन
हे अस्थिशेष ! तुम अस्थिहीन,
तुम शुद्ध बुद्ध आत्मा केवल,
हे चिर पुराण ! हे चिर नवीन !
तुम पूर्ण इकाई जीवन की
जिसमें असार भव-शून्य लीन,
आधार अमर, होगी जिस पर
भावी की संस्कृति समासीन ।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) प्रस्तुत पद्यांश में कवि का आशय क्या है ?

(iv) कौन अस्थियों का ढाँचा प्रतीत होता है ?

(v) गांधीजी का जीवन किसका आधार है ?

अथवा

समर्पण लो सेवा का सार
सजल संसृति का यह पतवार;
आज से यह जीवन उत्सर्ग
इसी पदतल में विगत विकार ।

<u>बनो संसृति के मूल रहस्य</u>
<u>तुम्हीं से फैलेगी वह बेल;</u>
<u>विश्वभर सौरभ से भर जाय</u>
<u>सुमन के खेलो सुन्दर खेल ।</u>

(i) उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) यह किन दो पात्रों का संवाद है ?

(iv) सृष्टि का क्रम कैसे बढ़ेगा ?

(v) 'सजल संसृति' का क्या अर्थ है ?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उसकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) **3 + 2 = 5**

(i) हजारीप्रसाद द्विवेदी

(ii) पं. दीनदयाल उपाध्याय

(iii) वासुदेवशरण अग्रवाल

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा : **80** शब्द) **3 + 2 = 5**

(i) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

(ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) सच्चिदानन्द हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

6. 'खून का रिश्ता' अथवा 'पंचलाइट' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए। **5**

(अधिकतम शब्द-सीमा : **80** शब्द)

अथवा

'बहादुर' अथवा 'लाटी' कहानी के कथानक पर प्रकाश डालिए।

(अधिकतम शब्द-सीमा : **80** शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी **एक** खण्ड के **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : **5**

(अधिकतम शब्द-सीमा : **80** शब्द) https://www.upboardonline.com

(i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर गांधीजी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु को संक्षेप में लिखिए।

(iii) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की कथावस्तु को अपने शब्दों में वर्णित कीजिए।

(iv) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर राज्यश्री का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग का कथानक लिखिए।

(v) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर दशरथ का चरित्रांकन कीजिए।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'संदेश सर्ग' की कथावस्तु संक्षेप में वर्णित कीजिए।

(vi) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर द्रौपदी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

खण्ड – ख

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **2 + 5 = 7**

अथैकः शकुनिः सर्वेषां मध्यादाशयग्रहणार्थं त्रिकृत्वः अश्रावयत् । ततः एकः काकः उत्थाय 'तिष्ठ तावत्, अस्य एतस्मिन् राज्याभिषेककाले एवं रूपं मुखं, क्रुद्धस्य च कीदृशं भविष्यति ? अनेन हि क्रुद्धेन अवलोकिताः वयं तप्तकटाहे प्रक्षिप्तास्तिलाः इव तत्र घङ्क्ष्यामः । ईदृशो राजा मह्यं न रोचते' इत्याह ।

अथवा

याज्ञवलक्य उवाच – न वा अरे मैत्रेयि ! पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति । आत्मनस्तु वै कामाय पतिः प्रियो भवति । न वा अरे, जायायाः कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु वै जाया प्रिया भवति । न वा अरे, पुत्रस्य वित्तस्य च कामाय पुत्रे वित्तं वा प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाया पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति । न वा अरे, सर्वस्य कामाय सर्वं प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय सर्वं प्रियं भवति ।

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

सहसा विदधीत न क्रियांविवेकः परमापदां पदम् ।

वृणुते हि विमृश्यकारिणं गुणलुब्धाः हि स्वयमेव सम्पदः ।।

अथवा

वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि ।

लोकोत्तराणां चेतांसि को न विज्ञातुमर्हति ।।

1357288

9. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) हवा में तलवार चलाना

(ii) अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना

(iii) मिट्टी में मिलाना

(iv) नौ दो ग्यारह होना

1357288

10. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ का चयन करके लिखिए :

(i) अविराम – अभिराम 1

(A) लगातार और रुचिकर

(B) बिना रुके और सुंदर

(C) अनवरत और कठिन

(D) गतिशील और सुगम

1357288

(ii) विहग – विहंग 1

(A) पक्षी और बालक

(B) पक्षी और तोता

(C) पक्षी और आकाश

(D) आकाश और पक्षी

1357288

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी **एक** शब्द के **दो** अर्थ लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) पूत

(ii) कनक

(iii) अम्बर

(iv) जलद

1357288

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए **एक** सही शब्द का चयन करके लिखिए :

(i) बिना वेतन लिए काम करने वाला – 1

(A) सवैतनिक

(B) अवैतनिक

(C) वेतनमुक्त

(D) सेवानिवृत्त

1357288

(ii) प्रिय बोलने वाली – 1

(A) प्रिया

(B) प्रियाशा

(C) प्रियंवदा

(D) प्रीति

1357288

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) शिवानी एक विद्वान् लेखिका थीं।

(ii) सीता घर जाता है।

(iii) पुस्तक मेज में रखी है।

(iv) गोष्ठी में अनेकों विद्वानों के भाषण हुए।

11. अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

आचरण का विकास जीवन का परमोद्देश्य है। आचरण के विकास के लिए नाना प्रकार की सामग्रियों का, जो संसार सम्भूत शारीरिक, प्राकृतिक, मानसिक और आध्यात्मिक जीवन में वर्तमान हैं, उन सबका आचरण के विकास के साधनों के संबंध में विचार करना होगा। आचरण के विकास के लिए जितने कर्म हैं, उन सबको आचरण के संघटनकर्त्ता धर्म के अंग मानना पड़ेगा। चाहे कोई कितना ही बड़ा महात्मा क्यों न हो, वह निश्चयपूर्वक यह नहीं कह सकता कि यों ही करो, और किसी तरह नहीं। आचरण की सभ्यता की प्राप्ति के लिए वह सबको एक पथ नहीं बता सकता।

(क) जीवन का परम उद्देश्य क्या है ? 1

(ख) आचरण के विकास के संबंध में क्या विचार आवश्यक है ? 2

(ग) 'आध्यात्मिक' और 'संघटनकर्त्ता' शब्दों का अर्थ स्पष्ट कीजिए। 2

अथवा

कर्म में आनन्द अनुभव करने वालों का नाम ही कर्मण्य है। धर्म और उदारता उच्च कर्मों के विधान में ही एक ऐसा दिव्य आनन्द भरा रहता है कि कर्त्ता को वे ही फलस्वरूप लगते हैं। अत्याचार का दमन और क्लेश का शमन करते हुए चित्त में जो उल्लास और तुष्टि होती है, वही लोकोपकारी कर्मवीर का सच्चा सुख है। https://www.upboardonline.com

(क) कर्मण्य किन्हें कहा जाता है ? 1

(ख) किस विधान में दिव्य आनंद भरा रहता है ? 2

(ग) 'लोकोपकारी कर्मवीर' का आशय स्पष्ट कीजिए। 2

12. (क) 'हास्य रस' अथवा 'वीर रस' का स्थायी भाव के साथ उदाहरण अथवा परिभाषा लिखिए। 1 + 1 = 2

(ख) 'श्लेष' अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए। 1 + 1 = 2

(ग) 'सोरठा' अथवा 'चौपाई' छन्द का लक्षण तथा उदाहरण लिखिए। 1 + 1 = 2

13. अपने नगर में संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के संबंध में स्थानीय निकाय के अधिकारी को एक पत्र लिखिए। 6

अथवा

स्व-रोजगार प्रारम्भ करने हेतु ऋण-प्राप्ति के लिए निकटस्थ बैंक के शाखा-प्रबन्धक को एक आवेदन-पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 9

(i) वृक्षारोपण एवं वन संरक्षण

(ii) महिला सशक्तीकरण

(iii) आधुनिक जीवन की विसंगतियाँ

(iv) काकोरी एक्शन डे का महत्त्व

(v) गोस्वामी तुलसीदास